फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 75 प्रभात जयपुर, गुरूवार 15 अक्टूबर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

The baraat has come

"The High Court passes an order and the hearing date nears, which is when the JDA starts its action, and this attitude of the JDA is responsible for encroachment in Jaipur." (Gopal Sharma, BJP MLA, to ANI)

Aging Without Nagging

HOW PLANTS KNOW WHEN TO BLOOM?

‘अमेरिका में मोदी विरोधी लोग दीपके और सीजेपी को “फण्ड” कर रहे हैं’

अमेरिकन सिंगर मेरी मिलीबेन ने सोशल मीडिया पोस्ट में यह दावा किया, हालांकि, उन्होंने फंड करने वालों के नाम नहीं बताए

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। अमेरिका में रहने वाले कुछ दानदाताओं द्वारा अभिजीत दीपके की कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को पैसा देने के आरोप ने भारत में असहमति, विदेशी दखल और राजनीतिक आंदोलनों की फंडिंग को लेकर चल रही बहस में एक संवेदनशील मुद्दा खड़ा कर दिया है। अगर यह दावा सही साबित होता है, तो देश के भीतर राजनीतिक गतिविधियों में बाहरी लोगों की भूमिका पर सवाल उठ सकते हैं। तथापि, खतरा यह है कि दस्तावेजी सबूतों के बिना यह गंभीर आरोप सिर्फ एक ऐसा राजनीतिक नैरेटिव बनकर रह जाएगा, जिसे साबित करने वाले तथ्य मौजूद नहीं हैं।

अमेरिकी गायिका और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की समर्थक मैरी मिलबेन ने सोशल मीडिया पर यह आरोप लगाया कि मोदी का विरोध करने वाले अमेरिका के कुछ दानदाता दीपके और सीजेपी को पैसा दे रहे हैं, ताकि भारत में शासन व्यवस्था को बाधित किया जा सके। हालांकि, इस विवाद पर अब तक सामने आई सार्वजनिक रिपोर्टों में कथित दानदाताओं की पहचान, दी गई रकम या ऐसे किसी भरोसेमंद वित्तीय लेन-देन का पता नहीं चला है, जो उन्हें इस आंदोलन से जोड़ता हो।

- **अमेरिकन सिंगर के इस दावे के बाद भारत में विदेशी फंडिंग के मुद्दे पर भारी बहस छिड़ गई। हालांकि, दीपके ने पूर्व में कहा था कि वे और आशुतोष रांका आर्थिक योगदान देते हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि सीजेपी के रजिस्ट्रेशन की कोशिश चल रही है और फिर वे क्राउड फंडिंग से धन जुटाएंगे।**
- **हालांकि, अभी तक ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं मिला है, जिससे यह साबित होता हो कि सीजेपी को विदेशी फंडिंग मिल रही है, फिलहाल यह मुद्दा आरोप-प्रत्यारोप तक ही सीमित लग रहा है।**

राजनीतिक रूप से यह अंतर मायने रखता है। अगर किसी घरेलू संगठन को विदेश से फंडिंग मिलने की बात साबित होती है, तो उसके पैसों के स्रोत, कानूनी स्थिति और लागू नियमों के पालन की जांच हो सकती है। लेकिन किसी विदेशी सरकार की भागीदारी या बाहर से चलाए जा रहे राजनीतिक अभियान का आरोप साबित करने के लिए अतिरिक्त सबूत जरूरी हैं। केवल निजी विदेशी चंदे से ये बातें अपने आप साबित नहीं हो जातीं।

दीपके ने आंदोलन की फंडिंग के बारे में अलग बात कही है। 10 अक्टूबर को प्रकाशित लोकसत्ता के एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वे और उनके दोस्त, जिनमें आशुतोष रांका भी शामिल हैं, पैसे का योगदान कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि संगठन के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया चल रही है और प्रक्रिया पूरी होने के बाद, क्राउडफंडिंग, यानी आम लोगों से छोटे-छोटे योगदान लेकर पैसा जुटाने की योजना है। उन्होंने कहा, शुरुआती विरोध प्रदर्शन के दौरान समर्थकों ने व्यावहारिक मदद दी थी।

इन बातों से आंदोलन के लिए पैसों के कम से कम कुछ स्रोतों की जानकारी मिलती है। लेकिन इससे उसके पूरे वित्तीय हिसाब का पता नहीं चलता और न ही यह पूरी तरह साबित होता है कि उसे किसी अन्य स्रोत से पैसा नहीं मिला।

14 अक्टूबर को दीपके ने मिलबेन के दखल पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारतीयों को अपने देश के राजनीतिक मतभेदों को बिना बाहरी दखल के सुलझाने में सक्षम होना चाहिए। उनके जवाब ने इस बात की ओर ध्यान खींचा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अदालती आदेश के बाद भी नीट आयुष काउंसलिंग में शामिल नहीं किया

जयपुर, 14 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने, अदालती आदेश के बावजूद, याचिकाकर्ता को नीट आयुष काउंसलिंग-2026 में शामिल नहीं करने पर नीट आयुष काउंसलिंग चेयरमैन को अवमानना नोटिस जारी कर

- **हाई कोर्ट ने नीट आयुष काउंसलिंग चेयरमैन को अवमानना नोटिस जारी किया।**

जवाब देने के लिए कहा है। इसके साथ ही, अदालत ने चेयरमैन को 16 नवंबर को शपथ पत्र पेश कर यह भी बताने के लिए कहा है कि उन्होंने हाईकोर्ट के 24 सितंबर के आदेश की पालना में याचिकाकर्ता की काउंसलिंग और दस्तावेजों का सत्यापन किया या नहीं। जस्टिस अशोक कुमार जैन ने ये आदेश प्रणवेन्द्र गुर्जर की अवमानना याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता ने बीएएमएस में प्रवेश के लिए नीट आयुष काउंसलिंग 2026 में रजिस्ट्रेशन करवाया था। नीट आयुष काउंसलिंग में प्रवेश के लिए एक वर्ग एनआरआई के बराबर फीस जमा कराने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए था। इसमें एनआरआई अभ्यर्थी के नहीं आने पर आयुष के लिए प्रवेश दिया जाना था। हर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘ब्रिक्स समिट से दूर रह कर बड़ा मौका गंवा दिया बाँग्लादेश ने’

बाँग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने वर्तमान प्रधानमंत्री की राजनैतिक परिपक्वता पर सवाल उठाए

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। पिछले महीने भारत में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होने के बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के फैसले ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस कदम को अपरिपक्व बताते हुए कहा है कि इससे उनके देश के राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचा है।

इस साल की शुरुआत में सत्ता संभालने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेतृत्व वाली सरकार के प्रमुख रहमान ने भारत की ओर से निमंत्रण दिए जाने के बावजूद 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में हुए शिखर सम्मेलन में शामिल होने से इनकार कर दिया था। ढाका का कहना था कि निमंत्रण रहमान को बिम्सटेक के मौजूदा अध्यक्ष के रूप में दिया गया था, न कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के तौर पर। बांग्लादेश चाहता था कि रहमान की पहली भारत यात्रा बहुपक्षीय सम्मेलन के बजाय द्विपक्षीय हो। भारत ने इसके जवाब में कहा कि रहमान को द्विपक्षीय बातचीत और ब्रिक्स के आउटरीच सत्र, दोनों के लिए अलग-अलग निमंत्रण दिए गए थे। अंततः बांग्लादेश ने सम्मेलन में अपना कोई आधिकारिक प्रतिनिधि नहीं भेजा।

- **हालांकि, बाँग्लादेश की ओर से कहा गया है कि रहमान को बाँग्लादेश के प्रधानमंत्री की हैसियत से नहीं बुलाया गया था, इसके अलावा वे पहली भारत यात्रा बहुपक्षीय समिट के बजाय द्विपक्षीय वार्ता के लिए करना चाहते थे।**
- **लेकिन चर्चा है कि असल में नई दिल्ली में शेख हसीना की मौजूदगी की वजह से वे समिट में शामिल नहीं हुए।**
- **शेख हसीना ने रहमान के इस फैसले की कड़ी आलोचना की और कहा कि इससे बाँग्लादेश को नुकसान होगा। इसी के साथ उन्होंने दिसम्बर में स्वदेश वापसी की घोषणा की।**

एक समाचार एजेंसी को हाल ही में दिए साक्षात्कार में हसीना ने कहा कि बांग्लादेश ने आर्थिक और सामाजिक विकास के कई महत्वपूर्ण अवसर गंवा दिए। उन्होंने कहा, ब्रिक्स केवल एक कूटनीतिक बैठक नहीं है। इसमें प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाएं एक साथ आती हैं और व्यापार, निवेश, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी तथा विकास के क्षेत्रों में सहयोग के अवसर पैदा होते हैं। इसमें भाग लेकर बांग्लादेश मूल्यवान अनुभव हासिल कर सकता था और नए अवसरों के द्वार खोल सकता था... वह अवसर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एयर फ्रांस ने इज़रायल की उड़ानों से पाकिस्तानी पायलटों को हटाया

इज़रायल ने उन देशों के विमानन कर्मचारियों पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए है, जिनसे उसके कूटनीतिक रिश्ते नहीं हैं, इसलिए एयर फ्रांस ने यह फैसला लिया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। एयर फ्रांस ने पाकिस्तानी पायलटों और चालक दल के सदस्यों को इज़रायल आने-जाने वाली उड़ानों में ड्यूटी करने से रोक दिया है। यह कदम यहूदी देश इज़रायल द्वारा उन देशों के एयरलाइन क्रू के लिए प्रतिबंध सख्त करने के बाद उठाया गया है, जिनके साथ उसके राजनयिक संबंध नहीं हैं। यह फैसला 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की एक उड़ान में ओमान के सह-पायलट द्वारा कथित तौर पर आतंकवादी हमला करने की कोशिश के बाद लिया गया है। ओमान उन देशों में शामिल है, जिनके इज़रायल के साथ राजनयिक संबंध नहीं

- **एयर फ्रांस ने पाकिस्तान सहित 31 देशों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन देशों के नागरिकों को इज़रायल की उड़ानों में तैनात नहीं किया जाएगा।**
- **इसी के साथ शिकागो की यूनाइटेड एयरलाइन्स ने भी अपने पायलटों को इज़रायल द्वारा लगाए गए राष्ट्रीयता आधारित प्रतिबंधों की जानकारी अपने स्टाफ को दी।**
- **चैक रिपब्लिक की एयरलाइन स्मार्टविंग्स ने भी इज़रायल के प्रतिबंध लागू करने की पुष्टि की।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वाहनों पर काली फिल्म व रंगीन शीशे क्यों लगे हैं?

जयपुर, 14 अक्टूबर। ने रोक के बावजूद प्रदेश की सड़कों पर चल रहे वाहनों पर काली फिल्म और रंगीन शीशे लगे होने के मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में

- **बार एसोसिएशन सदस्यों ने हाई कोर्ट से कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के खिलाफ है।**

मुख्य सचिव, परिवहन विभाग के सचिव, परिवहन आयुक्त व डीजीपी को पक्षकार बनाया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल व जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश एक डेथ रेफरेंस पर सुनवाई के दौरान लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर दिए। अदालत ने हाईकोर्ट प्रशासन को कहा कि वह इस मामले को सीजे के समक्ष रखे, ताकि इसे जनहित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाइजैक अलर्ट के बाद एयर इंडिया विमान जयपुर डायवर्ट

जाँच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, विमान को दोपहर 2:24 बजे दिल्ली रवाना कर दिया गया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की एक उड़ान को बुधवार सुबह, हाईजैक अलर्ट मिलने के बाद, जयपुर डायवर्ट कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार, हवाई अड्डा अधिकारियों ने हाईजैक जैसी घटनाओं से निपटने के लिए आमतौर पर अपनाई जाने वाली उच्चतम स्तर की सुरक्षा व्यवस्था लागू की।

बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान, उड़ान संख्या 2030, सुबह 9.45 बजे, अपने निर्धारित गंतव्य दिल्ली से 280 किलोमीटर दूर, जयपुर में सुरक्षित उतर गया। विमान के जमीन पर उतरने के बाद अधिकारियों ने सावधानी बरतते हुए उसके पास पहुंचकर यात्रियों के उतरने के लिए सीढ़ियां लगवाईं।

- **एयर इंडिया की फ्लाईट एआई2030 (बोइंग 787 ड्रीमलाइनर) को सुबह 9:45 बजे जयपुर हवाई अड्डे पर उतारा गया।**
- **विमान को आइसोलेशन में रखा गया। विमान में 300 यात्री सवार थे।**
- **सूत्रों का कहना है कि तकनीकी खराबी से अलर्ट का बटन दब गया था, इसकी वजह से हाईजैक का संदेश अहमदाबाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल तक पहुँचा जिसके बाद विमान को जयपुर डायवर्ट किया गया।**

अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। विमान की पूरी तरह जांच किए जाने के बाद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को उतरने की अनुमति दी गई। एयरलाइन ने बुधवार को पहले बताया था कि यात्रियों को यात्रा की तारीख बदलने के लिए बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के विकल्प या टिकट रद्द करने की स्थिति में पूरा रिफंड देने की पेशकश की गई।

जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 9 बजे अहमदाबाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को विमान से कुछ सेकंड के लिए स्क्वॉक-7500 कोड का संकेत मिला था। विमानन क्षेत्र में इस कोड का इस्तेमाल हाईजैक की स्थिति का संकेत देने के लिए किया जाता है। इसके बाद एटीसी ने जयपुर सहित, संबंधित एजेंसियों को सूचना दी। सुबह करीब 9:10 बजे विमान का मार्ग बदलकर जयपुर की ओर कर दिया गया और 9:45 बजे इसकी लैंडिंग कराई गई।

विमान उतरने के बाद, उसे पार्किंग क्षेत्र से दूर आइसोलेशन-बे में रखा गया। एयरपोर्ट पर केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) सहित, विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने मोर्चा संभाला। विमान में सवार करीब 300

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘तिरंगे के साथ कनॉट प्लेस के सेन्ट्रल पार्क में 16 को इकट्ठे हों’

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अभिजीत दीपके ने लोगों से 16 अक्टूबर को

- **सीजेपी के अभिजीत दीपके ने लोगों से अपील की।**

कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में शाम को इकट्ठा होने और साथ में तिरंगा लाने की अपील की है। उनका यह बयान सीजेपी प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी के बाद आया है। सीजेपी का आरोप है कि दोनों को जंतर मंतर में तिरंगा लहराने के जुर्म में गिरफ्तार किया गया है।

दीपके आज सुबह दिल्ली पहुंचे और शाम को उन्होंने सोशल मीडिया में एक वीडियो संदेश जारी कर लोगों से यह अपील की। उन्होंने कहा कि उनके साथियों को तिरंगा लहराने के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शाह ने कांग्रेस पर घुसपैठियों को वोटर लिस्ट में शामिल कराने का आरोप लगाया

बदले में कांग्रेस ने अमित शाह से एसआईआर पर पूछे तीन सवाल

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सव रिविजन-एसआईआर) को लेकर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के बीच तीखी जुबानी जंग चल रही है। शाह एसआईआर का बचाव कर रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि जनता द्वारा बार-बार नकारे जाने के बाद, विपक्षी दल घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में दर्ज कराना चाह रहा है। इसके जवाब में कांग्रेस ने उनसे तीन सवाल पूछे हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा, “एसआईआर का लगातार बचाव कर रहे केन्द्रीय गृह मंत्री से तीन बेहद सरल और सीधे सवाल हैं। कितने घुसपैठियों की पहचान की गई है? कितने घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं? कितने घुसपैठियों को देश से बाहर भेजा गया है?”

मंगलवार को केन्द्रीय गृह मंत्री ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूचियों के एसआईआर के खिलाफ विपक्ष के विरोध प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा था।

शाह ने पत्रकारों से कहा था, “मैं राहुल जी और उनके साथियों से कहना चाहता हूं कि वे 2029 में एक बार फिर करारी हार का सामना करने के लिए तैयार रहें। 2029 के आम चुनाव में एनडीए भारी बहुमत से जीतेगा और कांग्रेस लगातार चौथी बार हार का सामना करेगी।”

उन्होंने कहा था, “इस देश की

- **कांग्रेस ने पूछा, कितने घुसपैठियों की पहचान हुई, कितनों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए और कितने घुसपैठियों को देश से बाहर भेजा गया है?**
- **शाह ने दावा किया कि 2029 का चुनाव भी एनडीए भारी बहुमत से जीतेगा।**
- **कांग्रेस ने 14 करोड़ भारतीयों को एसआईआर द्वारा वोटर लिस्ट से हटाने की आलोचना की और पूछा, क्या गृह मंत्री यह कहना चाहते हैं कि 14 करोड़ भारतीय घुसपैठिए हैं।**

जनता नरेन्द्र मोदी जी, भारतीय जनता पार्टी और एनडीए के साथ है। आप इस सच्चाई को नकार नहीं सकते।”

शाह ने कहा कि भारत की जनता “घुसपैठियों के नाम मतदाता के रूप में दर्ज कराए जाने” की राहुल गांधी की योजनाओं को जानती है।

उन्होंने कहा था, “मैं राहुल गांधी जी से सीधे पूछना चाहता हूं: क्या यह एसआईआर का नतीजा है? एसआईआर की शुरुआत तो 2024 के बाद ही हुई है।”

शाह ने कहा, “जब से आप कांग्रेस के प्रमुख नेता बने, फिर पार्टी अध्यक्ष बने और अब लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं, तब से कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है। आपको आत्ममंथन करना चाहिए। मनगढ़ंत मीडिया कार्यक्रमों और झूठ को बार-बार दोहराने से आप देश की जनता का भरोसा नहीं जीत सकते।”

इसके जवाब में कांग्रेस ने गृह मंत्री से पूरे मामले का ब्योरा देने की मांग की।

रमेश ने लिखा, “सौ करोड़ भारतीयों को एसआईआर की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा है। उन्हें इसके नतीजों के बारे में जानने का पूरा अधिकार है।”

उन्होंने कहा, “सच्चाई यह है कि “शाह इन्स्टीगेटेड रिमूवल” (एसआईआर) के सूत्रधार बार-बार घुसपैठियों का मुद्दा उठाकर, असली मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की हताश जोड़ी ने करीब 14 करोड़ भारतीयों को वोट देने के उनके संवैधानिक अधिकार से वंचित कर दिया है।”

रमेश ने आगे कहा, “क्या गृह मंत्री यह कहना चाहते हैं कि ये 14 करोड़ भारतीय घुसपैठिए हैं? क्या गृह मंत्री के रूप में उनकी असावधानी से देश में घुसपैठियों की संख्या में इतनी भारी बढ़ोतरी हुई है?”

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी इसी तरह हमला बोला।

खड़गे ने लिखा, “गृह मंत्री द्वारा एसआईआर से बाहर किये गए 13.3 करोड़ भारतीयों को ‘घुसपैठिया’ बताना भारतीयता का अपमान है।”

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीला ड्रम हत्याकांड में मुस्कान व साहिल को मृत्युदंड

मेरठ, 14 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश में मेरठ जिले के चर्चित सौरभ राजपूत हत्याकांड में बुधवार को जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा की अदालत ने दोषी साहिल शुक्ला और मुस्कान

- **मेरठ के इस चर्चित हत्यांकांड की सुनवाई 13 माह चली।**

रस्तोगी को फांसी की सजा सुनाई। लगभग 13 माह चली इस सुनवाई में 22 गवाहों के बयान के आधार पर न्यायालय ने फैसला सुनाया। अपने गुनाहों की सजा पाये जाने पर दोनों की आंखों में आंसू आ गए।

जिला कारागार से बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से दोनों की पेशी हुई। कोर्ट ने सजा सुनाने से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मन की प्रसन्नता से समस्त मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। –रामदास

पेंशन स्थगित वेतन है, सरकार की कृपा नहीं!

पेंशन किसी कर्मचारी को सेवानिवृत्ति के बाद सरकार अथवा नियोक्ता द्वारा दिया जाने वाला दान, अनुदान या उपकार नहीं है। यह उसके जीवनभर की सेवाओं के बदले मिलने वाले वेतन का वह हिस्सा है, जिसका भुगतान सेवा अवधि में न करके भविष्य के लिए स्थगित कर दिया गया है। इसलिए पेंशन को 'स्थगित वेतन' कहना पूरी तरह तर्कसंगत है। कर्मचारी अपनी युवावस्था और जीवन के सर्वाधिक उत्पादक वर्ष संस्थान को समर्पित करता है। उसके परिश्रम, अनुभव और सेवाओं से संस्थान तथा समाज लाभान्वित होते हैं। सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन के माध्यम से उसे उसी अर्जित अधिकार का लाभ मिलता है। ऐसे में पेंशन का भुगतान रोकना केवल आर्थिक कठिनाई पैदा करना नहीं, बल्कि कर्मचारी के वर्षों के परिश्रम के प्रतिफल को अनिश्चितता में डालना है।

सेवा के बदले अधिकार, दया की अपेक्षा नहीं

जब कोई कर्मचारी सरकारी अथवा सार्वजनिक संस्थान में नियुक्त होता है, तब वह निर्धारित सेवा शर्तों के अंतर्गत अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करता है। वह नियमित रूप से कार्य करता है, अपने वेतन पर करों का भुगतान करता है और संस्थान के विकास में योगदान देता है। अनेक कर्मचारी पदोन्नति, स्थानांतरण तथा अन्य सेवा संबंधी परिस्थितियों के बीच अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए सेवानिवृत्ति तक सेवा करते हैं। पेंशन इसी दीर्घकालीन सेवा व्यवस्था का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।

यदि कर्मचारी को यह विश्वास ही न हो कि सेवानिवृत्ति के बाद उसे समय पर पेंशन मिलेगी, तो सामाजिक सुरक्षा की पूरी अवधारणा कमजोर हो जाती है। वृद्धावस्था में नियमित आय का सबसे विश्वसनीय साधन पेंशन है। इसी से भोजन, दवाइयों, आवास, बिजली-पानी और अन्य आवश्यक खर्चों की पूर्ति होती है। बढ़ती महँगाई तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं के कारण वृद्धावस्था में नियमित आय का महत्त्व और भी बढ़ जाता है।

पेंशनभोगी कोई ऐसा व्यक्ति नहीं है जो बिना काम किए सरकार से धन माँग रहा हो। उसने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा सेवा में लगाया है और पेंशन उसी सेवा का अर्जित प्रतिफल है। इसलिए पेंशन को सरकारी खजाने पर अनावश्यक बोझ बताना उन कर्मचारियों के योगदान की उपेक्षा करना है, जिनकी मेहनत से प्रशासन, शिक्षा, अनुसंधान और सार्वजनिक सेवाओं का संचालन हुआ है।

न्यायपालिका ने भी माना पेंशन का महत्त्व

भारत में पेंशन के अधिकार को लेकर न्यायपालिका ने अनेक महत्त्वपूर्ण निर्णय दिए हैं। सर्वोच्च न्यायालय नेडी. एस. नकारा बनाम भारत संघ (1982)के ऐतिहासिक निर्णय में पेंशन को महज नियोक्ता की कृपा न मानते हुए सामाजिक सुरक्षा और गरिमापूर्ण वृद्धावस्था से जोड़ा। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि पेंशनभोगियों के साथ व्यवहार करते समय संवैधानिक समानता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों की अनदेखी नहीं की जा सकती।

यहाँ यह समझना आवश्यक है कि प्रत्येक पेंशन विवाद का निर्णय संबंधित सेवा नियमों, लागू कानूनों और तथ्यों के आधार पर होता है। फिर भी न्यायिक दृष्टिकोण का व्यापक संदेश स्पष्ट है-पेंशनभोगियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा करना एक न्यायपूर्ण व्यवस्था की जिम्मेदारी है।

संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की व्याख्या में गरिमापूर्ण जीवन का महत्त्व स्वीकार किया गया है। वहीं अनुच्छेद 14 समानता के सिद्धांत की रक्षा करता है। पेंशन संबंधी प्रत्येक मामले में इन प्रावधानों का अनुप्रयोग उसके तथ्यों और कानून के अनुसार होगा, लेकिन राज्य से अपेक्षा की जाती है कि वह अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के प्रति न्यायसंगत तथा संवेदनशील व्यवहार करे।

राजस्थान के विश्वविद्यालयों के पेंशनभोगियों की पीड़ा

पेंशन के सिद्धांत की वास्तविक परीक्षा तब होती है, जब किसी संस्थान के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अपनी अर्जित पेंशन प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़े। राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के पेंशनभोगियों की स्थिति इस समस्या का गंभीर उदाहरण है। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर सहित राज्य के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों को लेकर लंबे समय से कठिनाइयाँ सामने आती रही हैं।

इन विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों ने कृषि शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार और किसानों की समस्याओं के समाधान मी अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। कृषि वैज्ञानिकों ने नई तकनीकों के विकास, फसल उत्पादन बढ़ाने, मृदा स्वास्थ्य सुधारने और किसानों तक वैज्ञानिक जानकारी पहुँचाने के लिए दशकों तक काम किया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया तथा गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने संस्थानों के संचालन में योगदान दिया। लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद यदि इन्हीं कर्मचारियों को पेंशन के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ें, तो यह व्यवस्था की गंभीर विफलता है।

जय नारायण विश्व विद्यालय, जोधपुर के पेंशनर को छह माह से पेंशन नहीं मिलने के कारण संघर्षरत है सभी पेंशनर विशेष रूप से पारिवारिक पेंशनर सबसे अधिक पीड़ित है और गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं । राज्य सरकार एवं राजनीतिक प्रतिनिधि मदद के लिए आगे नहीं आ रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि विश्वविद्यालय के शिक्षक कोई महत्वपूर्ण वोट बैंक नहीं है । परन्तु राज्य सरकार को समझना होगा कि पेंशनरों को नियमित पेंशन का भुगतान करना सरकार का वैद्यानिक दायित्व है ।

> **पेंशनभोगी कोई ऐसा व्यक्ति नहीं है जो बिना काम किए सरकार से धन माँग रहा हो। उसने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा सेवा में लगाया है और पेंशन उसी सेवा का अर्जित प्रतिफल है। इसलिए पेंशन को सरकारी खजाने पर अनावश्यक बोझ बताना उन कर्मचारियों के योगदान की उपेक्षा करना है, जिनकी मेहनत से प्रशासन, शिक्षा, अनुसंधान और सार्वजनिक सेवाओं का संचालन हुआ है।**

विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता का हवाला देकर राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी से पूरी तरह मुक्त नहीं हो सकती। दूसरी ओर, विश्वविद्यालयों की सीमित आय का तर्क देकर पेंशनभोगियों को भुगतान से वंचित रखना भी न्यायोचित समाधान नहीं है। जब किसी विश्वविद्यालय की आय नियमित पेंशन भुगतान के लिए पर्याप्त नहीं है, तो राज्य सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन को मिलकर स्थायी वित्तीय व्यवस्था बनानी चाहिए।

यह समस्या केवल लेखा-जोखा अथवा प्रशासनिक प्रक्रिया का विषय नहीं है। इसके पीछे हजारों परिवारों की आजीविका, सम्मान और भविष्य जुड़ा हुआ है। पेंशन में देरी का अर्थ है दवाइयों में कटौती, आवश्यक खर्चों में कमी और वृद्धावस्था में मानसिक तनाव। जिन लोगों ने जीवनभर संस्थान की सेवा की, उन्हें जीवन के अंतिम पड़ाव में आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, यह किसी भी कल्याणकारी व्यवस्था के लिए चिंताजनक स्थिति है।

समाधान के लिए ठोस कदम जरूरी

इस समस्या का स्थायी समाधान केवल आश्वासन देने से नहीं होगा। इसके लिए कुछ ठोस कदम उठाने होंगे।

पहला, राजस्थान सरकार को कृषि विश्वविद्यालयों के पेंशन भुगतान की जिम्मेदारी और वित्तीय व्यवस्था के संबंध में स्पष्ट नीति बनानी चाहिए। विश्वविद्यालयों की वास्तविक आय, पेंशन देनदारियों और भविष्य की आवश्यकताओं का स्वतंत्र आकलन कराया जाए।

दूसरा, नियमित पेंशन भुगतान के लिए समर्पित पेंशन निधि अथवा अन्य विश्वसनीय वित्तीय व्यवस्था विकसित की जाए। राज्य सरकार और विश्वविद्यालयों के बीच अनुदान, योगदान तथा भुगतान की जिम्मेदारियाँ स्पष्ट हों, ताकि प्रत्येक माह पेंशन के लिए अनिश्चितता न रहे।

तीसरा, बकाया पेंशन, महँगाई राहत और अन्य स्वीकृत लाभों के भुगतान के लिए समयबद्ध कार्ययोजना घोषित की जाए। पात्रता और लागू नियमों के अनुसार भुगतान की स्थिति सार्वजनिक की जाए तथा विलंब के कारणों की जवाबदेही तय हो।

चौथा, पेंशनभोगियों की शिकायतों के निस्तारण के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर विशेष प्रकोष्ठ बनाया जाए। शिकायत प्राप्त होने, दस्तावेज पूरे होने और निर्णय होने की समय-सीमा निर्धारित की जाए। वृद्ध पेंशनभोगियों को सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया में अनावश्यक रूप से उलझाने से बचाया जाए।

पाँचवाँ, राज्य सरकार को सभी कृषि विश्वविद्यालयों की समस्याओं का संयुक्त अध्ययन कर समानता, वित्तीय स्थिरता और कानूनी दायित्वों पर आधारित दीर्घकालीन नीति तैयार करनी चाहिए। जहाँ न्यायालय के आदेश लागू हों, वहाँ उनका समय पर पालन सुनिश्चित किया जाए।

सरकार की विश्वसनीयता की कसौटी

किसी सरकार की संवेदनशीलता का आकलन केवल नई योजनाओं की घोषणाओं से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना होगा कि वह उन नागरिकों और कर्मचारियों के साथ कैसा व्यवहार करती है, जिन्होंने अपना जीवन सार्वजनिक सेवा में लगा दिया। पेंशनभोगियों की समस्याओं का समाधान सरकार पर कोई अतिरिक्त कृपा नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण प्रशासन और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में आवश्यक कदम है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पेंशन को खर्च की ऐसी मद न माना जाए जिसे वित्तीय कठिनाई के समय टाला जा सकता है। पेंशन देनदारियों का अनुमान समय रहते लगाना, पर्याप्त धन की व्यवस्था करना और भुगतान नियमित रखना सरकार तथा विश्वविद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी है। संस्थान की वित्तीय समस्याओं का समाधान पेंशनभोगियों की आजीविका को अनिश्चित बनाकर नहीं किया जाना चाहिए।

अंततः प्रश्न केवल पेंशन की राशि का नहीं, बल्कि उस विश्वास का है जिसके आधार पर कर्मचारी अपना पूरा जीवन संस्थान को समर्पित करता है। यदि सेवानिवृत्ति के बाद उसे अपनी अर्जित पेंशन के लिए संघर्ष करना पड़े, तो सेवा व्यवस्था का भरोसा कमजोर होता है।

पेंशन कोई खैरात नहीं, जीवनभर की सेवा का प्रतिफल है। यह स्थगित वेतन है, जिसे समय पर लौटाना नियोक्ता का दायित्व है। राजस्थान सरकार और कृषि विश्वविद्यालयों को इस सिद्धांत को व्यवहार में उतारना चाहिए। पेंशनभोगियों को आश्वासन नहीं, नियमित भुगतान चाहिए; सहानुभूति के शब्द नहीं, उनके अधिकारों का सम्मान चाहिए। यही सामाजिक न्याय है और यही एक संवेदनशील, जवाबदेह तथा कल्याणकारी शासन की पहचान होनी चाहिए।

-अतिथि सम्पादक,
प्रोफेसर (डा.) पी. सी. कंठालिया
पूर्व विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान) एवं मुख्य वैज्ञानिक
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

मतदाता सूची का शुद्धिकरण: सवाल चुनाव आयोग पर नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने पर होना चाहिए

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

देश में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक बहस एक बार फिर तेज हो गई है। चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। लोकतंत्र में चुनाव आयोग से सवाल पूछना और उसकी कार्यप्रणाली की आलोचना करना पूरी तरह जायज है, लेकिन क्या मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसी सामान्य और आवश्यक प्रक्रिया को ही राजनीतिक विवाद का विषय बना देना उचित है? इस पूरे विषय को समझने के लिए हमें कुछ व्यावहारिक सवालों पर ध्यान देना होगा।

क्या पिछले 20-25 वर्षों में देश में लोगों की मृत्यु नहीं हुई? क्या नए मतदाता पैदा नहीं हुए? क्या लोगों ने अपने शहर और राज्य नहीं बदले? क्या महिलाओं की शादी के बाद उनका निवास स्थान नहीं बदलता? क्या बच्चे पढ़ाई और नौकरी के लिए दूसरे शहरों में नहीं जाते? क्या सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लगातार तबादले नहीं होते?

इन सवालों का जवाब स्पष्ट है। देश में करोड़ों लोग पिछले कुछ दशकों में एक स्थान से दूसरे स्थान पर गए हैं। ऐसे में यदि मतदाता सूची में पुराने पते पर नाम बने रह जाते हैं या किसी व्यक्ति का नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हो जाता है, तो इसका समाधान मतदाता सूची को शुद्ध करना ही है।

कुछ सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारियों के साथ हुई चर्चा में इस समस्या का एक दिलचस्प और व्यावहारिक उदाहरण सामने आया। सरकारी अधिकारियों की सेवा में दो-तीन या चार वर्ष में तबादले होना सामान्य बात रही है। कोई अधिकारी जोधपुर में रहा, फिर उदयपुर चला गया, उसके बाद अजमेर, बीकानेर या जयपुर जैसे किसी दूसरे शहर में पदस्थापित हो गया। इसी तरह केंद्रीय सेवाओं के अधिकारियों का कैडर या कार्यस्थल भी बदल सकता है। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की अलग-अलग शहरों में विभागीय कॉलोनियां होती हैं। किसी जगह सिविल लाइंस, किसी अन्य सरकारी विभागों की कॉलोनियां होती हैं। जब मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया होती थी, तब इन कॉलोनियों में रहने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के नाम स्थानीय मतदाता सूची में दर्ज हो जाते थे। समस्या यह है कि बाद में जब अधिकारी का तबादला हो गया, तो पुराने स्थान की मतदाता सूची से नाम हटना हमेशा उतनी आसानी से नहीं हुआ।

मतदाता सूची में पुराने नाम बने रहने का एक बड़ा कारण महिलाओं का विवाह के बाद स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। एक महिला विवाह से पहले अपने माता-पिता के शहर में रहती है। विवाह के बाद उसका स्थायी या सामान्य निवास किसी दूसरे शहर या राज्य में हो सकता है। ऐसी स्थिति में पुराने स्थान की मतदाता सूची से नाम हटाकर नए स्थान पर नाम दर्ज करवाना आवश्यक है।

इसी तरह हजारों-लाखों परिवारों में बच्चे पढ़ाई या नौकरी के लिए दूसरे शहरों में चले जाते हैं। कुछ लोग कुछ वर्षों के लिए दूसरे शहर में रहते हैं और फिर वापस लौट आते हैं। कुछ लोग स्थायी रूप से वहीं बस जाते हैं।

मतदाता सूची से जुड़े पुराने रिकॉर्ड की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि किसी व्यक्ति का पुराना नाम हमेशा अपने आप समाप्त नहीं होता। यदि कोई व्यक्ति एक शहर से दूसरे शहर चला गया और उसने नए स्थान पर नाम दर्ज करा लिया, लेकिन पुराने स्थान की सूची से नाम नहीं हटवाया, तो दोनों जगह रिकॉर्ड मौजूद रह सकता है। एक व्यक्तिगत उदाहरण इसी समस्या को और स्पष्ट करता है। संबंधित व्यक्ति ने अलग-अलग स्थानों पर दर्ज अपने नामों को बाद में हटवाने की कोशिश की और पाया कि पुराने रिकॉर्ड कई स्थानों पर अभी भी मौजूद थे। इस तरह की स्थिति को केवल राजनीतिक दृष्टि से देखने के बजाय प्रशासनिक और तकनीकी समस्या के रूप में देखना ज्यादा उपयोगी होगा।

यदि किसी मतदाता सूची में पुराने, मृत, स्थानांतरित या दोहराए गए नाम मौजूद हैं, तो उनका सत्यापन और सुधार होना चाहिए। इसे लोकतंत्र के खिलाफ प्रक्रिया मानने के बजाय मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाने की प्रक्रिया के रूप में देखा जा सकता है। इसे व्यापक स्तर पर मतदाता सूची के पुराने रिकॉर्ड की खामियों को उजागर करने और शुद्धिकरण की प्रक्रिया के रूप में देखने की बात कही गई है।

लेकिन इसके साथ एक महत्वपूर्ण सवाल चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी उठता है। यदि किसी नागरिक को अपना नाम हटवाने, पता बदलवाने या नया मतदाता पहचान पत्र प्राप्त करने में वर्षों लग जाएं, तो नागरिकों का व्यवस्था पर भरोसा प्रभावित होना स्वाभाविक है।

लेखक ने स्वयं दो साल पहले नया मतदाता पहचान पत्र प्राप्त करने के लिए चुनाव आयोग की वेबसाइट पर आवेदन किया था, लेकिन प्राप्ति का इंतज़ार अभी बाकी है। यही वह क्षेत्र है जहां चुनाव आयोग को तकनीक का अधिक प्रभावी इस्तेमाल करना चाहिए। चुनाव आयोग को भी तकनीकी युग के साथ आगे बढ़ना होगा

आज जब बैंकिंग, रेलवे, पासपोर्ट और आयकर जैसी सेवाएं डिजिटल हो चुकी हैं, तो मतदाता सूची की प्रक्रिया भी आधुनिक, सरल और त्वरित होनी चाहिए। जैसे आधार सेवा केंद्रों के माध्यम से सुविधाएं मिलती हैं, वैसे ही मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और स्थानांतरण की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होनी चाहिए।

नागरिक अपने नाम, पते और मतदाता स्थिति की जानकारी ऑनलाइन देख सकें तथा आवश्यक सुधार के लिए आवेदन कर सकें। कानून और गोपनीयता का ध्यान रखते हुए विभिन्न सरकारी रिकॉर्ड के बीच बेहतर तकनीकी समन्वय से एक व्यक्ति का नाम कई स्थानों पर दर्ज रहने की समस्या भी कम की जा सकती है। इसके लिए चुनावी और प्रशासनिक व्यवस्था को लगातार तकनीकी रूप से अपडेट करना होगा।

चुनाव आयोग की आलोचना तथ्यों के आधार पर हो और आयोग से पारदर्शिता, जवाबदेही तथा बेहतर तकनीकी व्यवस्था की मांग की जानी चाहिए। लेकिन मतदाता सूची में वास्तविक समस्याएं हैं तो केवल राजनीतिक विवाद के कारण उनके पुनरीक्षण को रोकना समाधान नहीं है। बेहतर व्यवस्था यह होगी कि मतदाता सूची का नियमित और पारदर्शी पुनरीक्षण हो, नागरिकों को पर्याप्त समय मिले, दावे-आपत्तियों की सरल ऑनलाइन व्यवस्था हो और किसी वास्तविक मतदाता का नाम गलती से हटने पर प्रभावी अपील का अवसर उपलब्ध हो।

एक व्यावहारिक सुझाव यह है कि मतदाता सूची का व्यापक पुनरीक्षण प्रत्येक पांच वर्ष में हो। इसके बीच नागरिकों को स्थान परिवर्तन, मृत्यु, विवाह, नए मतदाता बनने या अन्य आवश्यक सुधारों की जानकारी आसानी से ऑनलाइन अपडेट करने की सुविधा मिले। मतदाता सूची को सही रखना केवल चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि नागरिक और प्रशासन की साझा जिम्मेदारी है। आयोग को प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सक्षम बनानी होगी, वहीं नागरिकों को भी अपने मतदाता रिकॉर्ड को सही रखने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है कि मतदाता सूची सटीक हो, वास्तविक मतदाता उसमें दर्ज हों और पुराने या गलत रिकॉर्ड समय पर सुधारे जाएं। इसलिए पुनरीक्षण को राजनीतिक विवाद का विषय बनाने के बजाय इसे मतदाता सूची को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए।

सवाल यह नहीं होना चाहिए कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण क्यों हो रहा है। सवाल यह होना चाहिए कि इसे और अधिक पारदर्शी, सटीक और विश्वसनीय कैसे बनाया जाए।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

संवैधानिक नैतिकता चौराहे पर-न्यायिक औचित्य, संस्थागत विश्वास और विधि का शासन

सूर्य प्रताप सिंह राजावत

सर्वोच्च न्यायालय के किसी कार्यरत न्यायाधीश द्वारा ऐसे विषय पर टिप्पणी करना, जो उनके समक्ष विचाराधीन नहीं है-क्या यह न्यायिक औचित्य की सीमाओं के भीतर आता है? क्या यह न्यायिक आत्म-संयम के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं है? क्या यह संवैधानिक नैतिकता के एक मूलभूत सिद्धांत का उल्लंघन नहीं है? यहाँ न्यायिक दृष्टांत के सिद्धांत पर चर्चा करना प्रासंगिक है। संविधान पीठ ने 1965 1767 के मामले में कहा था- इस बात पर बल देने की आवश्यकता शायद ही हो कि न्यायिक औचित्य और शिष्टाचार की दृष्टि से यह आवश्यक है कि यदि किसी मामले की सुनवाई कर रहे विद्वान एकल न्यायाधीश का यह मत हो कि उच्च न्यायालय के पूर्ववर्ती निर्णयों-चाहे वे खंडपीठ के हों या एकल न्यायाधीश के-पर पुनर्विचार किए जाने की आवश्यकता है, तो उन्हें एकल न्यायाधीश के रूप में बैठकर उस प्रश्न की जाँच प्रारंभ नहीं करनी चाहिए, बल्कि मामले को खंडपीठ के समक्ष भेजना चाहिए या, उचित मामले में, संबंधित अभिलेख मुख्य न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत करने चाहिए, ताकि वे इस प्रश्न की जाँच के लिए एक बड़ी पीठ का गठन कर सकें। ऐसे मामलों से निपटने का यही उचित और पारंपरिक तरीका है तथा यह न्यायिक शिष्टाचार और औचित्य के स्वस्थ सिद्धांतों पर आधारित है। अतः न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां द्वारा की गई टिप्पणियाँ न्यायिक अनुचितता की सीमा के निकट आती हुई प्रतीत होती हैं। यह कहा जा सकता है कि न्यायमूर्ति भुइयां को भारत के संविधान के अधीन उन्हें दिलाई गई शपथ की याद दिलाए जाने की आवश्यकता है।

अब सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति लोकुर तथा अन्य सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की प्रतिक्रिया पर विचार कीजिए, जिन्होंने निर्वाचन आयोग के विरुद्ध लगाए गए आरोपों की जाँच के लिए एक आयोग का गठन किया है। यह अत्यंत आश्चर्यजनक है कि जब यही विषय भारत के सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है और मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ को अंतरिम उपाय के लिए कोई पर्याप्त आधार संतोषजनक रूप से प्राप्त नहीं हुआ है, तब उसी विषय-वस्तु पर एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा आयोग का नेतृत्व किया जाना ऐसा प्रतीत होता है मानो उन्होंने न्यायिक संयम और न्यायिक औचित्य की उपेक्षा की हो।

यह न्यायपालिका की संस्था के प्रति अविश्वास के मत के समान प्रतीत होता है। उपर्युक्त स्थिति उन व्यक्तियों द्वारा विधि के शासन के प्रति अविश्वास की आवश्यक परिस्थितियाँ उत्पन्न करती है, जो स्वयं न्यायिक बिरादरी का हिस्सा रहे हैं। एक कार्यरत न्यायाधीश हैं और दूसरे एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश। यह कहा जा सकता है कि दोनों न्यायाधीशों के आचरण से उनकी गरिमा प्रभावित हुई है और न्यायपालिका के प्रति, तथा न केवल सर्वोच्च न्यायालय बल्कि निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के प्रति भी, जनता के विश्वास को आघात पहुँचाने का प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। इस चर्चा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मीडिया की भूमिका का उल्लेख किए बिना बात अधूरी रहेगी।

निर्वाचन आयोग के इस्तीफे की माँग भारत के संविधान के प्रति विश्वास में कमी, विधि के शासन में विश्वास के अभाव तथा न्यायपालिका में विश्वास की कमी की अभिव्यक्ति के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। वे निर्वाचन आयोग के पदाधिकारियों को हटाने की उस संवैधानिक प्रक्रिया से अनभिज्ञ प्रतीत होते हैं, जो संवैधानिक ढाँचे के भीतर निर्धारित है और संवैधानिक पदाधिकारियों पर लागू सुरक्षा-व्यवस्था को प्रतिबिंबित करती है। यह लोकतंत्र के प्रति विश्वास की कमी का संकेत है और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान है।

इस पूरे घटनाक्रम में मीडिया को भी निर्वाचन आयोग से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की गई टिप्पणियों और मौखिक टिप्पणियों को प्रस्तुत करने के लिए पूरी तरह दोषमुक्त नहीं किया जा सकता। न्यायालय की कार्यवाही का विवेकपूर्ण मूल्यांकन किए बिना, बार और बेंच के बीच हुई बातचीत को इस प्रकार प्रस्तुत किया जा रहा है मानो वे न्यायालय के निष्कर्ष हों। किंतु यदि ऐसी टिप्पणियाँ न्यायिक आदेश में कहीं दर्ज नहीं हैं, तो उन्हें अंतिम न्यायिक निर्धारण के समान कानूनी पवित्रता प्राप्त नहीं होती और उन्हें न्यायिक रूप से अंतिम निष्कर्ष नहीं माना जा सकता। लोकतंत्र में विरोध के नाम पर और उपर्युक्त घटनाक्रम को देखते हुए, सेवानिवृत्त न्यायाधीशों और नौकरशाहों के एक समूह ने निर्वाचन आयोग पर किए जा रहे हमले की निंदा करते हुए एक पत्र लिखा है। यहाँ उन सेवानिवृत्त सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के आचरण और भूमिका को लेकर भी प्रश्न उठता है, जो निर्वाचन आयोग के समर्थन में सामने आए हैं।

जिस प्रकार शांति की नैतिकता और युद्ध की नैतिकता को समान नहीं माना जा सकता, उसी प्रकार विभिन्न संवैधानिक पदाधिकारियों के आचरण का मूल्यांकन भी उस परिस्थिति और संदर्भ के आधार पर किया जान चाहिए, जिसमें वे कार्य करते हैं। इसलिए, दूसरे समूह का स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने भारत में उपलब्ध चुनावी सुरक्षा उपायों का उल्लेख किया है, जिनमें मतदान केंद्रों पर मतदान एजेंटों की उपस्थिति, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से संबंधित उचित प्रश्नों का उत्तर देने की तत्परता, की सीलिंग और सुरक्षित अभिरक्षा, स्ट्रॉन्ग रूम की व्यवस्था तथा वोटर वेरिफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल प्रणाली के माध्यम से सत्यापन शामिल हैं। यह स्मरण रखना उचित है कि अच्छे लोगों की चुप्पी बुराई को अपने अनुचित उद्देश्यों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करती है। अतः उच्च सद्गुणों वाले लोगों को अपनी क्षमता के अनुपात में और संवैधानिक औचित्य की सीमाओं के भीतर संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा करनी चाहिए।

मुझे डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की वह बात स्मरण होती है, जिन्होंने 4 नवम्बर 1948 को कहा था कि भारत में संवैधानिक नैतिकता कोई स्वाभाविक भावना नहीं है; इसे विकसित करना पड़ता है। इसके पश्चात्, 25 नवम्बर 1949 को उन्होंने संविधान सभा को सचेत करते हुए कहा कि भारत गणराज्य को तीन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए। प्रथम, नायक-पूजा को संविधान के उद्देश्यों और आदर्शों की कीमत पर आगे नहीं बढ़ने दिया जाना चाहिए। द्वितीय, सामाजिक लोकतंत्र को समानता और स्वतंत्रता के आधार-स्तम्भ के रूप में स्थापित किया जाना चाहिए। और, सबसे महत्वपूर्ण, भारत गणराज्य में गैर-संवैधानिक उपायों का सहारा लेने का कोई भी प्रयास, जिसमें ऐसे उपायों की तुलना गांधीजी के आंदोलनों से करना अथवा निर्वाचित प्रतिनिधि सरकार की तुलना ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से करना शामिल है, भारत द्वारा प्राप्त स्वतंत्रता की मूल भावना को समझने में एक गंभीर भूल होगी। अतः उनकी चेतावनी केवल राजनीतिक तरीकों तक सीमित नहीं थी; वह संवैधानिक लोकतंत्र और संवैधानिक तरीकों में आस्था को बनाए रखने के बारे में थी।

–सूर्य प्रताप सिंह राजावत,
अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर

श्री महाकाली मंदिर अखाड़ा डीडवाना, जहां स्वतः निकलती है फर्श से भभूत

मंत्र-मनीषियों के चिर साधना का मुख्य स्थान, पौराणिक आभानगरी (डीडवाना) के स्थापना काल में स्थापित महाकाली मंदिर अखाड़ा जन मानस के लिए अपार श्रद्धा का केंद्र है। आभा नगरी के मूल स्थापना स्थान सिंगी बास के पास से उस समय बहने वाली सरस्वती नदी के किनारे से सटे भाटी-बास में महायोगी गुरु गोरखनाथ के समय दो हजार से भी ज्यादा वर्षों से पहले स्थापित सिद्ध शक्ति स्थल नाथ योगियों, सिद्ध संतों व अनेक महात्माओं के द्वारा चमत्कारों का केंद्र रहा है। इस स्थल पर प्राप्त इतिहास में प्राणी मात्र को जगताप से हटा, योगामृत पिलाने व उन पर आने वाले घात प्रतिघात का प्रतिरोध करने वाला यह स्थान, अनेक गरिमाओं व महिमाओं से अलंकृत है। साबर साधना के रूप में जनमानस की सतत आस्थाओं से ओत-प्रोत,

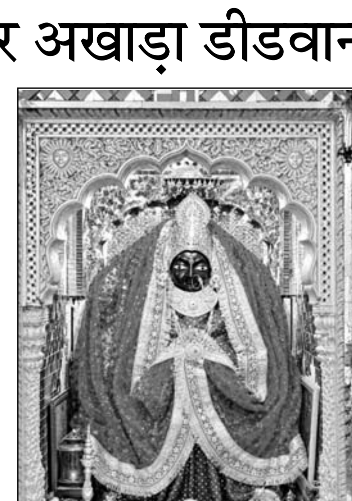

इस मंदिर में अखंड शक्तियों के साक्षात प्रमाण मौजूद हैं।

विक्रम संवत 1016 में यहां औघड़ संत बिकाराम द्वारा साबर साधना के प्रभाव से 6 माह तक बिना अन्न जल गृहण किए सतत साधना करते रहने का प्रमाण हैं। उल्लेखनीय है कि अंतिम रूप से मंदिर की वर्तमान अर्चक पीढ़ी ने 17 मई 2001 को 18 जून 2013 को राजा गोपीचंद भरतरी को सिंह के साथ मंदिर परिसर में शाय काल में देखा है। परिसर में उनके नाम पर बने चबूतरे पर बैठने के बाद अंतर्ध्यान हो गए। इसी पीढ़ी की एक महिला द्वारा अपने दिन तीन दिन के शिशु को कमर में बांधकर नगर में आए टीड्डी-दल को अपनी मंत्र शक्ति से घड़े में कैद कर नागोरी गेट में घड़े के धीरघने (मुंह) में से निकाला था। अंग्रेज अफसर को प्रभावित करने वाले इस कृत्य ने क्षेत्र में हजारों मण धान को भी नष्ट होने से बचाया था। जो बाद में किसानों का आस्था का केंद्र बन गया। साबर साधना के चमत्कारिक प्रमाण आज भी प्रत्यक्ष रूप में इस मंदिर में विद्यमान है। भूत प्रेत एवं अप्राकृतिक रूप से मनुष्य योनियों को सताने वाली आत्माएं रात्रि पूजन के समय मां काली से अपनी मुक्ति की याचना करती है। इन आत्माओं के साथ वर्तमान अर्चक के कई दुर्लभ चित्र है एवं इनका वैज्ञानिक आधार जानने के लिए शोध कर रहे हैं। इन चमत्कारों को यहां प्रमाण रूप में देखा जा सकता है, वह है, इसके मार्बल जड़ित आंगन में घृत व विभूति का निकलना। कहते हैं कि आंगन में निकली इस भभूति को लगाने से अनेक असाध्य रोगों से मुक्ति मिलती है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 15 अक्टूबर, 2026

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत-2083, ज्येष्ठा नक्षत्र शुक्रवार प्रातः 6:48 तक, सौभाग्य योग रात्रि 9:15 तक, बव करण दिन 2:20 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज उपांग ललिता व्रत, ललिता पंचमी, नत पंचमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– शुभ सूर्योदय से 7:55 तक, चर 10:47 से 12:13 तक, लाभ अमृत 12:13 से 3:04 तक, शुभ 4:30 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 1:30 से 3:00 तक, सूर्योदय 6:30, सूर्यास्त 5:55

मेष

व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। आज घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

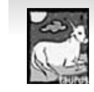

वृष

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा, शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। चलते कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी, मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

सिंह

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में आपसी मतभेद हो सकते हैं। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कन्या

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आज परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

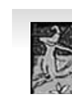

धनु

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मकर

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी।

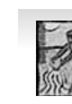

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में आज आज समय रचनात्मक कार्य हो सकते हैं। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

निकाय चुनाव में ऐतिहासिक जनादेश के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बधाई दी मंत्रियों ने

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जीत का श्रेय सभी को देते हुए इसे साझा प्रयासों का परिणाम बताया

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निकाय चुनावों की तर्ज पर आगामी पंचायती राज चुनावों में भी प्रचंड जीत दर्ज करने के लिए बुधवार को मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने प्रेस वार्ता में कहा कि ग्रामीण लोगों का जीवन सम्मानजनक एवं सुविधाजनक बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारी डबल इंजन की सरकार इसी सोच के साथ काम कर रही है। हमारा मानना है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब हमारे गांव विकसित होंगे, गांवों में बुनियादी सुविधाएं मजबूत होंगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर बनेगी। उन्होंने कहा कि आगामी पंचायती राज चुनाव गांवों के भविष्य और विकास की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर हैं। इन चुनावों में ऐसे जनप्रतिनिधि चुने जाएं, जो गांव की वास्तविक समस्याओं को समझें और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध हों। इसके लिए उन्होंने ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद स्तर पर "ट्रिपल इंजन" सरकार बनाने का आव्हान किया।

■ **पंचायती राज चुनाव में प्रचंड जीत हासिल करने के लिए भी रणनीति बनाई भाजपा ने**

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों के विकास की योजनाएं गांव के लोगों की जरूरतों के अनुरूप बनें और विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी विचार को धरातल पर उतारने के लिए प्रदेश सरकार ने विकसित गांव, विकसित वार्ड अभियान चलाया। ग्राम सभाओं के माध्यम से चौपालों पर बैठकर किसानों, पशुपालकों, महिलाओं और बुजुर्गों से उनकी जमीनी आवश्यकताओं के सुझाव लिए गए। उसके आधार पर ग्राम विकास संकल्प पत्र प्रस्तुत किया है जो प्रदेश के ग्रामीणों की आकांक्षाओं, सुझावों और सामूहिक संकल्प का प्रतिबिंब है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के प्रेरणादायी सेवाकाल को समर्पित सेवा संकल्प रथ प्रदेश में संचालित किए जा रहे हैं। इन रथों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई जा रही है और यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि प्रत्येक पात्र परिवार को योजनाओं का लाभ मिले।

मंत्रिपरिषद की औपचारिक बैठक के बाद विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने हाल ही संपन्न हुए नगरीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिले ऐतिहासिक जनादेश के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। इसके बाद सभी मंत्रियों ने भी मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए कहा कि निकाय चुनावों में भाजपा को मिली शानदार जीत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सफल रणनीति और बेहतरीन फ्लोर मैनेजमेंट का परिणाम है। जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विजय सभी के साझा प्रयासों का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के 309 नगरीय निकायों में से 202 में भाजपा के बोर्ड बने हैं। 10 नगर निगमों में से 9 में भाजपा के महापौर निर्वाचित हुए हैं। वहीं 30 नगर परिषदों और 163 नगर पालिकाओं में भाजपा के निकाय प्रमुख चुने गए हैं। प्रदेश के 9 जिलों में कांग्रेस अपना खाता तक नहीं खोल सकी।

एक लाख का इनामी मादक पदार्थ तस्कर कंवराराम बाड़मेर से गिरफ्तार

नवरात्र में घर आया था पूजा करने, नेपाल भागने की तैयारी में था आरोपी

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस के मादक पदार्थ विरोधी कार्यबल (एएनटीएफ) ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन विषकपिल' के तहत तीन साल से फरार चल रहे एक लाख रुपए के इनामी तस्कर कंवराराम को बाड़मेर से गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिस की टॉप नार्को-25 सूची में शामिल है और उसके खिलाफ हत्या, मादक पदार्थ तस्करी सहित 14 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी नवरात्र में नागणेची माता की पूजा करने अपने घर आया था। पूजा के बाद वह नेपाल भागने की तैयारी में था, लेकिन इससे पहले ही एएनटीएफ टीम ने उसे पकड लिया।

■ **पिछले तीन साल से फरार था आरोपी, पुलिस से बचने के लिए घर में पाल रखे थे आठ कुत्ते**

एएनटीएफ ने "ऑपरेशन विषकपिल" अभियान चलाकर शातिर मादक पदार्थ तस्कर कंवराराम को बाड़मेर से गिरफ्तार किया।

एएनटीएफ महानिरीक्षक विकास कुमार के अनुसार एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि कुख्यात तस्कर कंवराराम नवरात्र में पूजा-अर्चना करने के लिए अपने घर आने वाला है। इस सूचना के आधार पर टीम ने उसके निवास के आसपास गुप्त निगरानी शुरू की। जैसे ही आरोपी घर पर नागणेची माता की पूजा कर रहा था, टीम ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने फरारी जारी रखने के लिए बैग तैयार कर रखा था और वह नेपाल भागने की फिराक में था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लंबे समय से ठिकाने बदलकर रह रहा था। पुलिस के अनुसार कंवराराम (35) निवासी बाड़मेर है। उसने वर्ष 2009 में दसवीं तक पढ़ाई करने के बाद छोड़ दी थी। इसके बाद पेट्रोल पंप पर सेल्समैन और फिर वाहन चालक के रूप में काम किया। वर्ष 2010 में उसके खिलाफ मारपीट और वर्ष 2013 में हत्या का मामला दर्ज हुआ। इसके बाद वह गंभीर अपराधों में शामिल हो गया। जेल से छूटने के बाद उसने अवैध शराब के कारोबार और फिर मादक पदार्थों की तस्करी का रास्ता अपना लिया।पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ मध्य प्रदेश, दक्षिण राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक तक फैले अवैध तस्करी नेटवर्क से जुड़े 14 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। उसके आपराधिक रिकॉर्ड में कई प्रमुख मामले शामिल हैं। एएनटीएफ के अनुसार फरारी के दौरान आरोपी ने अपने घर के आसपास सुरक्षा और निगरानी का विशेष इंतजाम कर रखा था। उसने आठ पालतू कुत्ते पाल रखे थे। किसी बाहरी व्यक्ति या पुलिसकर्मी के घर के आसपास पहुंचने पर कुत्ते भौंकने लगते थे, जिससे आरोपी सतर्क हो जाता था और मौके से फरार हो जाता था। इस बार पुलिस ने गोपनीय सूचना के आधार पर निगरानी रखी और पूजा के दौरान दबिश देकर उसे गिरफ्तार किया।

डीएनए करने वाले की गवाही नहीं कराई, गैंगरेप के बाद हत्या करने वालों की फांसी की सजा रद्द

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने महिला का अपहरण कर उसके साथ गैंगरेप कर हत्या करने के मामले में दो आरोपियों को मिली फांसी की सजा को रद्द कर दिया है। अदालत ने कहा कि मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित है और इसमें अभियोजन पक्ष को अपराध की कडी से कड़ी जोडनी थी। जिसमें डीएनए रिपोर्ट शामिल है, लेकिन इस रिपोर्ट को तैयार करने वाले विशेषज्ञ को गवाह के रूप में नहीं बुलाया गया। इसके साथ अदालत ने मामला लालसोट की ट्रायल कोर्ट को वापस भेजते हुए कहा है कि डीएनए रिपोर्ट तैयार करने वाले विशेषज्ञ को गवाह के तौर पर बुलाया जाए और बचाव पक्ष को भी सुनवाई का मौका दिया जाए। अदालत ने निचली अदालत को कहा है कि वह मामले की सुनवाई पूरी कर तीन माह में नए सिरे से फैसला करे। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार के डेथ रेफरेंस को खारिज कर आरोपियों की अपीलों को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि ट्रायल कोर्ट के डीएनए रिपोर्ट पर निर्भर रहते हुए विशेषज्ञों के बयान नहीं लिए जाने से विचारण दूषित हो गया है।

■ **अदालत ने मामला लालसोट की ट्रायल कोर्ट को वापस भेजते हुए कहा है कि डीएनए रिपोर्ट तैयार करने वाले विशेषज्ञ को गवाह के तौर पर बुलाया जाए और बचाव पक्ष को भी सुनवाई का मौका दिया जाए।**

डेथ रेफरेंस में राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार पूनिया ने अदालत को बताया कि कालूराम और संजू ने 23 अप्रैल, 2022 को महिला का अपहरण कर उसके साथ कार में गैंगरेप किया था और बाद में उसकी हत्या कर शव को कुएं में फेंक दिया था। मामले में कोई प्रत्यक्ष गवाह नहीं था। ऐसे में एडीजे कोर्ट, लालसोट ने गत 19 फरवरी को दोनों अभियुक्त को दोषसिद्ध करते हुए 20 फरवरी को उन्हें फांसी की सजा सुनाई थी। राज्य सरकार की ओर से डेथ रेफरेंस पेश कर गुहार की गई की निचली अदालत के फैसले को कंफर्म किया जाए।

वहीं आरोपियों की ओर से कहा गया कि निचली अदालत ने मामले में डीएनए रिपोर्ट तैयार करने वाले विशेषज्ञ के बयान ही नहीं लिए हैं। शव का पोस्टमार्टम करने वाले डॉ. चैन सिंह ने पेश होकर माना है कि उन्हें यह रिपोर्ट तैयार होने या एफएसएल परीक्षण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी नहीं है। बचाव पक्ष की ओर से कहा गया कि जब सजा डीएनए रिपोर्ट के आधार पर दी गई है तो इसे तैयार करने वाले विशेषज्ञ के बयान जरूरी थे।

अदालत की ओर से मामले में नियुक्त न्यायमित्र अधिवक्ता मोहित बलवदा ने भी इसे जरूरी बताया। सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने फांसी की सजा के आदेश को रद्द कर निचली अदालत को डीएनए करने वाले विशेषज्ञ के बयान दर्ज कर नए सिरे से मामले में फैसला करने को कहा है।

श्री गोपीनाथजी मंदिर में लगेगा छप्पन भोग

जयपुर। श्री गोपीनाथजी मंदिर में आचार्य लवभूषण के जन्मदिवस के अवसर पर 15 अक्टूबर (गुरुवार) को छप्पन भोग महोत्सव आयोजित किया जाएगा।

मंदिर परिसर में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक होने वाले इस आयोजन में भगवान श्री गोपीनाथजी को छप्पन भोग अर्पित कर पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे। आयोजन को लेकर कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने अमृता हाट में खरीददारी की

महिला स्वयं सहायता समूहों का उत्साह बढ़ाया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं महिला-बाल विकास मंत्री दीया कुमारी ने बुधवार शाम जवाहर कला केंद्र में आयोजित राज्य स्तरीय अमृता हाट का अवलोकन किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं के स्टॉल पर पहुंचकर उनके उत्पादों की सराहना की, उनका उत्साहवर्धन किया और खरीददारी भी की।

दीया कुमारी ने महिलाओं को बिक्री बढ़ाने के लिए केवल प्रदर्शनियों पर निर्भर नहीं रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि डिजिटल विपणन और ऑनलाइन मंचों के माध्यम से महिलाएं अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचा सकती हैं।

उपमुख्यमंत्री एवं महिला-बाल विकास मंत्री दीया कुमारी ने बुधवार शाम जवाहर कला केंद्र में आयोजित राज्य स्तरीय अमृता हाट का अवलोकन किया।

इससे उन्हें अधिक ग्राहकों तक पहुंचने और अपने कारोबार का विस्तार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अमृता हाट में भाग ले रही महिलाओं के लिए मेले के दौरान ही डिजिटल विपणन का प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जाए।

उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प है कि प्रत्येक स्वयं सहायता समूह की महिला उद्यमी बने और उसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले। उल्लेखनीय है कि जवाहर कला केंद्र में 11 से 20 अक्टूबर तक आयोजित इस राज्य स्तरीय अमृता हाट में 170 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। इनमें महिला स्वयं सहायता समूहों की ओर से तैयार हस्तशिल्प, वस्त्र, आभूषण और अन्य स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है।

मानक ही समाज, उत्पाद और विचार को श्रेष्ठ बनाते हैं : हरिभाऊ बागड़े

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि श्रेष्ठता केवल भौतिक पैमानों से नहीं, बल्कि वैचारिक, नैतिक और व्यावहारिक शुद्धता से भी तय होती है। मानक ही किसी समाज, उत्पाद या विचार को सामान्य से श्रेष्ठ बनाते हैं। उन्होंने भारतीय मानक ब्यूरो से गुणवत्ता, मानकीकरण, नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रति शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने का आ ान किया।

राज्यपाल बुधवार को कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में भारतीय मानक ब्यूरो की ओर से आयोजित विश्व मानक दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में श्रेष्ठता जीवन का आधार रही है। आईएसआई मार्क और हॉलमार्क जैसे मानक विश्वास के प्रतीक हैं। मानकों के पालन से जीवन सुरक्षित और सुगम बनता है तथा भारतीय उत्पादों एवं सेवाओं की वैश्विक विश्वसनीयता बढ़ती है। राज्यपाल ने उत्पादों, सेवाओं और तकनीकी क्षेत्रों के मानक निर्धारित करने वाले वैज्ञानिकों, इंजीनियरों एवं विशेषज्ञों के योगदान की सराहना की।

महापौर-उपमहापौर ने किया स्वच्छता सेवा में श्रमदान

जयपुर। नगर निगम की ओर से शहर में स्वच्छता ही सेवा-2026 एवं विकसित भारत जन सेवा अभियान के अंतर्गत वार्ड वार विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार को नगर निगम महापौर सुनील कोठारी ने वार्ड-135 में पहुंच कर विशेष स्वचछता अभियान का निरीक्षण किया और कमियां सुधारने को लेकर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने पार्षद विमल अग्रवाल, जोन उपायुक्त, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक सतपाल टोपिया, जितेंद्र, स्वास्थ्य निरीक्षक सुरेन्द्र, सुनील गुर्जर, जोन एक्सईएन, जोन जेईएन, नगर निगम अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन से संवाद किया। महापौर ने नागरिकों को कचरा निर्धारित समय पर निगम की कचरा संग्रहण गाडियों में डालने तथा सड़क पर कचरा ना फैलाने के लिए जागरूक किया।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं सुंदर जयपुर के निर्माण में नगर निगम के साथ जनभागीदारी भी आवश्यक है। इस अवसर पर महापौर ने भी स्वयं श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। पार्षद, जोन उपायुक्त, निगम अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भी सफाई कार्य में सहयोग किया।

■ **दोनों ने सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण भी किया**

महापौर द्वारा वार्ड 16 में चौमूं पुलिया पर अभियान का औचक निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान वार्ड के ब्लॉक अनुसार कर्मचारियों का आवंटन एवं समस्त शाखाओं से वार्ता एवं सफाई व्यवस्था के लिए उचित दिशा निर्देश दिए गए। वार्ड नम्बर 33 में आयोजित स्वच्छता उत्सव में उपमहापौर सरोज कंवर भी पहुंची। उप महापौर की उपस्थिति में वार्ड पार्षद सीमा महेंद्र यादव, वार्ड समिति अध्यक्ष, विद्युत विभाग, गार्डन शाखा, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक, स्वास्थ्य निरीक्षक एवं टीम को स्वच्छता शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सफाई कर्मियों द्वारा चिन्हित स्थानों पर स्वच्छता श्रमदान किया गया तथा विशेष सफाई अभियान चलाकर वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों में साफ-सफाई की गई। साथ ही स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर एवं प्रभावी बनाने के लिए उपमहापौर ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

"शब्द शक्ति-संगम" में गूंजा नारी शक्ति का वैचारिक जयघोष

जयपुर। "शब्द रसायन" संस्थान की ओर से बुधवार को रामबाग स्थित एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय में "शब्द शक्ति-संगम" आयोजित किया गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश खिलाड़ी एवं भारतीय कोच सुरभि मिश्रा, भारत की पहली महिला आईएनएस विक्रमादित्य कमांडर प्रियंका चौधरी तथा प्रसिद्ध समाजशास्त्री एवं स्तंभकार प्रो. ऋतु सारस्वत ने विद्यार्थियों और शिक्षकों से संवाद किया।

संस्थान के निदेशक डॉ. रेवंत दान और मानद सचिव मुरारी गुप्ता ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य युवाओं को भारतीय ज्ञान परंपरा और वैचारिक संस्कारों से जोड़ना था। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रेणु जोशी ने स्वागत भाषण दिया। डॉ. रेवंत दान ने विषय की प्रस्तावना रखी, जबकि मुरारी गुप्ता ने 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता की जानकारी दी। सुरभि मिश्रा ने अस्थमा की समस्या के बावजूद स्क्वैश में करियर बनाने के अपने संघर्ष को साझा करते हुए युवाओं को अपनी प्रतिभा पहचानने का संदेश दिया। प्रियंका चौधरी ने नौसेना में अपने अनुभवों और साहसिक अभियानों में भागीदारी के बारे में बताया।

गहलोत स्पष्ट करें, पायलट के साथ हैं या आज भी पुराने बयान पर कायम हैं : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयानों पर पलटवार करते हुए परिसीमन, महिला आरक्षण और कांग्रेस की आंतरिक राजनीति को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि गहलोत पहले स्पष्ट करें कि वे सचिन पायलट के साथ हैं या आज भी उन्हें पहले की तरह नाकारा और निकम्मा मानते है। राठौड़ ने गहलोत पर तंज कसते हुए कहा कि, "गहलोत साहब की कुर्सी की चाह, छटपटाहट और खीझ उनके बयानों से स्पष्ट होती है। परिसीमन के नाम पर अर्नगल बयानबाजी करने वाले अशोक गहलोत खुद यह भूल रहे हैं कि, उन्होंने मुख्यमंत्री रहते हुए नगर निकायों का परिसीमन इस तरह करवा चुके हैं कि भाजपा को राजनीतिक नुकसान हो। उन्होंने कहा कि अब परिसीमन का मुद्दा उठाकर कांग्रेस अपनी नाकामियों को छिपाने की कोशिश कर रही है। उनके अनुसार, कांग्रेस कई राज्यों में दशकों से सत्ता से बाहर है, इसलिए उसे अपनी स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए।" महिला आरक्षण के मुद्दे पर राठौड़ ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने महिलाओं को अधिकार देने की प्रक्रिया में बाधाएं खड़ी कीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस प्रस्ताव का भी उल्लेख किया, जिसमें महिला आरक्षण विधेयक को सर्वसम्मति से पारित करने की बात कही गई थी। राठौड़ ने कांग्रेस और चीन के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) को सार्वजनिक करने की मांग करते हुए कहा कि देश को इसकी जानकारी मिलनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस पर जनादेश और संविधान की व्यवस्थाओं का सम्मान नहीं करने का आरोप लगाया। राठौड़ ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं और न्यायपालिका की अपनी व्यवस्थाएं एवं मर्यादाएं हैं, जिनका पालन सभी राजनीतिक दलों को करना चाहिए।

प्रदेश की कानून व्यवस्था के लिए डीजीपी ने कसी पुलिस की लगाम

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में कानून-व्यवस्था मजबूत रखने और अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस मुख्यालय में बुधवार को अपराध एवं कानून-व्यवस्था समीक्षा बैठक आयोजित की गई। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े पुलिस अधिकारियों को पूर्ण सतर्कता बरतने और प्रत्येक परिस्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में लंबित प्रकरणों के निस्तारण, संवेदनशील घटनाओं की निगरानी,

■ **अपराध नियंत्रण से लेकर चुनाव सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा कर निर्देश दिए**

अपराध नियंत्रण, आगामी पंचायती राज चुनावों और पर्व-त्योहारों की सुरक्षा व्यवस्था सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। बैठक में सभी रेंज के पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस जिलों के पुलिस अधीक्षक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। पुलिस मुख्यालय में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

विवादित मामलों की होगी नियमित समीक्षा

डीजीपी शर्मा ने कहा कि जिन विवादित मामलों से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है, उन्हें प्राथमिकता से चिह्नित किया जाए। ऐसे मामलों की सूची तैयार कर थाना, वृत्त और जिला स्तर पर नियमित निगरानी की जाए। राजस्व, वन विभाग सहित संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जाए। विवादों को गंभीर रूप लेने से रोकने के लिए समझाइश, निरोधात्मक कार्रवाई और अन्य वैधानिक उपाय अपनाने के निर्देश दिए गए।

महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा

पुलिसकर्मियों के आचरण पर भी नजर

बैठक में पुलिसकर्मियों की अपराधों में संलिप्तता के मामलों को गंभीरता से लेते हुए ऐसे कार्मिकों की पहचान, निगरानी और नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

डीजीपी ने कहा कि पुलिस थानों और फील्ड में तैनात कार्मिकों का व्यवहार आमजन के प्रति संवेदनशील, सौहार्दपूर्ण और सहयोगात्मक होना चाहिए। परिवादियों की नियमित सुनवाई कर उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए।

संवेदनशील घटनाओं में त्वरित कार्रवाई

डीजीपी ने हाल में हुई विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए संवेदनशील और गंभीर मामलों में वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावी पर्यवेक्षण करने के निर्देश दिए। घटनाओं की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने, तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई करने और प्रेस तथा सोशल मीडिया के माध्यम से समय पर तथ्यपरक जानकारी साझा करने पर जोर दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था के मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। जिम्मेदारी तय कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पुराने मामलों के निस्तारण की जवाबदेही

पुलिस थानों में लंबित प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण के लिए डीजीपी ने स्पष्ट जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। एक वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों की समीक्षा संबंधित पुलिस अधीक्षक करेंगे, जबकि तीन वर्ष से अधिक अवधि से लंबित मामलों की समीक्षा रेंज आईजी करेंगे।

पुराने मुकदमों के साथ लंबित चालान और अंतिम रिपोर्ट (एफआर) के निस्तारण के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने तथा मामलों में आ रही बाधाओं को दूर करने पर भी जोर दिया गया।

अपराध बढ़ने वाले जिलों को कार्ययोजना बनाने के निर्देश

डीजीपी ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भारतीय दंड संहिता (भादंसं) के तहत दर्ज प्रकरणों में पांच प्रतिशत से अधिक वृद्धि वाले जिलों को अपराधों का विश्लेषण कर प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। महिला अत्याचार के मामलों में अधिक वृद्धि वाले जिलों को कारणों की समीक्षा कर ठोस कार्ययोजना बनाने को कहा गया। एनडीपीएस एक्ट के तहत अपेक्षाकृत कम प्रकरण दर्ज करने वाले जिलों को मादक पदार्थों के विरुद्ध सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। स्थानीय एवं विशेष अधिनियमों तथा एनडीपीएस एक्ट के तहत कम कार्रवाई करने वाले जिलों की भी समीक्षा कर अपेक्षित सुधार सुनिश्चित करने को कहा गया।

पंचायती राज चुनाव और त्योहारों पर पुख्ता सुरक्षा

आगामी पंचायती राज चुनावों और पर्व-त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी जिलों को आवश्यक पुलिस बल की तैनाती की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता, असामाजिक तत्वों की पहचान, निरोधात्मक कार्रवाई, नियमित गश्त और प्रभावी नाकाबंदी सुनिश्चित करने को कहा गया। डीजीपी ने कालिका पेट्रोलिंग इकाइयों की फील्ड में सक्रिय उपस्थिति बनाए रखने और कानून-व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश भी दिए।

नाकाबंदी में बॉडी कैमरे, यातायात नियम तोड़ने वालों पर सख्ती

डीजीपी ने नाकाबंदी के दौरान पुलिसकर्मियों को बॉडी कैमरों का उपयोग करने के निर्देश दिए। शराब पीकर वाहन चलाने, संदिग्ध वाहनों और तेज गति से वाहन चलाने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने को कहा। अपराध की सूचना मिलते ही पुलिस का प्रतिक्रिया समय न्यूनतम रखने और घटनास्थल पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

साइबर अपराधों में जीरो एफआईआर पर जोर

अपराधों की रोकथाम के लिए निरोधात्मक और सक्रिय पुलिसिंग मजबूत करने के निर्देश दिए गए। इसके तहत राजस्थान प्रिवेंशन ऑफ डेंजरस एक्टिविटीज (राजपासा), बीएनएस की संबंधित धाराओं, गुंडा एक्ट और एनडीपीएस से जुड़े निरोधात्मक प्रावधानों सहित अन्य वैधानिक उपायों का प्रभावी उपयोग करने को कहा गया। साइबर अपराधों के मामलों में जीरो एफआईआर दर्ज कर अधिकाधिक पीड़ितों को राहत पहुंचाने और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

राजस्थान की आर्द्रभूमियों की पहचान और संरक्षण करे सरकार : एनजीटी

भोपाल/जयपुर (कासं)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की केंद्रीय क्षेत्रीय पीठ, भोपाल ने राजस्थान सरकार को राज्य की आर्द्रभूमियों की पहचान, सीमांकन, अधिसूचना और संरक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अधिकरण ने आर्द्रभूमि (संरक्षण एवं प्रबंधन) नियम, 2017 तथा सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप कार्रवाई कर चार सप्ताह में कार्रवाई प्रतिवेदन (एटीआर) पेश करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 17 दिसंबर 2026 को होगी। यह आदेश मूल आवेदन संख्या 225/2026 (सीजेड) में 9 अक्टूबर 2026 को न्यायमूर्ति श्यो कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने पारित किया। अधिकरण ने आनंद आर्य बनाम भारत संघ एवं अन्य मामले में सुप्रीम कोर्ट के 11 दिसंबर 2024 के आदेश का भी उल्लेख किया।एनजीटी ने स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (एसएसी) के वर्ष 2021 के एटलस में चिह्नित आर्द्रभूमियों का स्थलीय सत्यापन कर उनकी सीमाएं निर्धारित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सभी आर्द्रभूमियों के बफर जोन और प्रभाव क्षेत्र को अंतिम रूप देने तथा अब तक अधिसूचित नहीं हुई आर्द्रभूमियों की पहचान, सीमांकन और अधिसूचना की प्रक्रिया पूरी करने को कहा है।

अतरसिंह भड़ाना हत्याकांड : करीब 200 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज, 65 नामजद

पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई तेज की

- नामजद आरोपियों की धरपकड़ के लिए 25 से 30 पुलिस टीमों का गठन, अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है
- अतर सिंह भड़ाना और ग्रामीणों के बीच वर्षों से लीज को लेकर विवाद चल रहा था, ग्रामीण लीज संचालन का विरोध कर रहे थे : आईजी प्रीति चंद्रा

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिले के भौंडा गांव में पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता अतरसिंह भड़ाना की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई तेज कर दी है।

भरतपुर रेंज आईजी प्रीति चंद्रा के अनुसार, मामले में करीब 150 से 200 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें लगभग 65 लोगों को नामजद किया गया है, जबकि अन्य लोगों की भूमिका को लेकर भी शिकायत में उल्लेख किया गया है। नामजद आरोपियों की धरपकड़ के लिए 25 से 30 पुलिस टीमों का गठन किया गया है। वहीं, मामले में अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें से चार भौंडा गांव के निवासी हैं। आईजी प्रीति चंद्रा ने बताया कि अतर सिंह भड़ाना और ग्रामीणों के बीच पिछले कई वर्षों से लीज को लेकर विवाद चल रहा था। ग्रामीण लीज संचालन का विरोध कर रहे थे। इस विवाद के संबंध में पहले भी पुलिस की ओर से पाबंदी की कार्रवाई की गई थी और मुकदमे दर्ज हुए थे। उन्होंने बताया कि जब भी भड़ाना पुलिस को फोन करते थे, पुलिस की गाड़ी मौके पर पहुंचती थी और वहां रुककर निगरानी भी करती थी। आईजी प्रीति चंद्रा ने कहा कि विवाद लंबे समय से चल रहा था, ऐसे में स्थानीय स्तर पर पुलिस को ग्रामीणों के बीच व्याप्त आक्रोश की जानकारी जुटानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि इस तरह की बड़ी घटना की आशंका को लेकर स्थानीय स्तर पर खुफिया सूचना एकत्र करना जरूरी था। पूर्व विधायक अतर सिंह भड़ाना ने क्या हत्या से पहले सुरक्षा की मांग की थी? इस सवाल पर प्रीति चंद्रा ने कहा कि उनके पास ऐसी कोई जानकारी नहीं आई है कि भड़ाना ने सुरक्षा मांगी थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि लीज विवाद काफी समय से चल रहा था और ग्रामीण इसके संचालन के विरोध में थे।

घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग को लेकर आईजी ने बताया कि कैमरों की डीवीआर परिवादी पक्ष अपने साथ ले गया है। पुलिस ने उनसे इस संबंध में जानकारी ली है। परिवादी पक्ष ने डीवीआर उपलब्ध कराने की बात कही है। डीवीआर मिलने के बाद फुटेज की जांच से घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने में मदद मिल सकती है। आईजी ने बताया कि घटना रात के अंधेरे में हुई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे थे। फिलहाल एफआईआर में नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा घटना में अन्य कौन-कौन लोग शामिल थे, यह जांच का विषय है। फिलहाल पुलिस की टीमें नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयासों में जुटी हैं। मामले में आगे की कार्रवाई जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी।

अतर सिंह भड़ाना हत्याकांड के बाद पुलिस विभाग ने भी कार्रवाई की है। वैर थानाधिकारी धीरेन्द्र सिंह को निलंबित कर दिया गया है, जबकि एएसपी प्रेरणा शेखावत और भुसावर सीओ नीरज भारद्वाज को एपीओ कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों पर हुई कार्रवाई के संबंध में आईजी ने कहा कि लंबे समय से विवाद चलने के बावजूद स्थानीय स्तर पर संभावित तनाव और ग्रामीणों के आक्रोश की जानकारी पुलिस तक प्रभावी ढंग से पहुंचनी चाहिए थी। उन्होंने माना कि इस तरह की घटना को लेकर स्थानीय स्तर पर आसूचना जुटाने की आवश्यकता थी।

ऑनलाइन साइबर फ्रॉड करने वाली गैंग का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

गैंग का सरगना हरियाणा के पुन्हाना का रहने वाला है, जो अभी फरार है

अलवर, (निसं)। साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन साइबर फ्रॉड करने वाली गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दबिश देकर साइबर ठगी गैंग के आरोपी मूल खाताधारक नितेश कुमार (26) पुत्र हेमराज मेघवाल निवासी बीके बिरला इंस्टीट्यूट के पास पिलानी जिला झुंझुनूं व दूसरे आरोपी फर्जी बैंक खाता खुलवाकर साइबर ठगों को बेचने वाला विक्रम सिंह (25) पुत्र फूलचंद सैनी निवासी सिंघाना जिला झुंझुनूं को गिरफ्तार किया है। जबकि गैंग के सरगना हरियाणा के पुन्हाना के रहने वाला है, जो अभी पुलिस की गिरफ्त से दूर है।

एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि जिले में ऑनलाइन ठगी, म्यूल अकाउंट, सेक्सटोर्शन और फर्जी सिम बेचने वाले गिरोह के खिलाफ विशेष साइबर संग्राम अभियान-3.0 चलाया जा रहा है। इसी के तहत दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पीड़ित ने 15 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी बेटी के पास एक अज्ञात नंबर से कॉल आया था। फोन करने वाले ने खुद को परिचित बताते हुए कहा आपके पापा को पैसों की सख्त जरूरत है। आपके खाते में 3 हजार रुपए भेज रहा हूं। इसके तुरंत बाद ठग ने दोबारा कॉल कर झूठ बोला कि गलती से 3 हजार की जगह 30 हजार रुपए ट्रांसफर हो गए हैं और 27 हजार रुपए लौटाने की बात कही। बेटी आरोपी के झांसे में आ गई। इसके बाद ठग ने उसे अपनी बातों में उलझाकर टुकड़ों में कुल 91 हजार रुपए अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए।

एसपी ने बताया कि डीएसपी साइबर क्राइम वीरेंद्र सिंह भाटी के सुपरविजन में गठित टीम ने बैंक खातों की डिटेल खंगाली। तकनीकी अनुसंधान और साइबर सर्विलांस की मदद से संदिग्धों को चिह्नित कर दोनों पकड़ लिया। साइबर ठगी करने वाले गैंग के तार झुंझुनूं और हरियाणा के पुन्हाना से जुड़े होने का खुलासा हुआ है। आरोपी विक्रम सैनी चिड़ावा (झुंझुनूं) में ढाबा चलाता है। हरियाणा के पुन्हाना निवासी दो युवकों ने उसके ढाबे पर करीब 8-10 दिन लगातार खाना खाया और उससे जान-पहचान बढ़ा ली। ठगों ने ढाबा संचालक विक्रम को झूठ बोला कि वे यहां काम करने आए हैं और उनका बैंक खाता ब्लॉक हो गया है। उन्होंने 10 हजार रुपए देने का लालच देकर कहा कि उन्हें कुछ दिनों के लिए बैंक खाता किराए पर चाहिए। लालच में आकर ढाबा संचालक ने आरोपी नितेश मेघवाल के नाम से बैंक में खाता खुलवा दिया। इस म्यूल अकाउंट का एटीएम कार्ड और पासबुक पुन्हाना के ठगों को सौंप दिए गए। इसके बाद साइबर ठगों ने पीड़ित युवती से हड़पे गए 91 हजार रुपए इसी किराए के खाते में ट्रांसफर करवाए और रकम निकालकर फरार हो गए।

घर के बाहर बैठी महिला को ट्रैक्टर ने कुचला, मौत

सीकर, (निसं)। घर के बाहर बैठी महिला को तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने कुचल दिया। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। महिला का चार साल का पोता और नौ महीने की पोती भी वहीं बैठे थे। उनको हल्की चोट आई है।

घटना उद्योग नगर थाना इलाके में पिपराली चौराहे के पास धन्वंतरि हॉस्पिटल के नजदीक मंगलवार रात करीब आठ बजे की है। टक्कर से घर की दीवार भी टूट गई। घटना के बाद ड्राइवर पिपराली चौराहे के पास ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ड्राइवर की तलाश कर रही है। बुधवार सुबह परिजनों ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर एसके हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर करीब दो घंटे तक धरना दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार पिपराली चौराहे के पास रहने वाली बानो (45) पत्नी जब्बार मंगलवार रात पोते कबीर और पोती गुड़िया के साथ घर के बाहर चबूतरे पर बैठी हुई थी। इसी दौरान तेज रफ्तार में एक ट्रैक्टर बानो की तरफ आया और टक्कर मारते हुए दीवार तोड़ दी। परिजन बानो को एसके हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। कबीर और गुड़िया को हल्की चोट आई है। परिजन बुधवार सुबह हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी के बाहर धरने पर बैठ गए। परिजनों ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की।

जमीन हड़पने के मामले में जैसलमेर से गिरफ्तार आरोपी की जोधपुर में मौत

- मंगलवार को आरोपी की रिमाण्ड अवधि में तबीयत बिगड़ने के बाद जैसलमेर से जोधपुर रैफर किया था, बुधवार सुबह आरोपी की जोधपुर में उपचार के बीच मौत हो गई, शव अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया

जोधपुर, (कासं)। जैसलमेर जिला पुलिस ने जमीन धोखाधड़ी प्रकरण में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर अभिरक्षा में लिया। मंगलवार को उसकी रिमाण्ड अवधि में तबीयत बिगड़ने के बाद जैसलमेर अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे जोधपुर रैफर कर दिया गया। बुधवार सुबह उसकी यहां जोधपुर में उपचार के बीच मौत हो गई। फिलहाल शव अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस की तरफ से अग्रिम अनुसंधान जारी है।

आरंभिक पड़ताल में मृतक की पहचान हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के निवासी नरेश कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जैसलमेर जिले के शहर कोतवाल प्रेमाराम विश्नोई के अनुसार कोतवाली थाने में नरेश कुमार के खिलाफ 7 जुलाई को मामला दर्ज हुआ था। परिवादी ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने धोखाधड़ी कर पोंग बांध विस्थापित को आवंटित की गई कीमती जमीन को फर्जी दस्तावेजों के सहारे हड़पने का प्रयास किया। इस मामले में पुलिस ने 12 अक्टूबर को नरेश कुमार को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 13 अक्टूबर को उसे अदालत में पेश किया गया। जहां से न्यायालय ने आरोपी का पुलिस रिमांड मंजूर किया था। पुलिस के अनुसार, 13 अक्टूबर की रात करीब 8.15 बजे पूछताछ के समय नरेश कुमार की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उसने सीने और पेट में तेज दर्द होने की शिकायत की। स्थिति गंभीर होने पर पुलिसकर्मी उसे तुरंत राजकीय जवाहिर अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए उसे 108 एंबुलेंस से जोधपुर रैफर कर दिया। नरेश कुमार का जोधपुर के मथुरादास माथुर (एमडीएम) अस्पताल में इलाज चल रहा था। बुधवार की सुबह करीब 5.45 बजे इलाज के बीच उसकी मौत हो गई। पुलिस की तरफ से अब अग्रिम जांच की जा रही है।

भोपालगढ़ में पिकअप की टक्कर से युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। जिले के ग्रामीण क्षेत्र भोपालगढ़ में बुधवार की सुबह पिकअप चालक की लापरवाही से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान हो गई है और शव को भोपालगढ़ चिकित्सालय में रखवाया गया है। पुलिस के अनुसार रजलानी भोपालगढ़ निवासी रामकिशोर पुत्र झूमरराम को किसी पिकअप के चालक ने पैदल जाते समय अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में रामकिशोर की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर भोपालगढ़ पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no.0294-2426262,
Email:- ceoudr.lsg@rajasthan.gov.in electricalumc50@gmail.com Website :- https://udaipurmc.org/

क्रमांक :-ननिउ/ विद्युत/2026-27/562 दिनांक :- 10.10.26

ई-बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 11/2026-27

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विद्युत शाखा से सम्बंधित विभिन्न विकास कार्य जिसकी कुल अनुमानित लागत राशि 78.01 लाख हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑनलाईन निविदा दिनांक 20.10.26 समय सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकरी www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN No UNP2627GLOB00113

आयुक्त
नगर निगम, उदयपुर

राज.संवाद/सी/26/11832

खुद को एयर ट्रैफिक कंट्रोलर बताकर कारोबारी से 24 लाख रुपए ठगे

पुलिस ने फरार शातिर अंतर्राज्यीय ठग दंपती को गिरफ्तार किया

- आरोपी देश के कई राज्यों में इसी तरह की ठगी के मामलों में लिप्त रहे हैं
- पुलिस अब आरोपियों के बैंक खातों और ठगी गई रकम की बरामदगी को लेकर पूछताछ कर रही है
- आरापी दम्पती को यूपी के सीतापुर जेल से गिरफ्तार कर बीकानेर लाया गया

बीकानेर, (निसं)। व्यास कॉलोनी थाना पुलिस ने खुद को नाल एयरपोर्ट का एयर ट्रैफिक कंट्रोलर बताकर बीकानेर के एक कारोबारी परिवार से पारिवारिक रिश्ते कायम करने और फिर 24 लाख रुपये की ठगी कर फरार होने वाले शातिर अंतर्राज्यीय ठग दंपती को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी रोहित बाजपेयी (44) और उसकी पत्नी अन्नू बाजपेयी (44) निवासी मकरंद नगर, कन्नौज को यूपी की सीतापुर जिला जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। आरोपी देश के कई राज्यों में इसी तरह की ठगी के मामलों में लिप्त रहे हैं।

एसएचओ देवेन्द्रसिंह राठौड़ ने बताया कि जेएनवीसी थाना क्षेत्र स्थित मरुधर कॉलोनी, जयपुर रोड निवासी नवीन कुमार चौहान ने मुकदमा दर्ज कराया था। परिवादी की जयपुर रोड पर जेबीएफ डेकोर नाम से दुकान है। दिसंबर, 24 में रोहित बाजपेयी ग्राहक बनकर दुकान पर आया और खुद को नाल एयरपोर्ट का एटीसी अधिकारी बताया। बड़ा खर्च और उदारता दिखाकर उसने स्टाफ और कारोबारी का भरोसा जीता। इसके बाद आरोपी ने करणी नगर में किराए का मकान लिया और कारोबारी परिवार को सामाजिक आयोजनों, रिसॉर्ट पार्टियों और पारिवारिक समारोहों में आमंत्रित कर घनिष्ठता बढ़ा ली। सहानुभूति और विश्वास हासिल करने के बाद आरोपियों ने कारोबारी की पत्नी को बहन बनाकर भावनात्मक जाल बिछाया।

पहले छोटे-मोटे लेनदेन कर समय पर ब्याज सहित पैसे लौटाकर पूरा विश्वास जमाया। इसके बाद 26 मार्च, 25 को संपत्ति खरीद की डील अटकने और 50 लाख का फर्जी बैंक स्टेटमेंट दिखाकर 20 लाख रुपये नकद और करीब 4 लाख रुपये के आभूषण ले लिए। रकम हाथ लगते ही 27 मार्च को आरोपी अपना मोबाइल बंद कर और किराए का मकान खाली कर रातों-रात फरार हो गए थे। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी सीतापुर (यूपी) कोतवाली में दर्ज धोखाधड़ी के एक मामले में वहां की जेल में बंद हैं। जांच अधिकारी एएसआई जयप्रकाश मय जाब्ता सीतापुर कारागार पहुंचे और कानूनी प्रक्रिया पूरी कर दोनों को गिरफ्तार कर बीकानेर लाए हैं। पुलिस अब आरोपियों के बैंक खातों और ठगी गई रकम की बरामदगी को लेकर पूछताछ कर रही है।

अजमेर में सूने मकान से पांच लाख का माल पार

- परिवार 18 दिन तक घर से बाहर था, लौटने पर चोरी की वारदात खुली, 50 हजार की नकदी, सोने-चांदी के आभूषण लेकर फरार हुए चोर

अजमेर, (निसं)। अजमेर में सूने मकानों को निशाना बनाने वाले चोरों के हौसले बुलंद हैं। कृष्णगंज थाना क्षेत्र के विकासपुरी, शांतिपुरा में चोरों ने एक बंद मकान में सेंध लगाकर नकदी और सोने-चांदी के आभूषण सहित करीब 5 लाख रुपये का माल चोरी कर लिया। परिवार के घर लौटने पर वारदात का पता चला। सूचना मिलने पर कृष्णगंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, विकासपुरी, शांतिपुरा निवासी शैलेंद्र कुमार धूत 25 सितंबर से 12 अक्टूबर तक अपने परिवार के साथ घर से बाहर गए हुए थे। 12 अक्टूबर को दोपहर करीब एक बजे जब वे घर लौटे तो मकान में चोरी होने का पता चला। चोरों ने घर को निशाना बनाते हुए नकदी और कीमती आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। परिवादी के अनुसार, चोर मकान से 50 हजार रुपये नकद, सोने का हार, कानों की बालियां और सोने की दो कड़ियां ले गए। इसके अलावा चांदी की दो मूर्तियां, चांदी के चम्मच-कटोरी के पांच सेट और चांदी की दो पायल भी चोरी हो गईं। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 5 लाख रुपये बताई गई है। वारदात की सूचना मिलने पर कृष्णगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के क्षेत्र में सुराग जुटा कर चोरी की वारदात का खुलासा करने के प्रयास में जुटी है।

चलती बस से नीचे गिरने से युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के करवड़ थाना क्षेत्र में आईआईटी गेट नंबर-2 के पास चलती बस से नीचे गिरने के कारण एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान बीकानेर निवासी कृष्णा पी. माधवानी के रूप में हुई है। इस संबंध में मृतक के पिता पुरुषोत्तम माधवानी की रिपोर्ट पर करवड़ थाना पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

करवड़ थाने के हैडकांस्टेबल बनवारीलाल ने बताया कि पुरुषोत्तम माधवानी अपने पुत्र कृष्णा के साथ रात एक निजी बस में बीकानेर से नाथद्वारा के लिए रवाना हुए थे। रात में करवड़ क्षेत्र में आईआईटी गेट नंबर-2 के पास कृष्णा बस में बने शौचालय की ओर गया था। शौचालय से लौटते समय बस का मुख्य गेट खुला होने के कारण वह चलती बस से नीचे गिर गया। हादसे में उसके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मृतक के पिता ने रिपोर्ट में बस चालक पर तेज गति और लापरवाही से बस चलाने का आरोप लगाया है। फिलहाल करवड़ पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल नवलगढ़, झुन्झुनू (राज.)

क्रमाक :न.पा.न./2026-27/4114 दिनांक : 12.10.2026

ई-निविदा सूचना 03/2026-27

नगरपालिका नवलगढ़ की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए सील बंद निविदाये आमंत्रित की जाती हैं। निविदा website www.sppp.raj.gov.in से download कर देखी/प्राप्त की जा सकती हैं। RTPP एक्ट की शर्ते मान्य होंगी एवं अन्य शर्ते कार्यालय समय में देखी जा सकती हैं।
जिसके Nib Code व UBN Number निम्न प्रकार हैं।

Sr. No.	NIB Code	UBN No.
1	DLB2627A8569	DLB2627GLOB21970

राज.संवाद/सी/26/11865 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर परिषद पुष्कर जिला अजमेर

क्रमांक :- नपपु/विकास/2026/2857 दिनांक:- 06.10.2026

:: ई-निविदा सूचना ::

नगर परिषद पुष्कर की ओर से राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल निर्माण कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यो की कुल लागत	51.68 लाख
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	06.10.2026 TO 16.10.2026 समय 6 बजे तक
निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा कराने की अंतिम तिथि	21.10.2026 समय प्रातः 11 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	21.10.2026 समय सांय 4 बजे तक

विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर एवं नगर पालिका के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।
Nib Code :-

S.No.	UBN No.
1	DLB2627SLOB21200

राज.संवाद/सी/26/11797 आयुक्त, नगर परिषद पुष्कर

गोदाम में घुसकर हमला, सामान में तोड़फोड़ की

सुजानगढ़, (निसं)। शहर के जमालपुरा रोड पर तगाला मस्जिद के पास स्थित एक गोदाम में घुसकर परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट करने और सामान में तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में जावेद पुत्र सलीम पडिहार ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

पुलिस को दी गई रिपोर्ट के अनुसार, घटना 14 अक्टूबर को सुबह करीब 11:30 बजे की है। परिवादी ने बताया कि वह अपने पिता सलीम, माता जरीना तथा अन्य परिजनों के साथ गोदाम में मौजूद था। इसी दौरान उसके काका नौसाद व सराज भी वहां काम के सिलसिले में आए हुए थे। तभी इरफान माल देखने के लिए आया हुआ था। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि नदीम, मुख्तार, नौसाद और जावेद सहित कुछ लोग एकराय होकर लाठी-डंडों से लैस होकर गोदाम में घुस आए और मारपीट शुरू कर दी। परिवादी का आरोप है कि हमलावरों ने उसके और उसके पिता के साथ मारपीट की तथा गोदाम में रखे सामान को अस्त-व्यस्त कर नुकसान पहुंचाया।

अलवर में पति-पत्नी ने परिचित के साथ एक करोड़ की धोखाधड़ी की

- क्रेडिट कार्ड यूज लेने पर एक प्रतिशत मुनाफे का झांसा दिया, व्यवसाय के लिए पैसों की जरूरत बताई
- न्यायालय के निर्देश पर अरावली विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

अलवर, (निसं)। अलवर में परिचितों के क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने के बाद भुगतान बंद करने का मामला सामने आया है। कालाकुआं निवासी परिवादी ने आरोपी हेमंत गुप्ता और उसकी पत्नी श्वेता खंडेलवाल के खिलाफ धोखाधड़ी का कोर्ट में परिवाद पेश किया है। अब अरावली विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिवाद के अनुसार, हेमंत ने व्यवसाय के लिए पैसों की जरूरत बताकर परिचितों के क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने के लिए लिए थे। शुरुआत में वह समय पर भुगतान करता रहा, लेकिन जुलाई 2026 से भुगतान बंद कर दिया। शिकायतकर्ता का दावा है कि क्रेडिट कार्ड से करीब 92.19 लाख रुपए इस्तेमाल किए गए। इसके अलावा पत्नी के इलाज के नाम पर 10 लाख रुपए भी बैंक खाते में ट्रांसफर करवाए गए। न्यायालय के निर्देश पर अरावली विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट में परिवादी ने बताया कि हेमंत गुप्ता से उसकी पुरानी जान-पहचान थी। दोनों के बीच विश्वास के संबंध थे। वर्ष 2020 में हेमंत ने अपने व्यवसाय के लिए कुछ समय के लिए पैसों की जरूरत बताते हुए परिवादी और उसकी पत्नी के क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने के लिए मांगे थे। उसने कार्ड से खर्च की गई राशि समय पर चुकाने और इसके बदले 1 प्रतिशत लाभ देने की बात कही थी।

शिकायतकर्ता के अनुसार, शुरुआत में हेमंत क्रेडिट कार्ड की बकाया राशि का भुगतान समय पर करता रहा। इससे उसका विश्वास बढ़ गया। बाद में हेमंत ने परिवादी से उसके दोस्तों, परिवार के सदस्यों और स्टाफ के लोगों के क्रेडिट कार्ड भी इस्तेमाल के लिए दिलवाने को कहा। इसके बाद कई लोगों के क्रेडिट कार्ड उसे इस्तेमाल करने के लिए दिए गए। परिवाद में क्रेडिट कार्ड से इस्तेमाल की गई राशि का अलग-अलग विवरण दिया गया है। इसके अनुसार, परिवादी के 27 क्रेडिट कार्ड से करीब 33.03 लाख रुपए, उसकी पत्नी के चार कार्ड से करीब 3.85 लाख रुपए और दूसरे दोस्त के 13 कार्ड से करीब 33.65 लाख रुपए इस्तेमाल किए गए। इसी तरह एक दोस्त के छह क्रेडिट कार्ड से करीब 6.71 लाख रुपए और परिवार के सदस्यों व स्टाफ के लोगों के कार्ड से करीब 14.93 लाख रुपए इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है।

परिवाद में इन सभी कार्ड से इस्तेमाल की गई कुल राशि करीब 92.19 लाख रुपए बताई गई है। परिवादी ने आरोप लगाया कि हेमंत ने अपनी पत्नी की बीमारी का इलाज कराने के लिए 10 लाख रुपए की जरूरत बताई थी। इस पर उसने ऑनलाइन माध्यम से हेमंत के बैंक खाते में 10 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। शिकायतकर्ता का कहना है कि क्रेडिट कार्ड से इस्तेमाल की गई राशि और बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए रुपयों को मिलाकर कुल 1.02 करोड़ रुपए से अधिक का लेन-देन हुआ।

परिवाद के अनुसार, जुलाई 2026 से हेमंत ने क्रेडिट कार्ड की बकाया राशि का भुगतान करना बंद कर दिया। इसके बाद परिवादी और उसके परिचितों को बैंकों की ओर से बकाया राशि चुकाने के लिए कहा जाने लगा। परिवादी ने दावा किया कि उसे बैंकों की बकाया न्यूनतम राशि के रूप में करीब 5 लाख रुपए भी जमा कराने पड़े। परिवादी का आरोप है कि जब उसने हेमंत से रकम वापस मांगी तो वह पहले टालमटोल करता रहा। बाद में उसने फोन उठाना बंद कर दिया। शिकायतकर्ता के अनुसार, हेमंत के कई मोबाइल नंबर बंद आने लगे। उसकी पत्नी का मोबाइल नंबर भी बंद मिला। परिवाद में यह भी आरोप लगाया गया है कि हेमंत अपने परिवार के साथ घर से फरार हो गया है। फिलहाल अरावली विहार थाना पुलिस पूरे मामले की जांच करने में जुटी है।

जोधपुर में फर्जी नंबर प्लेट लगी बस जब्त

जोधपुर, (कासं)। शहर की सड़कों पर दौड़ती सिटी बसें फर्जी तरीके से भी चल रही है। फर्जी नंबर प्लेट लगाकर सिटी बसों का संचालन भी हो रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रथम पुलिया पर एक सिटीबस का संचालन जुलाई माह से फर्जी तरीके हो रहा था। इसका खुलासा 10 अक्टूबर को उसके पकड़े जाने पर हुआ। फर्जी नंबर प्लेट लगाकर इस सिटीबस का परिचालन किया जा रहा था। घटना को लेकर देवनगर थाने में प्रकरण दर्ज हुआ है। अज्ञात शख्स के बारे में अब पुलिस जांच कर रही है।

देवनगर पुलिस के अनुसार सुजान चारण की तरफ से केस दर्ज कराया गया है। रिपोर्ट के अनुसार 14 जुलाई से 10 जुलाई के मध्य में प्रथम पुलिया देवनगर में एक सिटी बस का संचालन हो रहा था। इस सिटी बस की नंबर प्लेट फर्जी तरीके से यूज ली जा रही थी। इस पर पुलिस के सहयोग से सिटी बस को सीज करने की कार्रवाई की गई। प्रथम दृष्टया पुलिस ने सिटी बस पर लगी नंबर प्लेट को अवैध माना। प्रकरण में द्व जांच एएसआई जगराम की तरफ से जा रही है।

कार्यालय नगर परिषद पुष्कर जिला अजमेर

क्रमांक :- नपपु/विकास/2026/2859 दिनांक:- 06.10.2026

:: ई-निविदा सूचना ::

नगर परिषद पुष्कर की ओर से राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल निर्माण कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यो की कुल लागत	51.68 लाख
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	06.10.2026 TO 16.10.2026 समय 6 बजे तक
निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा कराने की अंतिम तिथि	21.10.2026 समय प्रातः 11 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	21.10.2026 समय सांय 4 बजे तक

विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर एवं नगर पालिका के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।
Nib Code :-

S.No.	UBN No.
1	DLB2627SLOB21206

राज.संवाद/सी/26/11799 आयुक्त, नगर परिषद पुष्कर

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर
Tel.No. 1462-258665, 257509 Email Add: npbeawar@gmail.com

क्रमांक/रोशनी/2026-27/9173 दिनांक:-07.10.2026

ई-निविदा सूचना 01/2026-27

निम्नांकित रोशनी सम्बन्धी कार्य करवाया जाने हेतु EWSD श्रेणी 1 के पंजीकृत ठेकेदारों से E-Procurement पर दिनांक 21.10.2026 को प्रातः 11:00 बजे तक ई-निविदायें आमंत्रित है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर राशि	प्रासेसिंग फीस	निविदा शुल्क
1	नगर परिषद ब्यावर क्षेत्र कें विभिन्न स्थानों पर मिनी हाईमास्ट लाईट लगाने का कार्य	30.24	60496	500	1000
2	नगर परिषद ब्यावर क्षेत्र कें विभिन्न स्थानों पर नई स्ट्रीट लाईट लगाने का कार्य	50.00	100000	500	1000
3	नगर परिषद ब्यावर क्षेत्र कें विभिन्न स्थानों पर पोलो पर रोप लाईट (तिरंगा लाईट) लगाने का कार्य	15.00	30000	500	1000
4	नगर परिषद ब्यावर क्षेत्र कें विभिन्न स्थानों पर लगी समस्थ स्ट्रीट लाईट का राख-रखाव कार्य	68.40	136800	1500	1000

ई-निविदा से संबंधित विस्तृत शर्ते ई-निविदा फार्म के साथ संलग्न है। यह फर्म E Procurement एवं WWW.Sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
जिसका NIB code DLB2627A8574 है एवं UBN नम्बर निम्नानुसार है:-
1. DLB2627 SLOB21975
2. DLB2627 SLOB21977
3. DLB2627 SLOB21979
4. DLB2627 SLOB21980

आयुक्त
नगर परिषद, ब्यावर

राज.संवाद/सी/26/11914

फर्जी ट्रेडिंग व आईपीओ में मुनाफे का लालच देकर 61.77 लाख रु. ठगने वाला गिरफ्तार

व्हाट्सऐप-टेलीग्राम ग्रुप से जाल में फंसाया, शुरुआत में छोटी रकम निकलवाकर जीता भरोसा

जयपुर (कासं)। ऑनलाइन ट्रेडिंग, शेयर बाजार और आईपीओ में भारी मुनाफे का लालच देकर 61.77 लाख रुपए की साइबर ठगी के मामले में राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि ठगी की रकम में से पांच लाख रुपए आरोपी के बैंक खाते में ट्रांसफर हुए थे। यह राशि एटीएम और आईएमपीएस के माध्यम से निकाली गई थी।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम विजय कुमार सिंह ने बताया कि परिवादी ने 23 जनवरी 2025 को स्टेट साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। परिवादी गूगल पर शेयर बाजार और आईपीओ में निवेश के विकल्प तलाश रहा था। इसी दौरान वह 'विकासा कैपिटल' नामक ऑनलाइन निवेश पोर्टल के संपर्क में आया। यहां भारतीय और अमेरिकी शेयर बाजार के साथ आईपीओ में निवेश पर आकर्षक और सुनिश्चित मुनाफे का लालच दिया गया। आरोपियों ने व्हाट्सऐप और टेलीग्राम के जरिए लिंक भेजकर परिवादी से फर्जी निवेश एप्लीकेशन डाउनलोड करवाई। शुरुआत में छोटी रकम निवेश करवाई गई और पोर्टल पर बढ़ता मुनाफा दिखाया गया। भरोसा जीतने के लिए एक बार छोटी रकम की निकासी भी करवाई गई। इसके बाद 'सत्कार शॉपिंग' का आईपीओ दिलाने और अधिक लाभ का लालच देकर पीजी एंटरप्राइज, एसके एंटरप्राइजेज, टेरापल्स प्राइवेट लिमिटेड, राधा माधब वैरायटीज, पार्थ ट्रेडर्स और प्रिशा एंटरप्राइज सहित विभिन्न फर्मों के बैंक खातों में बड़ी रकम जमा करवाई गई।

- **पुलिस जांच में सामने आया कि ठगी की रकम में से पांच लाख रुपए आरोपी के बैंक खाते में ट्रांसफर हुए थे। यह राशि एटीएम और आईएमपीएस के माध्यम से निकाली गई थी।**

जब परिवादी ने निवेश की राशि और कथित मुनाफा निकालने का प्रयास किया तो पोर्टल पर विदेशी निवेशक संस्था द्वारा खाता फ्रीज किए जाने का संदेश दिखाकर निकासी रोक दी गई। इसके बाद आरोपी संपर्क से बचने लगे। इस तरह कुल 61.77 लाख रुपए की ठगी की गई।

पुलिस को तकनीकी और वित्तीय साक्ष्यों के विश्लेषण के दौरान पुलिस को पता चला कि ठगी की रकम में से 16 जनवरी 2025 को पांच लाख रुपए सुजीत दिनकर पाटील के नाम से संचालित उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक खाते में आए थे। बैंक स्टेटमेंट के अनुसार 16 और 17 जनवरी को यह रकम एटीएम और आईएमपीएस के जरिए निकाली गई।

पुलिस के मुताबिक आरोपी दिल्ली के एक अन्य मामले में गिरफ्तार होकर जेल में बंद था। संबंधित न्यायालय से प्रोडक्शन वारंट प्राप्त कर उसे पूछताछ और अनुसंधान के लिए जयपुर लाया गया। बैंक खाते का इस्तेमाल ठगी की रकम प्राप्त करने और निकालने में होने के आधार पर उसे इस मामले में सुजीत दिनकर पाटील को गिरफ्तार किया गया।

74 वर्षीय बुजुर्ग को 10 दिन डिजिटल अरेस्ट रखकर 1.74 करोड़ रुपए ठगे

बदमाशों ने खुद को ईडी अधिकारी बताकर बुजुर्ग को मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर जाल में फंसाया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । वैशाली नगर थाना इलाके में साइबर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। शातिर ठगों ने 74 वर्षीय जितेंद्र नाथ भार्गव को डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 10 दिन तक गिरफ्तारी और संपत्ति जब्त करने का डर दिखाकर 1 करोड़ 74 लाख रुपए ठग लिए। आरोपियों ने खुद को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का अधिकारी बताकर बुजुर्ग को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में फंसाने की धमकी दी। पीड़ित की शिकायत पर वैशाली नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वैशाली नगर थानाधिकारी अरविंद सिंह शेखावत ने बताया कि आरोपियों ने बुजुर्ग को कथित तौर पर कहा कि उनके बैंक खाते में गलत लेन-देन हुआ है और उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज है। इसके बाद उन्हें अलग-अलग लोगों से वीडियो कॉल के जरिए जुड़वाया गया। एक व्यक्ति की मोबाइल स्क्रीन पर सुप्रीम कोर्ट दिखाई दे रहा था, जबकि दूसरे व्यक्ति को दिल्ली का डीजीपी बताकर बात करवाई गई। आरोपियों ने अलग-अलग पदों और संस्थाओं का नाम लेकर पीड़ित पर दबाव बनाया और कानूनी कार्रवाई का भय दिखाया।

- **वीडियो कॉल पर सुप्रीम कोर्ट और डीजीपी का नाम लेकर डराया**

आरोपियों ने बुजुर्ग को लगातार निगरानी में रखने का डर दिखाया और किसी से बात नहीं करने दी। गिरफ्तारी तथा संपत्ति जब्त करने की धमकी देकर अलग-अलग लेन-देन के माध्यम से उनसे कुल 1 करोड़ 74 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए। पीड़ित अपनी पत्नी के साथ रहते हैं। उनका बेटा सिंगापुर में रहता है, जबकि बेटी राजस्थान से बाहर रहती है। ठगी का अहसास होने पर जितेंद्र नाथ भार्गव ने अपने एक परिचित को पूरी घटना बताई। इसके बाद वे वैशाली नगर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर साइबर विशेषज्ञों की मदद से जांच शुरू कर दी है। पुलिस ठगी में इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबरों, वीडियो कॉल और जिन बैंक खातों में रकम ट्रांसफर की गई, उनकी जानकारी जुटा रही है। आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

लोहामंडी में कारखाने से बाल श्रमिक मुक्त कराया

- **पुलिस ने कारखाना संचालक को गिरफ्तार किया**

जयपुर । हरमाड़ा थाना पुलिस और मानव तस्करी विरोधी इकाई ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए न्यू लोहा मंडी माचेडा स्थित एक कारखाने से बाल श्रमिक को मुक्त कराया है। पुलिस ने नाबालिग से खतरनाक काम करवाने के आरोप में कारखाना मालिक भीम राजभर (28) को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त प्रशांत किरण ने बताया कि बालश्रम के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हरमाड़ा थानाधिकारी बाबूलाल और मानव तस्करी विरोधी इकाई के प्रभारी रामशरण के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। टीम ने 13 अक्टूबर को न्यू लोहा मंडी, माचेडा स्थित डेलमोर्स वेंचर्स के प्लॉट नंबर 55ए पर दबिश दी।

पुलिस के अनुसार कारखाने में नाबालिग से स्टील के सामान से छत पर लगाए जाने वाले वेंटिलेटर पंखे बनाने का खतरनाक काम करवाया जा रहा था। बच्चे ने पूछताछ में बताया कि उससे सुबह से देर रात तक काम कराया जाता था और इसके बदले 13 हजार रुपए प्रतिमाह नकद दिए जाते थे। गलती होने पर उसे डांटने और प्रताड़ित करने की बात भी सामने आई। पुलिस के अनुसार, कारखाना मालिक बच्चे के स्वास्थ्य और सुरक्षा का ध्यान नहीं रख रहा था। पुलिस ने बाल श्रमिक को मुक्त कराकर प्रयास जेएसी सोसायटी के समन्वयक सईद खान के संरक्षण में सौंपा है, ताकि उसे बाल कल्याण समिति, गांधीनगर के समक्ष पेश किया जा सके। गिरफ्तार आरोपी भीम राजभर मूल रूप से उत्तर प्रदेश के अम्बेडकर नगर जिले का निवासी है और जयपुर में डेलमोर्स वेंचर्स में ठेकेदार के रूप में काम कर रहा था।

महिला पर्यटकों की तस्वीरें खींचने और फब्तियां कसने वाला गिरफ्तार

जयपुर । हवामहल के सामने देशी-विदेशी महिला पर्यटकों और बालिकाओं की बिना अनुमति तस्वीरें खींचने तथा अशोभनीय टिप्पणियां करने के मामले में कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने आरोपी फिरोज खान (40) को पकड़कर माणकचौक पुलिस के हवाले किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी के मोबाइल में कई महिला पर्यटकों की तस्वीरें मिलीं, जिन्हें टीम ने डिलीट करवाया। पुलिस उपायुक्त अनुष्ठा कालिया ने बताया कि कालिका टीम की सदस्य लक्ष्मी, ज्योति, राकेश और कपिल माणकचौक थाना क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान हवामहल के सामने एक व्यक्ति मोबाइल से आने-जाने वाली महिला पर्यटकों की तस्वीरें खींचता और उनके पास से गुजरने पर अशोभनीय टिप्पणियां करता दिखाई दिया। संदेह पर टीम ने उसके मोबाइल की जांच की। पुलिस के अनुसार, मोबाइल में कई महिला पर्यटकों की तस्वीरें मिलीं।

बेकाबू रोडवेज बस की टक्कर से महिला की मौत

- **सीकर रोड पर खेतान हॉस्पिटल के पास हुआ हादसा**
- **तेज रफ्तार बस ने दो कारों और स्कूटी को टक्कर मारी, हादसे में एक युवक का पैर भी फ्रैक्चर हुआ**

जयपुर । मुरलीपुरा इलाके में सीकर रोड पर खेतान हॉस्पिटल के सामने बुधवार दोपहर तेज रफ्तार रोडवेज बस ने दो कारों और एक स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में एक महिला की मौत हो गयी, जबकि स्कूटी सवार युवक का पैर फ्रैक्चर हो गया। टक्कर इतनी तेज थी कि स्कूटी बस के आगे के टायर के नीचे आ गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

मुरलीपुरा थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील ने बताया कि दुर्घटना दोपहर करीब 2:45 बजे हुई। तेज रफ्तार बस ने पहले दो कारों को टक्कर मारी और फिर स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर से एक कार पीछे की तरफ से क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि दूसरी कार और स्कूटी को भी नुकसान पहुंचा। बाइक पर बैठी महिला तुलसी देवी (49) भी बस की चपेट में आ गयी, जिससे वह गंभीर घायल हो गयी और अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं एक स्कूटी बस के आगे के टायर के नीचे आ गई, जिससे स्कूटी सवार व्यक्ति के पैर में गंभीर चोट आई और उसका पैर टूट गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने बस चालक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना मिलने पर मुरलीपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को थाने ले गई। पुलिस के अनुसार, बस चालक राकेश कुमार (30) निवासी श्रीमाधोपुर, से पूछताछ की जा रही है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

सेंट्रल जेल में बंदियों के बीच मारपीट

जयपुर । लालकोठी थाना इलाके में स्थित जयपुर सेंट्रल जेल में बंदियों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। यहां पानी की बोतल भरने से मना करने पर दंडित बंदी सोनू उर्फ बंटी ने विचाराधीन बंदी कमलेश उर्फ गोलू के साथ कथित तौर पर मारपीट कर दी। घटना को लेकर पीड़ित की शिकायत पर 13 अक्टूबर को लालकोठी थाने में मामला दर्ज किया गया है।

थाना प्रभारी श्याम सुंदर ने बताया कि कमलेश उर्फ गोलू पुत्र मुन्नालाल टोंक के कोतवाली थाना क्षेत्र का निवासी है और वर्तमान में जयपुर सेंट्रल जेल में बंद है। शिकायत के अनुसार, 8 अक्टूबर को दोपहर करीब 3 बजे कमलेश जेल में शौचालय के पास बैठा था। इसी दौरान सोनू उर्फ बंटी वहां आया और उससे पानी की बोतल भरकर देने के लिए कहा। कमलेश ने मना किया तो आरोपी ने कथित तौर पर उसके साथ मारपीट कर दी। घटना के संबंध में कमलेश की ओर से शिकायत दिए जाने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सार-समाचार

'मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता से सशक्त समाज का निर्माण संभव'

जयपुर । विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान एवं समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र (भारत सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में फोर्टिस अस्पताल में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, भावनात्मक कल्याण और सामाजिक भ्रांतियों को दूर करने पर जोर दिया गया। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ होम्योपैथ, आचार्य एवं चिकित्सक तथा ट्रस्ट सदस्य एवं मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के अनुभवों को सुनने, उनकी भावनाओं का सम्मान करने और जरूरत के समय सहयोग देने से सशक्त समाज का निर्माण संभव है। सेमिनार में डॉ. नीरज मधुकर, निदेशक, समेकित क्षेत्रीय केंद्र; डॉ. नितिन गुप्ता, परामर्शदाता एवं आपातकालीन तथा आघात चिकित्सा विभागाध्यक्ष; डॉ. तुषार कांत, परामर्शदाता मनोचिकित्सक; डॉ. निमिषा खंडेलवाल, नैदानिक मनोवैज्ञानिक; डॉ. अनुराधा गोस्वामी, सहायक आचार्य तथा दुर्गा वर्मा, महासचिव ने विचार साझा किए। कार्यक्रम संयोजक कौशल सत्यार्थी ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से पिछले एक माह से सरकारी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में जागरूकता सत्र, संवाद कार्यक्रम और चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इनका उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और सामाजिक भ्रांतियां दूर करना है। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर बृजेश गुप्ता, कौशल सत्यार्थी, ओम प्रकाश पोद्दार, नितेश, भास्कर, अंजलि, दिव्या सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गरबा-डांडिया में 200 सदस्यों ने किया नृत्य

जयपुर । रोटरी क्लब जयपुर डिग्निटी, रोटरी क्लब जयपुर बापू नगर एवं अरुणाज गीत गाता चल की ओर से जयपुर स्थित महल पैलेस में गरबा-डांडिया उत्सव धूमधाम से आयोजित किया गया। शाम 6 से रात 10 बजे तक चले आयोजन में 200 से अधिक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह में श्रेष्ठ पुरुष एवं महिला परिधान, श्रेष्ठ महिला नृत्यांगना, श्रेष्ठ पुरुष नर्तक, श्रेष्ठ बालिका और श्रेष्ठ बालक सहित विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए। निर्णायक मंडल में नृत्य गुरु मीरा सक्सेना, शास्त्रीय संगीत गुरु प्रो. कांता धवन और आभूषण डिजाइनर अनीता धींगरा शामिल रहीं। प्रतिभागियों ने विभिन्न व्यंजनों का भी आनंद लिया। आयोजन में रोटरी क्लब जयपुर डिग्निटी के अध्यक्ष संदीप धींगरा, सचिव संजय भान, उपाध्यक्ष अनुपमा बंसल, कार्यक्रम अध्यक्ष दिलीप तिवारी, समन्वयक हरीश खत्री व वीनू मित्तल, अरुणाज गीत गाता चल की संस्थापिका अरुणा जैन, समन्वयक अजय कल्ला तथा रोटरी क्लब जयपुर बापू नगर के अध्यक्ष सतीश गोयल और सचिव धर्मेन्द्र गोयल का सक्रिय योगदान रहा। सेलिब्रिटी उद्घोषक अंतिमा बाफना ने कार्यक्रम का संचालन किया।

सेंट्रल स्पाइन योजना में 4 संपत्तियां कुर्क

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा बकाया राजस्व वसूली अभियान के तहत बुधवार को जोन-9 में बड़ी कार्रवाई कर सेंट्रल स्पाइन योजना के ग्रुप हाउसिंग प्लॉट संख्या एस-25 पर निर्मित व्यावसायिक संपत्तियों को कुर्क किया गया। अतिरिक्त आयुक्त राजस्व प्रतिभा पारीक ने बताया कि जोन उपायुक्त - 9 सूर्यकांत शर्मा द्वारा मैसर्स गंगा सागर रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड पर बकाया लीज राशि 21573788 तथा उस पर देय ब्याज जमा नहीं कराने के कारण संबंधित संपत्तियों के विरुद्ध कुर्की की कार्रवाई की गई। जोन उपायुक्त ने बताया कि बकाया राशि की वसूली के लिए सेंट्रल स्पाइन योजना के प्लॉट संख्या एस-25 पर निर्मित हाउसिंग सोसायटी के ब्लॉक संख्या बी की खाली फ्लैट संख्या 304 एवं 403 तथा ब्लॉक संख्या सी की खाली फ्लैट संख्या 905 एवं 804 सहित 4 खाली फ्लैटों को कुर्क किया गया। उन्होंने बताया कि बकाया राजस्व वसूली के मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। बकाया राशि जमा नहीं कराने वाले आवंटियों एवं संबंधित फर्मों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

पीएचसी-सीएचसी को मिली नई एम्बुलेंस

जयपुर । पीएचसी मांडाभीम सिंह एवं सीएचसी बधाल को नई एम्बुलेंस मिलने की खुशी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बीसीएमचओ कैलाश कुमावत, 108 एम्बुलेंस सेवा के संभाग प्रभारी सुभाष शर्मा, जिला प्रभारी पीयूष बिलोनिया एवं सुनील मीणा सहित 108 एम्बुलेंस सेवा के समस्त कर्मचारी एवं अस्पताल स्टाफ उपस्थित रहे। एम्बुलेंस सेवा के संभाग प्रभारी सुभाष शर्मा ने कहा कि नई एम्बुलेंस से क्षेत्र की आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी और मरीजों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना और जीवन बचाना ही मुख्य उद्देश्य है।

फ्रेंच भाषा में विदेशी पर्यटकों से संवाद कर रहे हैं राजस्थान पुलिस के जवान

डीजीपी राजीव शर्मा के निर्देश पर 22 पुलिस कर्मचारियों का एक माह का प्रशिक्षण मिला

जयपुर (कासं)। राजस्थान आने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को सुरक्षित, सहज और मित्रवत माहौल उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान पुलिस अपने जवानों को विदेशी भाषाओं में दक्ष बना रही है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर पर्यटन सहायता बल (टीएएफ), जयपुर कमिश्नरेट और जोधपुर कमिश्नरेट के 22 चयनित पुलिसकर्मियों और अधिकारियों को फ्रेंच भाषा का एक माह का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण पेशेवर फ्रेंच भाषा शिक्षकों की ओर से दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों को विदेशी पर्यटकों से सीधे संवाद करने और उनकी जरूरतों को बेहतर ढंग से समझने में सक्षम बनाना है।

प्रशिक्षण के 15 दिन पूरे होने के बाद टीएएफ के एक जवान ने अल्बर्ट हॉल संग्रहालय के पास फ्रांसीसी पर्यटकों से फ्रेंच भाषा में बातचीत की। भाषा सीख रहे जवान ने अभ्यास के दौरान पर्यटकों से उनका परिचय, उम्र और यात्रा के अनुभवों के बारे में बात की। जवान के प्रयास से विदेशी पर्यटक प्रभावित और खुश नजर आए। राजस्थान पुलिस की ओर से अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए एक समर्पित सोशल मीडिया मंच भी तैयार किया जा रहा है। इसके माध्यम से पर्यटकों को जरूरी जानकारी और सहायता देने के साथ पुलिस के सकारात्मक कार्यों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इस पहल से राजस्थान में पर्यटन पुलिसिंग को अधिक प्रभावी और पेशेवर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। भाषा प्रशिक्षण के जरिए पुलिसकर्मी विदेशी पर्यटकों के साथ बेहतर संवाद स्थापित कर सकेंगे, जिससे उनकी यात्रा को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाया जा सकेगा।

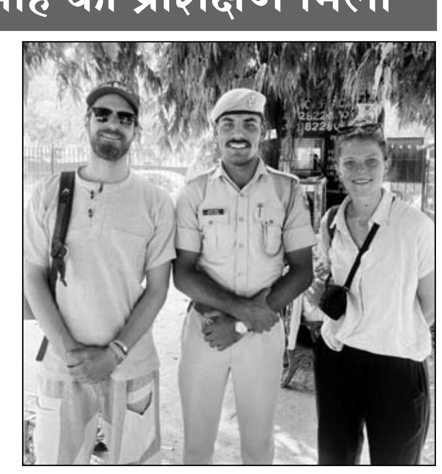

राजस्थान पुलिस के जवान ने अल्बर्ट हॉल संग्रहालय के पास फ्रांसीसी पर्यटकों से फ्रेंच भाषा में बातचीत की।

हरमाड़ा, ज्योति नगर और महेश नगर की कच्ची बस्तियों में पुलिस की दबिश

जयपुर । जयपुर पुलिस की सीएसटी यूनिट ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बुधवार सुबह हरमाड़ा, ज्योति नगर और महेश नगर थाना क्षेत्रों की विभिन्न कच्ची बस्तियों में दबिश दी। डॉग स्क्वायड के साथ चलाए गए अभियान में स्मैक के 20 टोकन, गांजा, देशी शराब की 12 पेटियां और 28 हजार 200 रुपए की राशि जब्त की गई।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल और स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश के निर्देशन में की गई कार्रवाई के दौरान तीनों थाना क्षेत्रों में संदिग्ध ठिकानों की जांच की गई। स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने बताया कि हरमाड़ा थाना क्षेत्र के नींदड़ मोड स्थित भारत नगर कच्ची बस्ती में करीब 15 स्थानों पर जांच की गई। इस दौरान कृष्णा (55) पत्नी घीसालाल के मकान से स्मैक के 20 टोकन और बिक्री के 27 हजार रुपए बरामद किए गए। वहीं, आशा (20) के मकान से गांजे की 15 पुड़िया मिलीं। ज्योति नगर थाना क्षेत्र की कठपुतली नगर कच्ची बस्ती में कार्रवाई के दौरान कृष्णा राजन के मकान से करीब चार किलो गांजा, देशी शराब की 12 पेटियां और बिक्री के 1,200 रुपए बरामद किए गए। महेश नगर थाना क्षेत्र की बाबा रामदेव नगर कच्ची बस्ती में दबिश के दौरान संजू सांसी के पास से 80 ग्राम गांजा बरामद किया गया।

दिल्ली की युवती को जयपुर बुलाकर 80 लाख रु. ऐंठने वाला मेरठ से गिरफ्तार

- **मैट्रिमोनी ऐप के जरिए पहचान बढ़ाकर शादी का झांसा देने, दुष्कर्म करने और 80 लाख रुपए रुपए ठगने का मामला**

जयपुर (कासं)। मैट्रिमोनी ऐप के जरिए पहचान बढ़ाकर शादी का झांसा देने, दुष्कर्म करने और 80 लाख रुपए की ठगी के मामले में विधायकपुरी थाना पुलिस ने आरोपी को उत्तर प्रदेश के मेरठ से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने खुद को आयकर विभाग का निरीक्षक बताकर युवती का विश्वास जीता और दिल्ली से जयपुर बुलाकर उसके साथ कई होटलों में शारीरिक संबंध बनाए।

डीसीपी (दक्षिण) राजर्षिराज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सरस्वती सागर (27) उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के गंगानगर, भावनपुर का निवासी है। गत 3 सितंबर को नई दिल्ली के पालम विलेज थाने से शून्य नंबर की एफआईआर विधायकपुरी थाने में स्थानांतरित होकर आई थी। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि दिसंबर 2025 में शादी डॉट कॉम के माध्यम से उसकी आरोपी से जान-पहचान हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपी ने खुद को आयकर विभाग में निरीक्षक बताया और शादी का भरोसा दिलाकर उसे अपने विश्वास में ले लिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी पीडिता को दिल्ली से जयपुर बुलाकर यहां अलग-अलग होटलों में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके अलावा, दिल्ली में फ्लैट खरीदने, नौकरी से जुड़ी परेशानियां दूर कराने और रिश्वत देने सहित अलग-अलग बहाने बनाकर उससे कुल 80 लाख रुपए ले लिए। इस बीच पीडिता को आरोपी के किसी अन्य युवती के साथ संबंध होने की जानकारी मिली। इस पर विरोध जताने के बाद आरोपी ने अपने मोबाइल नंबर बंद कर लिए। जांच के दौरान उसकी पूरी प्रोफाइल फर्जी पाई गई। विधायकपुरी थाना प्रभारी महेश चंद ने बताया कि ठगी और धोखे का अहसास होने पर पीडिता ने पहले दिल्ली में मामला दर्ज कराया था। वहां से शून्य नंबर की एफआईआर जयपुर भेजी गई। इसके बाद कांस्टेबल भाग्यवर्धन सिंह और रवि कुमार की टीम को आरोपी की तलाश में मेरठ भेजा गया। पुलिस टीम ने आरोपी के घर पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। मामले में पुलिस की ओर से आगे की जांच की जा रही है।

महिला से सोने के कड़े ठगने वाली गैंग का सरगना पकड़ा

जयपुर । विद्याधर नगर थाना पुलिस ने गणेश पार्क के पास एक महिला से सोने के कड़े ठगने के मामले में अंतरराज्यीय गिरोह के कथित सरगना मोहम्मद आबिद को उत्तर प्रदेश के मेरठ से गिरफ्तार किया है। आरोपी किठौर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश और दिल्ली में चोरी, नकबजनी, आर्म्स एक्ट और ठगी के 15 से अधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस उपायुक्त करण शर्मा ने बताया कि एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह घर के बाहर गणेश पार्क के पास घूम रही थी। इस दौरान दो लोगों ने उसे रोककर पारिवारिक समस्याएं दूर करने का झांसा दिया और उसके हाथों से सोने के दो कड़े उतरवा लिए। इसके बाद दोनों आरोपी फरार हो गए। वहीं इस मामले की जांच के लिए थानाधिकारी सज्जन कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और आरोपियों के आने-जाने के रास्तों का पता लगाया। तकनीकी जांच में उनकी लोकेशन मेरठ में मिलने पर पुलिस टीम वहां पहुंची और मुख्य आरोपी मोहम्मद आबिद (38) निवासी किठौर जिला मेरठ को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने साथी आमीर उर्फ कल्लू के साथ वारदात करना स्वीकार किया है। पुलिस के अनुसार गिरोह के सदस्य अकेली महिलाओं को निशाना बनाते थे। वे पारिवारिक समस्याओं और दोष दूर करने का झांसा देकर महिलाओं का विश्वास जीतते और उनसे गहने उतरवा लेते थे। इसके बाद महिलाओं को आंखें बंद कर कुछ दूर चलने के लिए कहकर गहने लेकर फरार हो जाते थे।

लाइसेंस निलंबन आदेश की क्रियान्विति पर अंतरिम रोक

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर की मुहाना मंडी में कारोबार करने वाले व्यवसायी के लाइसेंस निलंबन करने के संबंध में गत 23 जुलाई को जारी आदेश की क्रियान्विति पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने एग्रीकल्चर मार्केटिंग विभाग के सचिव, निदेशक व संयुक्त निदेशक सहित अन्य पक्षकारों से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट की एकलपीठ ने यह आदेश मै. गणेश नारायण एंड संस फर्म की याचिका पर दिए। अधिवक्ता विकास सोमानी ने बताया कि प्रार्थी को 2022 में मुहाना टर्मिनल में व्यवसाय स्थल आवंटित किया था। इसके चार साल बाद 25 जून 2026 को उसे दो आरोप पत्र यह कहते हुए जारी किए कि वह आवंटित दुकान नंबर सी-192 से कारोबार नहीं कर रहा, बल्कि अन्य जगह से कर रहा है। उसने इसका जवाब विभाग को दे दिया और उसे व्यवसाय चलाने में आ रही आधारभूत सुविधाओं से जुडी परेशानी अफसरों को बताई।

पॉलिश की दुकान में नकबजनी करने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। माणकचौक थाना पुलिस ने जौहरी बाजार के गोपालजी का रास्ता स्थित रोडियम पॉलिश की दुकान में हुई नकबजनी का खुलासा करते हुए 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी मोहम्मद मोसिन उर्फ लूंगी और चोरी का माल खरीदने वाले कबाड़ी संजय महरचंदानी को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों की निशानदेही पर चोरी का माल बरामद करने के प्रयास कर रही है।

पुलिस उपायुक्त करण शर्मा ने बताया कि 20 जून को राजधानी रोडियम के संचालकों ने दुकान में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। दुकान शनिवार रात 9:30 बजे बंद की गई थी और रविवार को अवकाश था। सोमवार सुबह 10 बजे दुकान खोलने पहुंचे तो पीछे की खिड़की की जाली टूटी मिली। सीसीटीवी फुटेज की जांच में सामने आया कि रविवार शाम 5:20 से 5:37 बजे के बीच चोर दुकान में घुसे थे। आरोपी करीब 6 से 7 किलो चांदी का सामान और सोने की पॉलिश किए हुए लगभग 25 से 30 किलो तांबे के तार चोरी कर ले गए थे।

जिस पर थानाधिकारी राकेश ख्यालिया के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी विश्लेषण और मुखबिरों की सूचना के आधार पर मोहम्मद मोसिन उर्फ लूंगी (26) निवासी कटिहार बिहार हाल शास्त्री नगर जयपुर और उसका साथी संजय महरचंदानी (41), निवासी कंवर नगर सुभाष चौक जयपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि मोसिन नशे का आदी है और साथी अशरफ के साथ कचरा बीनने की आड़ में सूनी दुकानों व मकानों की रैकी करता था। बाजारों में रविवार को कम भीड़ का फायदा उठाकर वारदात करते और पकड़े जाने से बचने के लिए चोरी का सामान छोटे कबाड़ियों को बेच देते थे। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी पहले भी कई बार जेल जा चुके हैं।

पुलिसकर्मियों में सकारात्मक बदलाव के लिए प्रशिक्षण 15 से

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों के व्यवहार, कार्यशैली तथा नागरिकों के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से 15 से 17 अक्टूबर तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 'पॉजिटिव बिहेवियर इन पुलिसिंग' विषय पर होने वाला यह प्रशिक्षण जयपुर के सांगानेर स्थित आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी में आयोजित होगा। कार्यक्रम का आयोजन उदय पारीक एचआरडी रिसर्च फाउंडेशन की ओर से किया जा रहा है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा उद्घाटन सत्र में शामिल होंगे।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस प्रशिक्षण राघवेंद्र सुहासा ने बताया कि 15 अक्टूबर को सुबह 9:30 बजे प्रतिभागियों के पंजीकरण के साथ कार्यक्रम शुरू होगा। सुबह 10 बजे फाउंडेशन के चेयरमैन अपूर्व कुमार स्वागत उद्बोधन देंगे।

Savouring the Versatility of Mushrooms

National Mushroom Day, observed annually on October 15, shines a spotlight on one of nature's most versatile and nutritious foods. From earthy shiitakes to delicate button mushrooms, these fungi are celebrated for their rich flavours, culinary adaptability, and health benefits, including immune support and antioxidants. On this day, chefs, home cooks, and food enthusiasts explore creative ways to incorporate mushrooms into meals, from hearty soups and savoury sautés to gourmet dishes. Beyond the kitchen, National Mushroom Day also highlights sustainable farming and foraging practices, encouraging appreciation for this humble ingredient that adds both taste and nutrition to our plates.

#AGE

Aging Without Nagging

When wrinkles bloom and joints protest,
Don't teach the world, just give it rest.
Even if you're right (and you often are),
Unsolicited wisdom leaves a scar

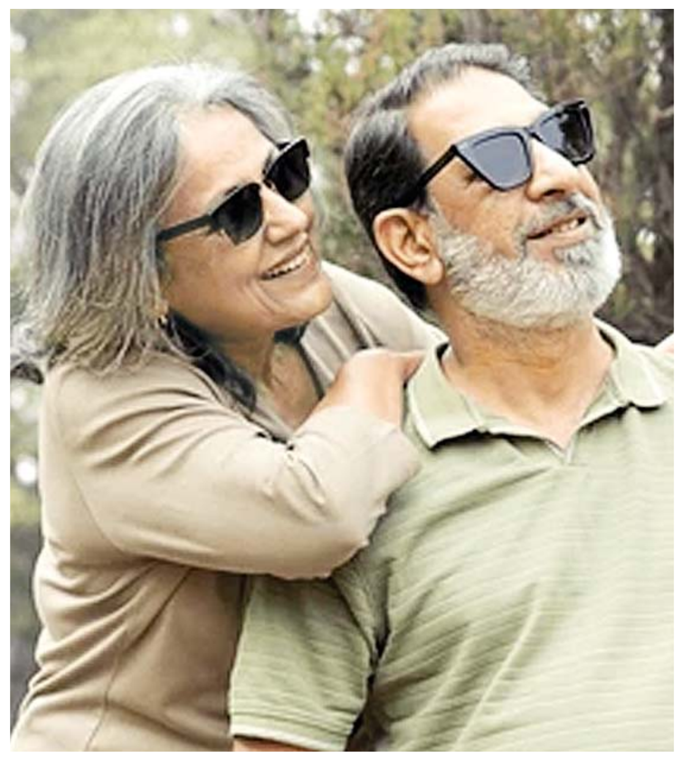

Found this lovely poem on linkedIn

When wrinkles bloom and joints protest,
Don't teach the world, just give it rest.
Even if you're right (and you often are),
Unsolicited wisdom leaves a scar.

Help only when someone pleads,
Don't plant advice like stubborn weeds.
Don't bubble-wrap your kin from pain,
Just love them deep, and not explain.

No moaning 'bout your knees or pills,
Or neighbours, netas, unpaid bills.
Don't turn bitter, don't be loud,
Grumpy elders aren't allowed!

Don't expect your kids to bow,
They love you, just not like wow.
Gratitude's not their daily bread,
It's us who dream it in our head.

Avoid the dreaded elder speech:
"In my time…" or "I did each…"
"I'm older, hence I know it all!"
That's not wisdom, it's just gall.

Don't waste your cash on youth's disguise,
On creams or potions full of lies.
Better to travel, dance, and roam,
Than Botox your way back to home.

Stay with the times, don't lag behind,
Learn new tech, expand your mind.
Read the news, decode the apps,
Don't be the one who always naps.

Do what you love, while you still can,
Be your own fan, your biggest stan.
No guilt-trips down memory lane,
You did your best, now don't complain.

Hold your pride, your grace, your name,
Don't play the martyr's aging game.
Keep giving love, your finest art,
That's the secret to a youthful heart.

The baraat has come

PART:1

Jaipur celebrates Teej, Gangaur, Makar Sankranti and the Lit Fest with great pomp. One more festival comes every year without fail, but it never makes it into the tourism brochure. This year, it has arrived on New Sanganer Road just before the festive season, with bulldozers, police and a lot of dust, right when the shopkeepers were dusting off their Diwali stock. As usual, the people paying for it are not the ones who invited.

Shailaza Singh
Published Author, Poet and a YouTuber

> A building with its face sliced off is a strange sight. One day, a shop has a shiny glass front with its name in golden letters. The next day, it has exposed bricks, dangling wires and a signboard lying on the ground like a fallen hero in the second half of a Sunny Deol film. The whole building looks like a man who went to the barber for a trim...

'Didi, sorry. Poora road band hai.' (Didi, sorry. The whole road is closed.)

'Kyon?'

'Bulldozer aaya hai.'

My maid said it the way people once announced 'baraat aa gayi hai.' Everything stops, the traffic goes mad, someone is dancing in the middle of the road and nobody gets home on time. The only difference is that this baraat comes on a JCB instead of a ghodi, and the groom is the Jaipur Development Authority.

She was an hour late the day it began. In my house, an hour late means last night's utensils in the sink, staring at me like a pet left behind at the kennel. It means morning chai made by the one person in the house who least wants to make it. I will not name her. She is writing this article.

With the main road shut, all of New Sanganer Road's traffic has squeezed into the lanes behind it. These gullies were built for one scooter, one cow and one sabziwala's thela, in that order of priority. Now, they carry buses, autos, tractors, cars, and, the other day, one gentleman on a bike with a full-size desert cooler tied to the back, as if he was migrating for the summer.

The cow does not move an inch. To her credit, she has seen many drives. Bulldozers come and go. Cows are permanent.

What the bulldozer came for

So, here are the boring facts before the fun begins.

On paper, New Sanganer Road is 100 feet wide. In real life, officials say that it has shrunk to 40 or 60 feet at many places. Patrika reported that at some spots, it is barely 8 feet. From 100 to 8! If this road would only share its diet plan, half the aunties in Jaipur would sign up tomorrow.

To be honest, I have lived near this road for years and never once thought of it as 100 feet wide. I always thought it was a road with shops on it. It turns out it was shops with a little bit of road in between.

Now, the JDA wants to widen it, from Sodala to Gurjar Ki Thadi, to about 160 feet. On directions from the Rajasthan High Court, the demolition drive is on. Notices have gone to around 250 structures.

Down are coming shop fronts, facades, extensions, tin sheds, ramps and staircases. In short, all the parts of buildings that quietly walked out onto the road over the years, one step at a time, like a husband slowly taking over the whole bed.

A building with its face sliced off is a strange sight. One day, a shop has a shiny glass front with its name in golden letters. The next day, it has exposed bricks, dangling wires and a signboard lying on the ground like a fallen hero in the second half of a Sunny Deol film. The whole building looks like a man who went to the barber for a trim and came back with half a moustache.

The staircases, I am told, are not resisting arrest.

Shubh Muhurat

The traders have one complaint above all others. Why now?

Navratri, Dussehra and Diwali are standing in a queue, one behind the other. This is the season a shopkeeper waits for all year, and then spends the rest of the year saying that it was not as good as last year. Every saree shop has ordered its stock. Every mithai shop has booked extra karigars. And right now, the JDA is taking their faces off.

Imagine Dhanteras. A customer walks in to buy a silver coin, and the shop has no front, no glass and no golden letters. Just bricks, wires and a shopkeeper smiling bravely. It

#ATIKRAMAN UTSAV

looks less like a jewellery showroom and more like a crime scene with a discount offer. This Diwali, the only thing on sale at fifty percent off is the building itself.

So, why now? Did someone at the JDA open the panchang and find that this was the *shubh muhurat* for breaking things?

The answer is much simpler, and much more Indian. The JDA had a compliance report due before the High Court.

The bulldozer arrived the day before it was due.

Yes. One day before.

The interesting bit is that the High Court had cleared the way for this widening months ago, back in the monsoon. Months with no festival, no customers and nothing on the road except rain and mosquitoes. The JDA used none of them. It waited, like every student in India, for the night before the exam.

I spent two years in an engineering college, so, I know this method well. The semester starts. Nobody opens a book. Then, the date sheet comes out and the whole hostel turns into a temple of learning overnight. Chai, Maggi, photocopies of somebody else's notes and a great deal of prayer.

The JDA, it turns out, is just a very large hostel. Its files sleep in a government almirah, under three other files and a dead lizard, and wake up only when someone in a black coat clears his throat.

If the JDA ever printed its own calendar, it would have only one day marked in red. The day before the hearing.

The traders had been checking the panchang. They should have been checking the cause list.

Diwali Safai, Sarkari Style

To be fair, the JDA is only doing what every Indian home does before Diwali. Safai.

In most Indian homes, Diwali safai begins with great ambition. Every cupboard will be emptied, every fan will be wiped, every old newspaper will go to the kabadiwala. By the third day, the ambition has shrunk to the drawing room, because that is where the guests will sit. Everything else is stuffed into the store room and the children are told never to open it till Holi.

The JDA is doing exactly the same. Around 250 notices went out. When the drive began, officials said the first round covered only about 15 structures on one kilometre near Gurjar Ki Thadi. It is like a teacher who announces a surprise test for the whole class and then checks the copies of the first bench only. The drawing room is being cleaned for the judge. The rest of the road is waiting in the store room.

And then, a miracle happened. Several traders started breaking their own extensions before the JDA arrived, so that the bulldozer would not damage their shops and their Diwali stock. Men with hammers, taking down their own staircases, on their own time, at their own cost, before the government deadline.

In all my years in Jaipur, I have never seen anyone finish government work voluntarily and on time. It took a bulldozer to make it happen. The JDA should give these traders an award. Or at least a job.

My maid, meanwhile, is now late for two kinds of safai. The JDA's, which she cannot help, and mine, which she will not let me forget.

> Every colony in Jaipur already has an aunty on a balcony. She knows who came home late, whose son failed in maths and which new car in the lane is actually on EMI. No CCTV camera can match her. She does not blink. She does not take bribes. Her battery backup is gossip, and it never runs out.

The MLA who argued with his own bulldozer

The star of the show is not the bulldozer. It is the Civil Lines MLA.

Gopal Sharma of the BJP, the party that rules Rajasthan, stood at the spot and questioned how his own government's development authority had done the demarcation. He said some residents had legal papers going back 40 years and that "major errors have been made in demarcations."

So, let me get this right. The bulldozer belongs to his government. The demarcation belongs to his government. And the objection also belongs to his government. In most places, this would be called a contradiction. In Jaipur, it is called a working day.

He has done this before, too. When the JDA ran a widening drive on Sirsi Road, the same MLA reached the spot, protested and got into a tussle with officials. Same MLA, same anger, new venue. Like a touring theatre company, the play stays the same. Only the city changes.

But then, he is not entirely wrong either. If people on this road really have papers going back 40 years, somebody in the government gave them those papers. And somebody in the government also watched the road shrink from 100 feet to 40 without saying a word. In Jaipur, the left hand demolishes what the right hand registered. Then, both hands go together to cut the ribbon.

The Rituals

Like every respectable Indian festival, Atikraman Utsav comes with fixed rituals.

First, the encroachment grows slowly, over years. A ramp. Then, a staircase on the ramp. Then, a tin shed over the staircase. Then, a room under the shed. Nobody notices. Not the inspector who passes by every day. Not the official who buys his kachori from the very shop that has crept onto the road. Kachoris are very persuasive.

Second, someone goes to court. The court gets angry, clears the action and then waits. For months.

Third, the hearing date comes close. Bulldozers, police, barricades, cameras, MLAs.

Fourth, a few facades fall. Nobody fences the cleared land and nobody watches it. Within months the ramp is back, the thela is back and the mannequin is back on the road, smiling as if she had only gone to her mother's house for a few days.

Fifth, repeat next year. Preferably, just before a festival.

Operation Aunty

I do have a solution, and it will not cost the JDA a single rupee.

Every colony in Jaipur already has an aunty on a balcony. She knows who came home late, whose son failed in maths and which new car in the lane is actually on EMI. No CCTV camera can match her. She does not blink. She does not take bribes. Her battery backup is gossip, and it never runs out.

Once the bulldozer clears a stretch, the JDA should simply appoint one aunty per hundred metres. Give her a chair on the balcony, a cup of chai and the JDA commissioner's personal WhatsApp number. The day a single brick appears on the cleared road, the commissioner's phone will ring. And ring. Then, the voice notes will start. Long ones. With background noise from a pressure cooker.

No encroachment will survive Operation Aunty. The commissioner may not survive it either.

The Twist

But this year, the festival has one surprise. Near the Gurjar Ki Thadi turn, the bulldozer slices through shop after shop like a hungry man going through a thali. Then, it stops. Sitting right on the road are small rooms, each just big enough for an idol. The bulldozer looks at them. It thinks for a moment. Then, it goes around. Very brave with shop fronts. Very polite with gods.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

#GARDENS

HOW PLANTS KNOW WHEN TO BLOOM?

This information could also help us design restoration strategies for plants that are struggling

An expert has answers for you about how plants know when to bloom. Last December was the warmest on record for Washington state, according to the Washington State Climate Office. As the mild winter continues, many of the plants in our gardens are starting to show signs of small buds, even though it's only February. Takato Imaizumi, a University of Washington professor of biology, studies the genes that plants use to monitor seasonal changes. Here, Imaizumi talks about how plants know when to bloom and whether this might change in warmer winters.

Q: How do plants know when it's time to bloom?

A: There are two major factors that plants use to sense the seasons: light, the presence or absence, the intensity, or the colour at a specific time of day, and temperature. To control flowering time, plants sense light conditions in the leaves and temperature at shoot tips, which are buds that contain cells that allow the plant to grow and make a flower.

All plants use both factors, but some plants rely more on temperature than light. Some examples include tulips, crocus, and cherry blossoms. Plants that rely more on light include mustard greens, cabbage, rapeseeds, and chrysanthemum, though temperature is still important for these plants.

Other environmental factors that can affect bloom time include water and the availability of nutrients.

Q: How do you think the warmer weather in December has affected the plants here in, say Washington?

A: Temperatures will affect plant growth and development. I assume that warmer ambient temperatures will accelerate the flowering process of some plants that use temperature information to control flowering time.

But warmer temperatures could possibly lead to delays for others. While many plants are "dormant" and not growing during the colder winter months, some plants require exposure to prolonged cold periods before they can bloom, a process called vernalization. If the winter isn't cold enough, these plants might not be able to initiate the flowering process.

Earlier flowering may be detrimental to plants if the weather gets cold again. That cold weather may kill them because they are no longer in their dormant phase. Also, plants that flower too early may misalign with their usual pollinators if the pollinators respond to different temperature cues.

Q: How does studying the genes involved in the timing of plant flowering help with conservation biology?

A: Proper timing of flowering is crucial for reproductive success and the health of a plant species. Understanding how the flowering genes are regulated will help us predict how future changes in climate may affect flowering times. That will give us a better sense of which plants may struggle.

This information could also help us design restoration strategies for plants that are struggling. For example, if we wanted to introduce a plant to a novel environment, we would have some ideas about what it would require to thrive. Plants are adapted to local environments. Even within the same species, a plant that lives farther north may require different light and temperature conditions to grow and flower compared to the same species growing farther south. When we think about transplanting plants for conservation, learning specific environmental requirements may increase the chance of transplant success.

THE WALL

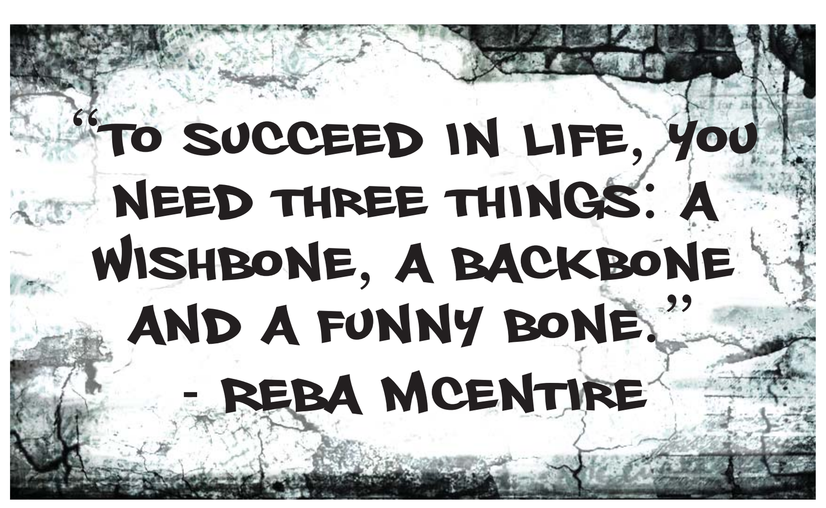

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

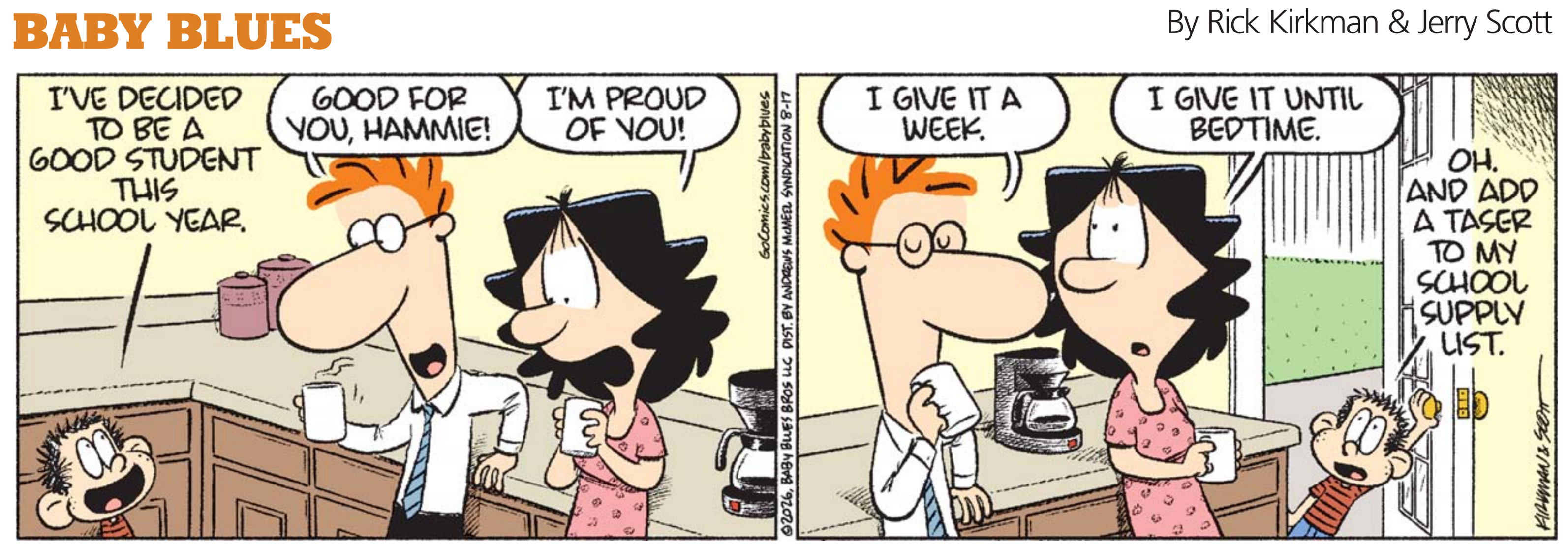

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

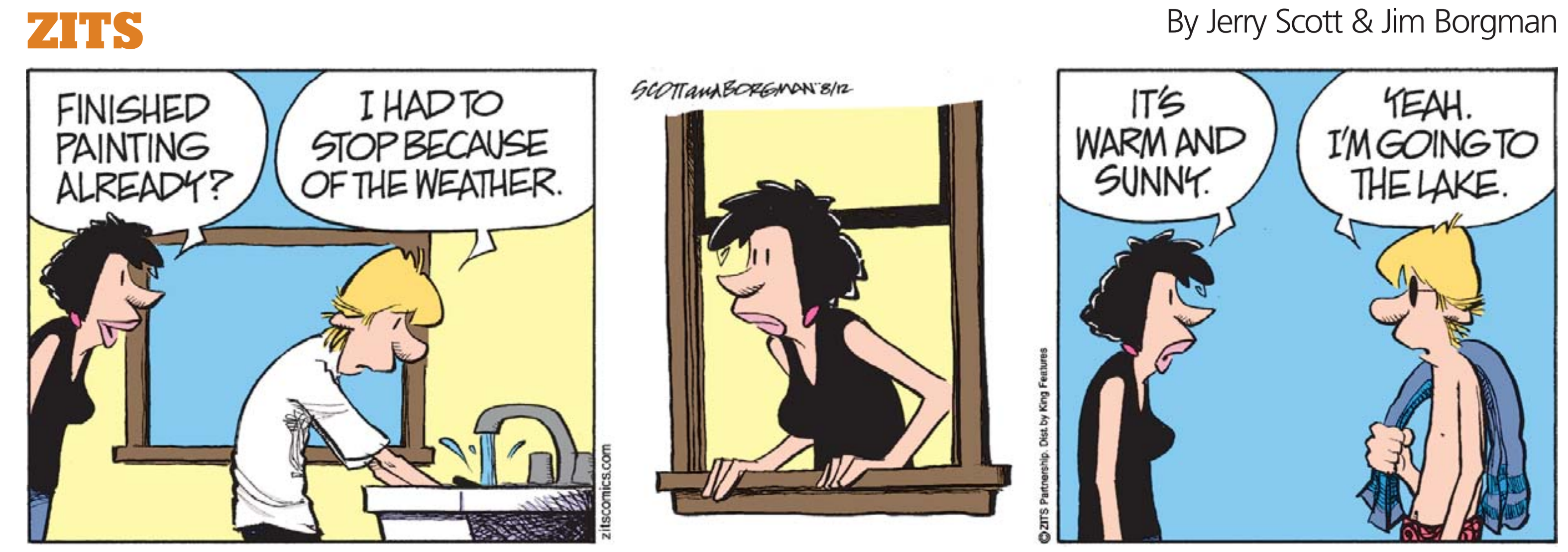

पंजाब ले जाया जा रहा 90 किलो डोडा-चूरा बरामद, दो तस्करों को गिरफ्तार किया

तलाशी के दौरान कार में अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद किया

कोटा में ग्रामीण इलाके की मंडाना पुलिस टीम ने आरोपियों को पकड़ा।

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके की मंडाना पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक कार से अवैध मादक पदार्थ 90.320 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है, टीम ने कार्रवाई करते हुए कार को जप्त किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये विशेष अभियान ऑपरेशन रूट क्लियरेंस चलाया जा रहा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मंडाना थाने के थानाधिकारी सुमेर सिंह मय जाप्ता इलाके में गश्त व चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध कार गोपालपुरा टोल प्लाजा के समीप घूम रही है। उक्त सूचना पर थानाधिकारी मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और मुखबिर द्वारा बताई गई कार को देखकर पुलिस टीम ने कार चालक को रोकना चाहा तो कार चालक द्वारा तेज गति से कार को भगाकर ले जाने लगा। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम को संदेह होने पर टीम ने कार का पीछा किया और फाटाखेड़ा पुलिया के नीचे कार को रूकवाकर कार में बैठे लोगों से पूछताछ की गई। कोई संतोषप्रद जबाव नहीं मिलने पर पुलिस टीम ने दोनों व्यक्तियों को डिटेन कर कार की तलाशी ली।

तलाशी के दौरान कार में अवैध मादक पदार्थ 90.320 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि जप्त मादक पदार्थ व वाहन की कीमत करीब 25 लाख है। पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थ बरामद होने पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए जिला मलेरकोटला पंजाब के झुंडा निवासी वीरेन्द्र सिंह डिंडसा (45) एवं जिला मलेरकोटला पंजाब के हरनामा कॉलोनी अमरगढ़ निवासी अमरिन्दर सिंह (42) को गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामले में सामने आया कि अवैध मादक पदार्थ मध्यप्रदेश के मंदसौर से ग्रामीण क्षेत्र होते हुए पंजाब ले जाया जा रहा था, पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के पेंशनर्स का चौदहवें दिन भी प्रदर्शन जारी

■ **प्रतिनिधि मंडल ने कुलगुरू से पेंशन एवं सेवानिवृत्ति संबंधी अन्य परिलाभों के भुगतान को लेकर चर्चा की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला**

जयपुर। पेंशन सोसाइटी के तत्वावधान में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के पेंशनर्स का चौदहवें दिन भी प्रदर्शन जारी रहा। जिसमें लगभग 170 से ज्यादा पेंशनर्स ने भाग लिया।

अध्यक्ष प्रोफेसर राम निवास शर्मा के नेतृत्व में सात सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने कुलगुरू से मुलाकात कर पेंशन एवं सेवानिवृत्ति संबंधी अन्य परिलाभों के भुगतान को लेकर चर्चा की लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। कुलगुरू ने स्पष्ट रूप से अपनी असमर्थता व्यक्त करते हुए कहा कि मैं केवल एक नवम्बर 2026 तक केवल एक महीने की ही पेंशन दे सकता हूँ। मैं सरकार से बात करके आया हूँ संभवत: कोई समाधान निकल आए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सरकार से कोई सहायता नहीं मिली तो विश्वविद्यालय तो वर्ष भर में केवल 50 करोड़ रूपये ही पेंशन के रूप में दे सकता है। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि पेंशन पाना हमारा वैधानिक अधिकार है और पेंशन का नियमित भुगतान करना आपका अर्थात् विश्वविद्यालय की वैधानिक ज़िम्मेदारी है। यदि आप अपने कर्तव्य का पालन नहीं कर सकते तो आपको इस कुलगुरू के पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

प्रोफेसर रामजीवन सेंगवा ने वार्ता के दौरान कुलगुरू को पेंशन भुगतान की समस्या के समाधान हेतु मार्ग सुझाते हुए कहा कि आप तुरन्त ही सिंडिकेट की स्पेशल मीटिंग बुलाये और सिंडिकेट में प्रस्ताव पारित करवा कर धनराशि हेतु सरकार से 500 करोड़ की धनराशि ऋण के रूप में माँगिये जिसका 50 करोड़ रूपया ब्याज के रूप में जायेगा। उसका एफ.डी. कराने पर विश्वविद्यालय को कुछ ब्याज भी मिल जाएगा और एक लंबे समय तक पेंशन भुगतान की समस्या से निजात भी मिल जाएगी।

इस पर कुलगुरू ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि मैं शीघ्र ही सिंडिकेट की विशेष बैठक बुलाता हूँ और इस दिशा में कार्रवाई करता हूँ। इस दौरान लगभग 150 से अधिक पेंशनर्स नियत स्थान पर नारेबाजी करते रहे। प्रतिनिधि मंडल में प्रोफेसर राम निवास शर्मा, प्रोफेसर सोहन दान चरण प्रोफेसर हुक्म सिंह गहलोत, प्रोफेसर प्रोफेसर राम जीवन सेंगवा, प्रोफेसर कैलाश नाथ व्यास, प्रोफेसर विनीता परिहार संयोजक अशोक व्यास राजेंद्र सिंह मेहता, राम दत्त हर्ष आदि सम्मिलित थे।

वार्ता की समाप्ति के पश्चात बाहर इंतजार कर रहे पेंशनर्स को प्रोफेसर राम निवास शर्मा ने कुलगुरू के साथ हुई वार्ता के विषय में जानकारी दी और यह स्पष्ट किया कि कुलगुरू महोदय का हमारी पेंशन सम्बन्धी समस्या के समाधान में कोई विशेष रूचि दिखलाई नहीं दी और न ही ऐसा लगा कि वे ईमानदारी से समस्या के समाधान में आगे भी कोइ रूचि लेंने वाले हैं। उन्होंने आगामी एक तारीख तक मात्र एक माह की पेंशन देने का आश्वासन दिया है जो कि कतई भी स्वीकार्य नहीं है अत: हम यह निर्णय लेते हैं कि हमारा प्रदर्शन निरंतर तब तक जारी रहेगा जब तक कि हमारी समस्त बकाया धन राशि का भुगतान नहीं हो जाता।

प्रदर्शन स्थल पर प्रोफेसर पवन कसेरा, प्रोफेसर के.एन. उपाध्याय, प्रोफेसर के. एन. व्यास, प्रोफेसर पूर्णिमा वर्मा, प्रोफेसर ऊषा तलवार, नसीम बानो, जेठू सिंह, तेजा राम, गोपाल चौहान, हरि सिंह, किशोर, राधे श्याम शर्मा, कांता शर्मा, उर्मिला आदि उपस्थित रहे।

अजमेर में कांग्रेसजनों ने सचिन पायलट की अगवानी की

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

अजमेर, (निसं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव, पंजाब के प्रभारी एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट का किशनगढ़ आगमन पर अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी एवं पीसीसी सदस्य महेंद्र सिंह रलावता के नेतृत्व में कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अगवानी की।

पायलट का बड़गांव टोल पर अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष गर्जेंद्र सिंह रलावता, नगर निगम अजमेर में पूर्व महापौर कमल बाकोलिया, पूर्व महासचिव शिवकुमार बंसल, अशोक बिंदल, आरिफ हुसैन, संपत कोठारी, योगेश जाटोलिया, शक्तिसिंह रलावता, शंकर गुर्जर, मुकेश सिंह राठौड़, मोइनुद्दीन खान, खानपुरा विशाल टाटीवाल, आजाद लखन, अभिषेक रावत, रामा रावत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन ने अगवानी की। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट भामाशाह कवर लाल पाटनी के निधन पर शोक व्यक्त करने किशनगढ़ आए।

एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत रेलमगरा पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 20.48 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद कर एक स्कूटी और दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

पुलिस के अनुसार भराई गांव के तिराहे पर स्कूटी सवार दो व्यक्तियों के पास से 20.48 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर दोनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से स्कूटी और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया है। मामले में आगे की जांच पुलिस थाना नाथद्वारा के थानाधिकारी पुलिस निरीक्षक मुकेश कुमार सोनी द्वारा की जा रही है। कन्हैयालाल पुत्र रमेश (18) निवासी साकरवास, थाना रेलमगरा, जिला राजसमंद व शाहरुख पुत्र जमालुद्दीन (22) निवासी मस्जिद की गली, रेलमगरा को गिरफ्तार किया गया।

मंडफिया : मेवाड़ के प्रसिद्ध सांवलिया सेठ के भंडार से चौथे चरण की गिनती से एक करोड़ 74 लाख 10 हजार रुपए की दान राशि प्राप्त हुई। मंदिर मंडल अध्यक्ष हजारी दास ने बताया कि अब तक चार चरणों में 23 करोड़ 14 लाख 22 हजार की दान राशि प्राप्त हुई। शेष दान राशि की गणना 15 अक्टूबर को पंचम चरण में की जाएगी। इस दौरान अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव, राहुल धाकड़, राजेंद्र सिंह, मंदिर मंडल सदस्य पवन तिवारी, मंदिर एवं संपदा प्रभारी भेरू गिरी गोस्वामी, स्टोर प्रभारी मनोहर लाल शर्मा, जितेंद्र त्रिपाठी, सुरक्षा प्रभारी बिहारी लाल गुर्जर, मिट्ठू दास वैष्णव,आदि बैंक एव मंदिर के कर्मचारी उपस्थित थे।

अलग-अलग हादसों में दो की मौत

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के बनाड़ और करवड़ थाना क्षेत्र में अलग-अलग हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि उपरला बास भावी बिलाड़ा निवासी तुलछाराम मेघवाल ने मर्ग में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसका 18 वर्षीय पुत्र नरेश बनाड़ रोड स्थित खोखरिया रेलवे ट्रेक से निकल रहा था। तब वहां आई एक ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कार्रवाई के उपरांत परिजन के सुपुर्द किया। वहीं करवड़ पुलिस के अनुसार दइकड़ा बनाड़ निवासी श्रवणराम ने रिपोर्ट दी कि उसके पिता पुराराम पुत्र लुंबाराम जाट 29 सितंबर को बोड़वी के पास में बाइक से गिर गए थे। जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा था, जहां उनकी मौत हो गई। करवड़ पुलिस ने मर्ग की कार्रवाई के बाद शव परिजन को सुपुर्द किया।

मसूदा में लाखों की लागत से बनाया नया रोडवेज बस स्टैंड उपेक्षा का शिकार

एक दशक पहले तैयार बस स्टैंड पर वर्तमान में रोडवेज बसों का संचालन नहीं हो रहा है

■ **टिकट बुकिंग प्रभारी की नियुक्ति नहीं होने के साथ पेयजल, बिजली और अन्य जरूरी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था भी नहीं है**

मसूदा, (निसं)। मसूदा में यात्रियों की सुविधा के लिए रामगढ़ चौराहे पर लाखों रुपये की लागत से बनाया गया नया रोडवेज बस स्टैंड लंबे समय से उपेक्षा का शिकार है। करीब एक दशक पहले तैयार किए गए इस बस स्टैंड पर वर्तमान में रोडवेज बसों का संचालन नहीं हो रहा है। बुनियादी सुविधाओं के अभाव और अव्यवस्थाओं के कारण इसका लाभ यात्रियों को नहीं मिल पा रहा है।

नए बस स्टैंड का उद्घाटन 28 मार्च 2015 को तत्कालीन मसूदा विधायक सुशील कंवर पलाड़ा ने राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के तत्कालीन मुख्य प्रबंधक नवीन तिवाड़ी, पूर्व प्रधान नारायण सिंह रावत और पूर्व सरपंच खुशनूर बानो की उपस्थिति में किया था। शुरुआती करीब दो वर्षों तक यहां नियमित रूप से दर्जनों रोडवेज बसों का संचालन हुआ। बाद में टिकट काउंटर और कर्मचारियों की व्यवस्था नहीं होने के कारण बसों का संचालन बंद हो गया।

गंदगी और अव्यवस्थाओं से घिरा परिसर :-वर्तमान में बस स्टैंड परिसर में गंदगी फैली हुई है। यहां आवारा पशुओं और निजी वाहनों का जमावड़ा रहता है। यात्रियों के बैठने के लिए लगाई गई लोहे की कुर्सियां गायब हो चुकी हैं। भवन और अन्य निर्माण भी क्षतिग्रस्त होने लगे हैं। टिकट बुकिंग प्रभारी की नियुक्ति नहीं होने के साथ पेयजल, बिजली और अन्य जरूरी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था भी नहीं है।

पूर्व में रोडवेज आगार प्रबंधन ने बस स्टैंड के सामने बनी दुकानों को संचालन में बाधा बताया था। प्रबंधन का तर्क था कि दुकानों के कारण सड़क से बस स्टैंड दिखाई नहीं देता और बसों की आवाजाही के दौरान दुर्घटना की आशंका रहती है। हालांकि, सवाल यह है कि यदि सुरक्षा संबंधी समस्या थी तो उद्घाटन के बाद करीब दो वर्षों तक बस स्टैंड का संचालन कैसे होता रहा?

नए बस स्टैंड पर बसें नहीं रुकने के कारण पुराने बस स्टैंड पर यातायात का दबाव बना रहता है। यहां दिनभर जाम लगने से आमजन को परेशानी होती है। नगर पालिका ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की थी, लेकिन कई स्थानों पर अतिक्रमण फिर से हो गए हैं। जाम के कारण कभी-कभी प्रशासनिक और आपातकालीन सेवाओं के वाहन भी फंस जाते हैं।

युवक ने शराब की बोतल तोड़कर एंबुलेंस के दो ड्राइवरों का गला काटा

घायलों में से एक ड्राइवर की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है

■ **युवक ने साथियों के साथ मिलकर पुरानी रंजिश और मामूली कहासुनी को लेकर हमला किया**

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के ज्योतिबा फुले सर्किल पर बुधवार सुबह एक युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर दो एंबुलेंस ड्राइवरों पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी ने पुरानी रंजिश और मामूली कहासुनी को लेकर शराब की बोतल फोड़कर दोनों ड्राइवरों के गले पर ताबड़तोड़ वार कर दिये, इससे दोनों लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े। वारदात के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से दोनों गंभीर घायलों को तत्काल अलवर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां ट्रॉमा सेंटर में उनका इलाज जारी है। घायलों में से एक ड्राइवर की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

घायल ड्राइवर उमाशंकर उर्फ पवन ने बताया कि मैं और साथी करण बुधवार सुबह ज्योतिबा फुले सर्किल पर बैठे हुए थे। इसी दौरान रोहित नाम का युवक अपने कुछ दोस्तों के साथ आया। गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इससे पहले कि दोनों कुछ समझ पाते, आरोपी रोहित ने शराब की बोतल फोड़ी और सीधे उमाशंकर के गले पर मार दी। बीच-बचाव करने आए करण के गले पर भी कांच से वार कर दिया। अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार, उमाशंकर के गले पर गहरा घाव लगने और अत्यधिक खून बहने के कारण स्थिति गंभीर बनी हुई है। करण का प्राथमिक उपचार कर उसकी निगरानी की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज कर मुख्य आरोपी रोहित और उसके साथियों के खिलाफ जानलेवा हमले का मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

पावटा, (निसं)। जयपुर-अलवर सड़क मार्ग पर कुहाड़ा मोड़ के नजदीक मंगलवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही विराटनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को विराटनगर के उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

एएसआई पप्पू सिंह ने बताया कि मंगलवार देर शाम कुहाड़ा मोड़ के पास सड़क हादसे में दो युवकों के घायल होने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए उप जिला चिकित्सालय भिजवाया। हालांकि, चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान बलराम मीणा निवासी कलसाड़ा, मालाखेड़ा तथा सोहनलाल मीणा निवासी सीलपुर, सीकर के रूप में हुई है। हादसे के बाद पुलिस ने दोनों के शव उप जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवा दिए।

भीलवाड़ा के रायपुर में मछुआरों से भरी पिकअप पलटी, एक दर्जन घायल

■ **हादसे में घायल हुए सभी लोग उत्तर प्रदेश और बिहार के निवासी हैं, जो भीलवाड़ा क्षेत्र में मछली पकड़ने का कार्य करते हैं**

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायपुर थाना क्षेत्र में थला के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। मछुआरों से भरी एक पिकअप गाड़ी अचानक ब्रेक फेल होने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई। इस भीषण हादसे में करीब एक दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची।

एंबुलेंस चालक विशाल सुवालका ने बताया कि तुरंत कार्रवाई करते हुए तीन 108 एंबुलेंस की मदद से 8 घायलों को भीलवाड़ा के महात्मा गांधी चिकित्सालय लाया गया, जहां उन्हें ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कर तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन के ब्रेक फेल हो जाने के कारण चालक उस पर नियंत्रण खो बैठा, जिसके परिणामस्वरूप यह हादसा हुआ। हादसे में घायल हुए सभी लोग उत्तर प्रदेश और बिहार के निवासी हैं, जो भीलवाड़ा क्षेत्र में मछली पकड़ने का कार्य करते हैं। हादसे में उत्तर प्रदेश के बदायूं के फैजल, पिया, शाहिद, अभिषेक सिंह, उत्तर प्रदेश के हरदोई के राजकुमार, बिहार मुजफ्फरपुर के नवीन, इंद्रदेव, संजीत, लक्ष्मण घायल हुए। फिलहाल सभी घायलों का महात्मा गांधी अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में उपचार जारी है और डॉक्टरों की टीम उनकी देखरेख कर रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

23 लाख के गहने चुराने वाले दो शातिर चोर गिरफ्त में

आरोपी वारदात के बाद घने जंगल में मचान बनाकर छिपे हुए थे

■ **दोनों पर हत्या, लूट और चोरी के 10 से ज्यादा प्रकरण दर्ज हैं**

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के नजदीक बालाडीट स्थित श्रीनाथ बंगलोज में 23 लाख रुपए के गहने और नकदी चोरी करने वाले दो शातिर बदमाशों को कोतवाली थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी गोपाल कृष्ण डामोर और दिनेश खराडी वारदात के बाद घने जंगल में मचान बनाकर छिपे हुए थे। पुलिस ने आधी रात को जंगल में दबिश देकर दोनों को पकड़ा। गिरफ्तारी के दौरान भागने की कोशिश में एक कॉन्स्टेबल गड्ढे में गिरकर घायल भी हो गया, जिसके सिर में दो टांके आए हैं।

पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों पर हत्या, चोरी, लूटपाट और चेन स्नेचिंग सहित 1० से ज्यादा मामले दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपियों ने श्रीनाथ बंगलोज की चोरी के अलावा आठ अन्य वारदातें भी कबूल की हैं। पुलिस ने चोरी के गहने बरामद कर लिए हैं और गैंग के अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। कोतवाली थानाधिकारी हिमांशु सिंह राजावत ने बताया कि 11 अक्टूबर की रात श्रीनाथ बंगलोज में लक्ष्मी प्रजापत के सूने मकान को निशाना बनाया गया था। आरोपी बाथरूम के रास्ते घर में घुसे। घर में ही घी का ऑमलेट बनाकर खाया और इसके बाद चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश 14 तोला सोने के गहनेए करीब आधा किलो चांदी के जेवर,11 हजार रुपए नकद और दो स्मार्टवॉच चोरी कर फरार हो गए थे। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। वारदात के खुलासे के लिए पुलिस ने घटनास्थल और आस-पास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। संदिग्धों की पहचान के बाद गोपाल डामोर और दिनेश खराडी की गैंग के सक्रिय होने की जानकारी मिली। पुलिस के अनुसार आरोपी अपने साथियों के साथ जंगल में छिपकर गतिविधियां संचालित कर रहे थे। पुलिस ने उनके ठिकाने का पता लगाया और गिरफ्तारी के लिए रणनीति तैयार की। करीब 48 घंटे की छानबीन के बाद पुलिस टीम आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही।

पुलिस को पता चला कि आरोपी गैंजी से आगे गलंदर के घने जंगल में छिपे हुए हैं। पुलिस से बचने के लिए उन्होंने पेडों के बीच मचान बना रखा था। दिन में पुलिस की हलचल दिखाई देने पर वे भाग जाते थे। ऐसे में पुलिस टीम रात करीब 11 बजे के बाद जंगल में पहुंची। उस समय दोनों आरोपी मचान पर छिपे हुए थे। पुलिस के आने की भनक लगते ही उन्होंने भागने की कोशिश की। पुलिस ने घेराबंदी कर पीछा किया और दोनों को पकड़ लिया। इस दौरान आरोपी पुलिसकर्मियों से छूटकर भागने का प्रयास करते रहे। इसी बीच कॉन्स्टेबल पुष्पेंद्र सिंह गड्ढे में गिर गए, जिससे उनके सिर में चोट आई। घायल कॉन्स्टेबल के सिर में दो टांके लगाने पड़े। इसके बावजूद पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तारी के बाद भी दोनों आरोपी पूछताछ में गुमराह करते रहे। सख्ती से पूछताछ करने पर उन्होंने श्रीनाथ बंगलोज में लक्ष्मी प्रजापत के सूने मकान से गहने, नकदी और अन्य सामान चोरी करने की वारदात कबूल की। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी के गहने बरामद किए। पुलिस अब अन्य वारदातों और गैंग के दूसरे सदस्यों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

यात्री को नौ लाख की विदेशी मुद्रा और पासपोर्ट का बैग लौटाया

अजमेर, (निसं)। अजमेर पुलिस की मुस्तैदी और ईमानदारी की मिसाल सामने आई है। सोफिया कॉलेज, जयपुर रोड के पास ऑटो में छूटा पश्चिम बंगाल निवासी सद्दाम आलम का बैग पुलिस ने सुरक्षित लौटाकर सराहनीय कार्य किया। बैग में भारतीय मुद्रा के अनुसार 9 लाख रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा (दीनार), पासपोर्ट, महत्वपूर्ण दस्तावेज और एटीएम कार्ड रखे हुए थे। जानकारी के अनुसार, सद्दाम आलम का बैग ऑटो में छूट गया था। कुछ समय बाद एक राहगीर को यह बैग मिला। राहगीर ने ईमानदारी दिखाते हुए बैग सिविल लाइंस थाने में ड्यूटी पर तैनात ड्यूटी अधिकारी कालूराम को सौंप दिया। थाना प्रभारी शंभू सिंह शेखावत ने बताया कि बैग मिलने के बाद ड्यूटी अधिकारी ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए उसमें रखे दस्तावेजों और एटीएम कार्ड के आधार पर बैग के मालिक की पहचान करने के प्रयास शुरू किए।

संक्षिप्त

किशनगढ़ बास में रामलीला मंचन

किशनगढ़ बास। कला मंच समिति द्वारा आयोजित श्री रामलीला मंचन में मंगलवार रात्रि को राम-केवट संवाद और भरत मिलाप की मार्मिक लीला का मंचन किया गया। भगवन सांची कहो ना विचारी हैं क्या भजन पर केवट प्रसंग ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया।मीडिया प्रभारी नवीन जैन ने बताया कि लीला में भगवान राम की निषादराज से भेंट, केवट द्वारा चरण धोने की शर्त रखना, इस डर से कि कहीं उनकी नाव भी अहिल्या की तरह नारी न बन जाए, राम द्वारा केवट की शर्त मानना और गंगा पार करना दर्शाया गया। इसके बाद दशरथ द्वारा श्रवण कथा और श्राप का वृतांत सुनाकर प्राण त्यागना, भरत का अपनी माता कैकयी को कोसना, भाई राम को मनाने चित्रकूट जाना और वहां से राम की खड़ाऊं लाकर अयोध्या के सिंहासन पर विराजमान करने की लीला दिखाई गई। इस दौरान व्यास पीठ की जिम्मेदारी चंद्रप्रकाश शर्मा ने निभाई। राम की भूमिका पीयूष शर्मा, लक्ष्मण मोहित यादव, सीता हर्षित अग्रवाल, केवट नवीन जैन, भरत धीरज सोनी, शत्रुघ्न हर्ष शर्मा, सुमंत्र राकेश तिवारी, वसिष्ठ गजेंद्र यादव, निषाद दीपक सैन, दशरथ महेंद्र चौहान और कैकयी की भूमिका धीरज अग्रवाल ने निभाई।

मनोहरपुर में विश्व मानक दिवस मनाया

मनोहरपुर। आंधी के कांग्रेसी नेता नदीम पठान ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 14 अक्टूबर को विश्व भर में विश्व मानक दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को मानकों के महत्व के प्रति जागरूक करना और अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण के योगदान को पहचान देना है। यह दिवस 1946 में अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन की स्थापना की स्मृति में मनाया जाता है। मानक हमारे दैनिक जीवन को सुरक्षित, सुगम और गुणवत्तापूर्ण बनाते हैं – चाहे वह बिजली के उपकरण हों, खाद्य पदार्थ हों या निर्माण सामग्री। भारत में मानकीकरण का दायित्व भारतीय मानक ब्यूरो निभाता है। गुणवत्ता प्रमाणन, मार्क और मानक निर्धारण के माध्यम से उपभोक्ताओं को सुरक्षित व गुणवत्तायुक्त उत्पाद उपलब्ध कराता है। इस अवसर पर आंधी में जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की गई। स्कूली छात्रों को, मार्क और मानक उत्पादों की पहचान के बारे में जानकारी दी गई।

छात्रावास निर्माण के लिए 3 लाख 21 हजार रूपए का सहयोग

चौमूं / कालाडेरा। शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है जो किसी भी समाज को उन्नित के शिखर पर ले जा सकता है। इसी मूलमंत्र को चरितार्थ करते हुए चौमूं सब्जी मंडी के यादव समाज के आढ़तियों ने सामाजिक सरोकार निभाते हुए एक अनुकरणीय पहल की है। यादव समाज द्वारा चौमूं तहसील में बन रहे निर्माणाधीन यादव छात्रावास के लिए मंडी के आढ़तियों ने एकजुट होकर लाखों रुपये की आर्थिक सहायता राशि भेंट की है। सामूहिक बैठक में लिया गया इस ऐतिहासिक सहयोग के लिए महासभा के वरिष्ठ जिला अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश खातोदिया, बंशीधर मंडल, छात्रावास निर्माण समिति अध्यक्ष बालू राम घी वाले ने आढ़तियों का आभार व्यक्त किया। सामाजिक प्रतिनिधियों ने कहा कि शिक्षा के प्रति ऐसा समर्पण दिखाना बेहद प्रशंसनीय और अनुकरणीय है।

अवैध परिवहन मामले में 5 ट्रेक्टर-ट्रौली जब्त

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे अवैध बजरी खनन व परिवहन के विरूद्ध विशेष अभियान में घाड थानाधिकारी हरिराम वर्मा के नेतृत्व में गठित थाना पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए दौराने गश्त धुवांकलां-घाड रोड से अवैध बजरी खनन कर परिवहन करते पाये जाने पर एक ट्रेक्टर मय ट्रोली को जप्त किया जाकर उसके चालक किमतराज मीणा पुत्र सोहन मीणा निवासी डाटुन्दा उम्र 31 साल को गिरफ्तार किया गया।

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

सवाई माधोपुर में लाइटिंग, सफाई एवं सड़कों के सुधार पर विशेष जोर

कलैक्टर ने कचरा संग्रहण सुधारने व्र विकास कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए

जिला कलक्टर काना राम ने नगरीय निकाय एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली।

- नगरीय क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देश जारी

सवाई माधोपुर। त्यौहार के मौसम में सवाई माधोपुर शहर में प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई और गली-सड़कों की मरम्मत कार्य कर सार्वजनिक स्थलों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। जिला मुख्यालय और अन्य नगरीय क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए जिला कलक्टर काना राम ने अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। कलक्टर की अध्यक्षता में बुधवार को नगरीय निकाय एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक में शहर की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने तथा विभिन्न विकास कार्यों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिला कलक्टर ने दीपावली से पूर्व पूरे शहर में बेहतर स्ट्रीट लाइट व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खण्डार बाईपास एवं रणथंभौर रोड सहित प्रमुख मार्गों एवं आसपास के क्षेत्रों में प्रकाश व्यवस्था सुधारने तथा दिन के समय अनावश्यक रूप से जलने वाली स्ट्रीट लाइट बंद रखने के निर्देश नगर परिषद आयुक्त दलीप पूनिया को दिए। नगर परिषद को शहर में नियमित एवं प्रभावी सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने, आवश्यकता के अनुसार दो पारियों में सफाई करवाने तथा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कहा। कॉलोनियों एवं सार्वजनिक स्थानों पर कचरा जमा होने वाले स्थलों की पहचान कर वहां से कचरा हटाने तथा स्वच्छता व्यवस्था की नियमित निगरानी करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में शहर की सड़कों की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को क्षितग्रस्त सड़कों पर आवश्यक मरम्मत एवं पेचवर्क करवाने तथा लंबित सड़क निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर विस्तार से चर्चा हुई। शहर में संचालित विकास परियोजनाओं की कार्ययोजना तैयार कर आवश्यक स्वीकृतियां एवं तकनीकी प्रक्रियाएं समय पर पूरी करने पर भी जोर दिया गया। कलक्टर ने शहर के प्रमुख सर्किलों, उद्यानों एवं सार्वजनिक स्थलों की प्रकाश व्यवस्था और सौंदर्यीकरण कार्य दीपावली से पूर्व पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही दशहरा एवं रावण दहन कार्यक्रम के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए नगर परिषद, पुलिस एवं संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने को कहा।

बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि दीपावली के मद्देनजर नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए शहर की स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, सड़क सुधार एवं सौंदर्यीकरण से संबंधित कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण करें, ताकि आमजन को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहित कासनिया, एसडीएम शिवराज मीना, नगर परिषद आयुक्त दलीप पूनिया, सीओ सिटी राजेन्द्र मीना सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कोटपूतली में भव्य सुंदरकांड पाठ कल

कोटपूतली। सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार और गौ-सेवा के पावन संकल्प को लेकर बुधवार को गौ-सेवार्थ सुंदरकाण्ड समिति की बैठक का आयोजन किया गया। समिति के संयोजक जितेन्द्र जोशी के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शारदीय नवरात्रि के पावन उपलक्ष्य में आगामी 16 अक्टूबर शुक्रवार को दोपहर 04 बजे से प्रभु इच्छा तक भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जायेगा।

पावटा रामलीला में सीता हरण का मंचन

पावटा। आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्वावधान में रामलीला मैदान में चल रही रामलीला के ग्यारहवें दिन सीता हरण का मंचन हुआ। इसमें शूर्पणखा के अपमान, खर-दूषण वध और रावण द्वारा सीता के अपहरण का प्रसंग दिखाया गया। शूर्पणखा की भूमिका मुकेश सोनी, ख्याली टांक, महेश पारीक, खर की भूमिका नरेंद्र गौड, दूषण की राजू पटेल तथा त्रिशिरा की भूमिका दीपक भारद्वाज ने निभाई।

रावण की भूमिका विकास पुजारी, मारीच की रामशरण बोहरा और रावण के साधु वेश की भूमिका महेश पारीक, सुग्रीव की दीपक भारद्वाज, बाली की विकास पुजारी, तारा मुकेश सोनी ने निभाई। राम की भूमिका लक्की भारद्वाज, लक्ष्मण की शुभम मिश्रा तथा सीता की भूमिका तनुज जोशी ने निभाई। वही व्यास पीठ पर बैठे व्यास योगेश शर्मा द्वारा श्री रामचरितमानस की चौपाइयों का सस्वर गायन और वाचन किया गया, जिससे मंच पर चल रहे दृश्यों, संवादों और प्रसंगों की कथा आगे बढ़ी।

भरतपुर एवं बयाना के 7 राशन डीलरें के लाइसेंस निरस्त

- निरीक्षण में 51.277 क्विंटल गेहूं की कमी मिलने पर कार्रवाई
- राशन वितरण व्यवस्था सुचारू रखने के लिए वैकल्पिक इंतजाम

भरतपुर। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थियों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराने तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला रसद विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। भरतपुर शहर एवं बयाना क्षेत्र के 7 उचित मूल्य दुकानदारों के प्राधिकार पत्र (लाइसेंस) तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं। साथ ही, संबंधित डीलरों की विभागीय खाते में जमा प्रतिभूति राशि भी राजहित में जब्त कर ली गई है।

औचक निरीक्षण में 51.277 क्विंटल गेहूं की कमी मिली:- जिला रसद अधिकारी कुशाल बिलाला ने बताया कि प्रवर्तन अधिकारी द्वारा किए गए औचक निरीक्षण के दौरान शहर के वार्ड संख्या 01 स्थित बजरंग नगर के उचित मूल्य दुकानदार सूरजभान सिंह की दुकान पर भौतिक सत्यापन किया गया। निरीक्षण में दुकान पर 51.277 क्विंटल गेहूं की गंभीर कमी पाई गई। सार्वजनिक वितरण प्रणाली जैसी आवश्यक जनसेवा में गंभीर अनियमितता एवं प्राधिकार पत्र की शर्तों का उल्लंघन पाए जाने पर विभाग ने संबंधित डीलर का लाइसेंस निरस्त कर उसकी प्रतिभूति राशि जब्त करने की कार्रवाई की।

उन्होंने बताया कि विभागीय कार्रवाई के तहत भरतपुर शहर एवं बयाना क्षेत्र के छह अन्य उचित मूल्य दुकानदारों के लाइसेंस भी निरस्त किए गए हैं।

जो धर्म की रक्षा करते हैं, उनका सुखद होता है अन्त : सुन्दर सागर

निवाई। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में नवरात्रि के उपलक्ष्य में आचार्य सुन्दर सागर महाराज संघ के सानिध्य में पंच परमेष्ठि विधान का आयोजन किया गया, जिसमें सेंकड़ों श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। चातुर्मास कमेटी के मीडिया प्रभारी सुनील भाणजा व विमल जौंला ने बताया कि पंच परमेष्ठि विधान का शुभारंभ सुशील कुमार, नीरा जैन, नेमीचंद, संजय कुमार सिरस, विष्णु कुमार, ममता बोहरा एवं हुकमचंद, पारसमल जैन ने भगवान शांतिनाथ जी के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। विधान की शुरुआत इन्द्र सत्यनारायण, गिर्राज प्रसाद एवं महेश कुमार मोठूका व भागचंद, पंकज कुमार जैन ने विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ भगवान शांतिनाथ जी के शांतिधारा करके किया। विधान में आचार्य निमंत्रण के साथ पांच मंगल कलशों की स्थापना हुई। जिसमें सामग्री पुण्यार्जक विमल कुमार, नीशु जैन झिलाय, सचिन बहड़, हुकमचंद, पारसमल जैन, भागचंद सारसोप ने अष्ट द्रव्यों से भगवान की पूजा अर्चना करते हुए मण्डप पर 60 श्रीफल समर्पित किए। जिसमें सुशील कुमार, नीरा जैन, नेमीचंद, संजय कुमार सिरस, विष्णु बोहरा, महेश मोठूका, नवरत्न टोंग्या, शंभु कठमाणा, राजेन्द्र बगड़ी, अशोक काला व अमित जैन सहित कई श्रद्धालुओं ने विधान में पूजा अर्चना करते हुए भक्ति नृत्य किया।

आचार्य सुन्दर सागर महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जो व्यक्ति धर्म व संस्कृति की रक्षा करने में अपना जीवन समर्पित करते है, उनका अन्त सुखद होता है। उसे भविष्य में पश्चाताप नहीं करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि मंदिर में दस दिवसीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें कंठस्थ कला केन्द्र के निशांत एण्ड पार्टी दिल्ली द्वारा राम दरबार के दर्शन करवाएं जाएंगे।

टोंक कलैक्टर ने नहरों की साफ-सफाई को लेकर निर्देश दिए

- उन्होंने ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को जल संसाधन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर इस कार्य को सुचारु रुप से करने के निर्देश दिए

टोंक। जिला कलेक्टर टीना डाबी ने जिले के छोटे-बड़े बांधों से जुड़ी नहरों की साफ-सफाई व मरम्मत कार्य को लेकर आवश्यक निर्देश दिए है। उन्होंने बांध व क्षेत्र वाइज निरीक्षण को लेकर अधिकारियों के ड्यूटी आदेश जारी किए, ताकि इस कार्य को समय पर पूरा किया जा सकें। उन्होंने वीसी में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को जल संसाधन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर इस कार्य को सुचारु रुप से करने के निर्देश दिए है। निरीक्षण के लिए 37 जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को नियुक्त किया है। उन्होंने निर्देश दिए है कि निरीक्षण के दौरान नहरों की साफ-सफाई के पूर्व व बाद के फोटोग्राफ लिए जाएं, ताकि वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सकें। कलेक्टर ने बुधवार को बीसलपुर प्रोजेक्ट की दांयी मुख्य केनाल की बमोर सब ब्रांच का निरीक्षण किया तथा जल संसाधन विभाग एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को नहरों की साफ-सफाई के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर के निर्देश पर अन्य प्रशासनिक अधिकारियो ने भी अपने-अपने आंवटित क्षेत्र में नहरों की स्थिति एवं साफ-सफाई का जायजा लिया।

खोया पाया

प्लॉट B 164 शालिग्रामपुरा JDA जयपुर के ओरिजनल अलॉटमेंट, रिजर्वेशन लेटर जो सुनीता शेखावत के नाम है गुम हो गए है। मिलने पर सूचित करें9414770749

मेरे प्लाट संख्या 13, 75 वर्गगज सुदर्शन रॉयल सिटी चंदलाई, जयपुर के मूल पट्टा, साईट प्लान, रसीद आदि जो बाबा आर.एन. गौड सहकारी समिति लि. द्वारा जारी किये गये कही गुम हो गये है मिलने पर सूचित करें- रोहित शर्मा 9145878181

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर की आवासीय योजना - साईट एण्ड सर्विस, मालवीय नगर, जयपुर के प्लॉट नम्बर 49/1 का मूल आवंटन पत्र, मूल जेडीए पट्टा, व मूल विक्रय पत्र दिनांक 18.09.2003 कही गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें। - महेन्द्र मोबाईल नम्बर 9636335905

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-खुली निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (कैरिज व वैगन) उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति महोदय की ओर से नीचे दिये गये कार्य के लिए दी गई तिथि को 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कोई भी मैन्युयल टेण्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा और अगर कोई मैन्युयल टेण्डर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। 1. ई-निविदा संख्या: EL-CHG-JP-01R-2026-27। 2. कार्य का नाम व स्थान: JP div-Maintenance of Non-AC coaches for the period of two years over jp division. 3. अनुमानित लागत: ₹27592602.56/- (दो करोड़ पिचेत्तर लाख ब्यानमे हजार छः सौ दो रुपये छप्पन पैसे मात्र)। 4. बयाना राशी: ₹288000.00 (दो लाख अठयासी हजार रुपये मात्र)। 5. ई-निविदा की अंतिम दिनांक और समय: 02.11.2026 समय 15:00 बजे। 6. ई-निविदा खोलने की दिनांक और समय: 02.11.2026 समय 15:30 बजे। उक्त ई-निविदा के सम्बध में विस्तृत जानकारी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर तथा मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर पश्चिम रेलवे-जयपुर के निविदा नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध हैं। 1466-MG/26

हमें /NWRailways /NWRailways_ पर फॉलो करे

सम्मन बनाम कायम मुकाम

(आर्डर 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)

अज अदालत अपर सिविल न्यायाधीश क्रम-4 मुकाम जयपुर महानगर द्वितीय

भारत नकवाल बनाम नगर निगम व अन्य

दाबा बाबत....

मुकद्दमा नं. 469/15 सन्...

बनाम- (1) मंजू (2) ममता (3) ललीता (4) बब्लू वारिसान मोहनलाल वल्द... कौम... साकिन प्लाट नं. 78 बी हरि नगर आईरिस कॉलेज के पास, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर

चूंकि.... ने इस अदालत में तारीख... माह... सन् 20... को 1........ बनाम 2...... दायर की जो कि बाद में फोत हो गया और चूंकि..... मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी... मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 3....... बनाये जावें।

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही 1..... आपको तारीख 17 माह 11 सन् 26 10.00 ए.एम. को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकद्दमा आपकी गैर हाजिरी में सुना व फैसला किया जावेगा।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 7 माह 10 सन् 26 को जारी किया गया।

दस्तखत

मोहर अदालत अपर सिविल न्यायाधीश क्रम-4 जयपुर महानगर द्वितीय

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)

व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4 न्यायालय अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश महोदय लक्ष्मणगढ़ जिला-सीकर

लाड कंवर विरुद्ध लक्ष्मणदान आदि

आवेदन आदेश 9 नियम 13 सी. पी. सी. व धारा 151 सी. पी. सी.

प्रकरण सं0:- 02 सन् 2024

बनाम

1. इन्द्रदान पुत्र जगन्नाथ दान निवासी भड़कासली तहसील धोद जिला-सीकर राज.
2. भंवरसिंह पुत्र मोहन कंवर निवासी मुण्डिया रामसर तहसील व जिला जयपुर राज.
3. मदनसिंह पुत्र मोहन कंवर निवासी कालवाड़ रोड करधनी जयपुर राज.
4. भवानीशंकर पुत्र मोहन कंवर निवासी अम्बावाड़ी जयपुर राज.
5. राम कंवर पुत्री मोहन कंवर पत्नि सहदेवसिंह निवासी संतोषपुरा तहसील धोद जिला-सीकर राज. हाल निवास सुशांत सिटी कालवाड़ रोड जयपुर राज.
6. सत्यनारायण पुत्र पाबूदान निवासी मनासिया तहसील लक्ष्मणगढ़ जिला-सीकर राज.
7. तहसीलदार लक्ष्मणगढ़ जिला-सीकर राज.

उक्त प्रार्थीया ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि आवेदन आदेश 9 नियम 13 सी. पी. सी. सपठित धारा 151 सी. पी. सी.

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 14 माह 10 सन् 2026 को 10:00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रुप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसक निपटारा एक पक्षीय रुप से किया जाएगा।

यह आज ता. 29 माह 09 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

आज्ञा से-

मोहर अदालत अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश लक्ष्मणगढ जिला सीकर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि प्रस्तावित आवासीय प्रोजेक्ट यूफोरिया खसरा संख्या 318/302,325/303,312/307, 317/302,323/298,321/297,322/298 &310/307, ग्राम-पावास,तहसील,जयपुर-जिला,जयपुर,राजस्थान,जिसका कुल भूखंड क्षेत्र 6135.00 वर्ग मीटर तथा निर्मित क्षेत्र 52,631.59 वर्ग मीटर है, पर भवन निर्माण की पर्यावरण स्वीकृति राज्य पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) से पत्र संख्या RJ/26/SEAC2(06)/INFRA2/EC/1249 दिनांक 03/10/2026 को प्रदान कर दी गई है,सहमती प्रपत्र की प्रति पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) के पास उपलब्ध है।

क्रियांश बिल्डर्स एंड डेवलपर्स एलएलपी

आम सूचना-खोया पाया

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत-जयपुरा, पंचायत समिति-सांगानेर, जिला-जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या-67,68 एवं 71 श्रीमती मायना देवी को, तथा 69 रामचन्द्र शर्मा को, ग्राम- खो-रेबारियान का जारी आबादी भूमि का पट्टा विलेख/आबंटन पत्र, मय रसीदें मानसरोवर, जयपुर-20 से कहीं खो गए है। उक्त दस्तावेजात जिस किसी को प्राप्त हों, वह उनका दुरूपयोग नहीं करें तथा उनकी वर्तमान मालिक श्रीमती कल्याणी देवी, पत्नी-श्री आशाराम मीना, निवासीनी-20/184, कावेरी पथ, मानसरोवर, जयपुर-20. को लौटा देवें।

मुख्तारआम-आशाराम मीना, मो-9468963855

क्रमांक: एफ-6() उपा राज.-द्वितीय (रा.प्र.)/ननिज/2026/904 **नगर निगम जयपुर** सार्वजनिक विज्ञप्ति दिनांक 13.10.2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में नाहरी का नाका (पूर्व), जयपुर में स्थित भूखण्ड संख्या 588, नाहरी का नाका (पूर्व) जयपुर का आवंटन पत्र श्रीमती बनाव पत्नी श्री पन्ने खां के नाम से जारी किया गया था। अब उक्त भूखण्ड संख्या 588, नाहरी का नाका (पूर्व), नया जालूपुरा, जयपुर क्षेत्रफल 104.52 वर्गमीटर का लीज होल्ड पट्टा विभिन्न पंजीकृत / अपंजीकृत श्रृंखलाबद्ध एवं शपथ पत्र आदि दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का लीज होल्ड पट्टा श्री नवाब अली पुत्र श्री निजाम खान निवासी 599, हाऊसिंग बोर्ड, न्यू जालूपुरा, जयपुर दूरभाष नं. 7976077396 द्वारा चाहा गया है। अतः उक्त भूखण्ड संख्या 588, नाहरी का नाका (पूर्व), नया जालूपुरा, जयपुर क्षेत्रफल 104.52 वर्गमीटर भूखण्ड की पत्रावली का पुनर्गठन एवं लीज होल्ड पट्टा श्री नवाब अली पुत्र श्री निजाम खान निवासी 599, हाऊसिंग बोर्ड, न्यू जालूपुरा, जयपुर के पक्ष में किये जाने बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी अथवा अन्य हितसम्बद्ध व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय: उपायुक्त, राजस्व द्वितीय, कक्ष सं. 227 प्रथम तल, नगर निगम जयपुर मुख्यालय, लाल कोठी जयपुर में प्रस्तुत करें अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार उक्त भूखण्ड की पत्रावली का पुनर्गठन एवं लीज होल्ड पट्टा जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व-द्वितीय) नगर निगम, जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

डी.आर.एम./ बिजली, उ.प.रे. जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के वास्ते एवं मंडल की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आंमत्रित करते है। 1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाईट का पता: http://www.ireps.gov.in, 2. ई-निविदाएं प्रस्तुत करने की तिथि व समय: 04.11.2026 को 15.00 बजे तक, 3. ई-निविदाएं खोलने की तिथि व समय: 04.11.2026 को 15.00 बजे के बाद, निविदा संख्या: 16R/2026-27, कार्य का विवरण: Electrical work in connection with construction of new staff quarters of Type-II (PMY- 11nos., LUNI-05nos.=Total 16 nos), Type -III (PMY-01 nos, LUNI-01nos = Total 02 nos) under ADEN/LINE Jodhpur Division, अनुमानित लागत रूपये: Rs. 3676072.78, निविदा संख्या: 24R/2026-27, कार्य का विवरण: (i) Electrical Work in c/w Provision of centralised monitoring control building with arrangements for unified NMS of Kavach, EI networking, centralised exchange-VOIP an DIP-MPLS, NMS, RDPMS, CCTV etc in Jodhpur DRM Office. (ii) Electrical Work in c/w strengthening / provision of telecom store with office facilities for SSE/ JE Telecom at 11 locations and TCM duty room at 23 locations over JU Division. (iii) Electrical Work in c/w provision of signal store with other facilities for SSE/JE signal at 28 locations and ESM duty room at 19 locations over JU Division., अनुमानित लागत रूपये: Rs14408582.90. विस्तृत जानकारी हेतु कृपया http://www.ireps.gov.in पर विजिट करें। 1470-PS/26

हमें /NWRailways /NWRailways_ पर फॉलो करें

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज), चौमूँ जयपुर

राधाबाग कॉलोनी सीकर रोड चौमूँ

PH. NO. 01423-220047 FAX NO. 01423-223873

Email:- KUMS.CHOMUFV@rajasthan.gov.in

क्रमांक : 971-79 दिनांकः । 3-10-2026

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस मण्डी समिति में कार्यालय उपयोग हेतु संलग्न शिड्यूल ऑफ रेट्स में वर्णित टैबलेट, इन्वेटर, लैब चेयर्स, लैब कम्प्यूटर टेबल, प्रोजेक्टर स्कीन, स्पीकर व माईक एवं लेजर प्रिन्टर आदि सामग्री सप्लाई हेतु इच्छुक जी.एस.टी. पंजीकृत फर्मो से दिनांक 22.10.2026 को प्रातः 11:00 बजे तक निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न शिड्यूल ऑफ रेटस में दरें अंकित करते हुए बन्द लिफाफें मे निविदायें आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाओं को उसी दिन दोपहर 2.00 बजे उपस्थित निविदाताओं (यदि कोई उपस्थित हों या ना हो) के समक्ष खोला जायेगा। निविदा स्वीकार / अस्वीकार करने का अधिकार मण्डी समिति के पास सुरक्षित रहेगा। निविदा से संबंधित समस्त जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में कार्यालय में उपस्थित हो कर या विभागीय वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in पर अवलोकन की जा सकती है।

सचिव

कृषि उपज मंडी समिति (अनाज), चौमूं जयपुर

NARCOTICS CONTROL BUREAU

WANTED

दिनेश कुमार पुत्र चैनाराम

कद : 5 फीट 9 इंच

आयु : 40 वर्ष

निवासी : ग्राम-विष्णु नगर, डूंगर, डाकघर-सुराणी, थाना-बालेसर, तहसील-शेरगढ़, जिला-जोधपुर

एनसीबी अपराध संख्या : 01/2020 में फरार अभियुक्त

गिरफ्तारी में सहायक सूचना देने वाले किसी भी व्यक्ति को ₹50,000/- तक का इनाम

सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गुप्त रखी जाएगी।

संपर्क करें : उप-निरीक्षक : श्री पंकज शर्मा, संपर्क नंबर : 8368954327

स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (NCB), जयपुर आंचलिक इकाई

ई-मेल : zdjpzu-ncb@nic.in फोन नंबर : 0141.2990001

CBC 19126/11/0076/2627

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से उप. मुख्य बिजली इन्जीनियर (निर्माण) उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के अधीन निम्नलिखित कार्यो के लिये दी गई तिथि को 15.00 बजे तक ई- निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** Tender No. EL/C/JP/EPC/CUR/PSI/T01/2026-27, बीकानेर डिवीज़न के चुरू-सादुलपुर और भिवानी-दोभ बहाली सेक्शन में SPs और SSPs के साथ 132/55KV TSS (स्कॉट कनेक्टेड ट्रांसफॉर्मर) और SCADA का डिज़ाइन, सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग और कमीशनिंग, **कार्य की अनुमानित लागत:** Rs. 1625252465.00, **बयाना राशि जो जमा करनी है:** Rs. 32505100.00, **कार्य पूर्ण होने की तिथि:** 12 Months, **बोली-पूर्व सम्मेलन की तारीख और स्थान:** 21.10.2026 at 11.00(AM) at Dy. Chief Electrical Engineer/Construction-1) Rail Nirman Bhawan, Jagatpura, Jaipur-302017, **निविदा प्रपत्र जमा कराने की तारीख व समय:** 13.11.2026 Upto 15-00 Hrs., **निविदा प्रपत्र खुलने की तारीख व समय:** 20.11.2026 at 15.00 Hrs., **उपरोक्त ई-निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये वैबसाइट का पता:** www.ireps.gov.in 1474-PS/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

नाम परिवर्तन

मेरे पासपोर्ट नम्बर L7999707 में गलती से मेरा नाम MOHAMMED RASHID KHAN एवं पिताजी का नाम BANDU KHAN दर्ज हो गया। जबकि सही नाम RASHID KHAN एवं BUNDU KHAN है। भविष्य में मुझे RASHID KHAN पुत्र BUNDU KHAN के नाम से जाना जावे। निवासी-135, रघुनाथपुरी, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर, राज-302012

मेरे पासपोर्ट नम्बर B5787186 में गलती से मेरा नाम MOHEMMED MUSTAQ CHHIMPA एवं पिताजी का MOHEMMED RAFIQ CHHIMPA दर्ज हो गया। सही नाम MOHAMMED MUSHTAQ CHHIPA एवं MOHAMMED RAFIQ CHHIPA है। भविष्य में मुझे MOHAMMED MUSHTAQ CHHIPA पुत्र MOHAMMED RAFIQ CHHIPA नाम से जाना जावे। निवासी-132, रघुनाथपुरी, ईशात ई मस्जिद, झोटवाडा, जयपुर, राज-302012

मै मेरा नाम मीना नेहा कुमारी दिनेशचंद से बदलकर मीना नेहाकुमारी पत्नी श्री चंद्रप्रकाश, निवासी फ्लैट नं. 503, आस्था प्राइम, 52, गोल्यावास, मानसरोवर एक्सटेंशन, जयपुर रख रही हूँ। भविष्य में मुझे मेरे उक्त नये नाम से ही जाना पहचाना जावे।

I, hitherto known as Ekta D/O Ramesh Yadav, Resident of Mundanwara Kalan Mundawar, khairthal, Tijara Rajasthan), have changed my name and shall hereafter be known as Ekta Yadav It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

I Vikash Khadria, R/o Flat No. 2, Building No. D-2, L.I.C Flats, Sector No. 2, Vidyadhar Nagar, Jaipur, Rajasthan have changed my son's name from Veeven Agarwal to Viven Agarwwal for all future purposes. In future, my son should be known by his new name.

I Manju khanna declare that my name is recorded in Rajasthan government service record as Manju sood khanna.I declare that Manju sood khanna and Manju khanna are same, myself.In future,my name shall be used and written as Manju khanna, as it appears on my Aadhaar card

I Ilayaschi legally wedded spouse of army no 2644107Y Ex GYD SEPOY Late Hyder khan resident of vpo Hanuman dhora teh sujangarh district that i want to change name of my dependent from MUNTAJ to MUMTAJ BANO vide affidavit dated 13 oct 26 before sub divisional magistrate sujangarh

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 62/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि प्रार्थी श्री मंयक अडतानी पुत्र श्री भगवानदास निवासी शिवालय के पास आनंद नगर कॉलोनी वार्ड 19 खैरथल ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत एन्जल एकेडमी हनुमान मंदिर रोड खैरथल तहसील किशगढ बास जिला-खैरथल तिजारा राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 13.10.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 22.12.26

मोहर अदालत सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 107/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि प्रार्थी श्री नरेन्द्र कुमार यादव पुत्र श्री ओमप्रकाश निवासी जखराना जिला अलवर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत सचेत शिक्षण संस्थान ढाई का मोड, पूर बीबीरानी तहसील कोट कासिम जिला-खैरथल-तिजारा राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 13.10.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 22.12.26

मोहर अदालत सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, अजमेर संभाग, अजमेर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

कार्यालय : राजस्थान लोक सेवा आयोग के सामने, कांकरदा भूणाभाय, जयपुर रोड, अजमेर

मुकदमा नम्बर 5612/2026

चूंकि श्री मोहित अगरवाल सचिव ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम, 1959 की धारा 17 के अन्तर्गत आदर्श इण्डियन पब्लिक स्कूल शिक्षा समिति देवली जिला टोंक के पंजियन हेतु प्रन्यास के संबंध में जाँच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतः एवं धारा 18 की उप धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास, जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियाँ, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियाँ प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित नीति से निर्णित किया जावेगा तथा जाँच प्रपत्र मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। गया।

आज दिनांक 9/10/26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मोहर के अधीन जारी किया

आगामी तारीख पेशी : 14/12/26

(गिरीश कुमार बचानी) सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, अजमेर

मोहर अदालत

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 750/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्रीमती मिश्री देवी पत्नी श्री ओमप्रकाश निवासी ठेकड़ा, तहसील महवा, जिला दौसा ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत कल्ली देवी ग्रामीण उत्थान सेवा संस्थान कार्यालय पता-ठेकड़ा, तहसील महवा, जिला दौसा के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 7.10.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 14.12.26

मोहर अदालत सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 751/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री दिनेश चन्द मीना निवासी महवा, तहसील महवा, जिला दौसा ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास मंगल सामाजिक एवं शैक्षणिक विकास समिति, महवा, तहसील महवा, जिला दौसा ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 8.10.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 15.12.26

मोहर अदालत सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

नामांकन की अंतिम तिथि कल

कोटपूतली। जिला निर्वाचन अधिकारी अपर्णा गुप्ता ने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव के तहत कलेक्ट्रेट परिसर कोटपूतली में जिला परिषद की सभी 27 सीटों पर सदस्य पद हेतु अभ्यर्थी 16 अक्टूबर तक प्रातः 11 बजे से 3 बजे तक (सार्वजनिक अवकाश को छोडकर) नामांकन कर सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले की समस्त पंचायत समितियों (कोटपूतली, पावटा, विराटनगर, बानसूर, नारायणपुर, मेड-कुंडला, बहरोड़, नीमराना) के अंतर्गत जिला परिषद सदस्य पद की सभी 27 सीटों पर नामांकन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 16 अक्टूबर निर्धारित है। इच्छुक अभ्यर्थी द्वितीय एवं तृतीय चरण के निर्वाचन को लेकर किसी प्रकार की असमंजस की स्थिति में न रहें तथा निर्धारित समय-सीमा में अपना नामांकन पत्र अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। 16 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे के बाद नामांकन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नामांकन की प्रक्रिया को राज्य निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप पूर्ण कराया जावे।

चौमूं व गोविन्दगढ़ के विभिन्न वार्डों में प्रत्याशियों के चुनाव कार्यालयों का शुभारंभ

चौमूं / कालाडेरा । भारतीय जनता पार्टी चौमूं द्वारा बुधवार को जिला परिषद एवं पंचायत समिति वार्डों के प्रत्याशियों के चुनाव कार्यालयों का विधिवत एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा तथा चुनाव प्रभारी महेंद्र यादव सहित अनेक स्थानीय जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने पंचायत समिति चौमूं के वार्ड 16 से प्रत्याशी प्रकाश हाटवाल, जिला परिषद वार्ड 4 से प्रत्याशी लक्ष्मण कुमार शर्मा, वार्ड 5 से प्रत्याशी मोती देवी (धर्मपत्नी रामकरण शेरावत), वार्ड 1 से प्रत्याशी किरण देवी (धर्मपत्नी राजेंद्र देवंदा), वार्ड 7 से प्रत्याशी जयप्रकाश चौधरी तथा वार्ड 6 से प्रत्याशी संतोष देवी के चुनाव कार्यालयों का फीता काटकर उद्घाटन किया ।

विधायक रामलाल शर्मा ने चौमूं व गोविन्दगढ़ क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में प्रत्याशियों के चुनाव कार्यालयों का विधिवत शुभारंभ किया।

रामलाल शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार नगर निकाय चुनावों में आमजन ने भाजपा पर विश्वास जताया था, ठीक उसी प्रकार इस बार भी पंचायत समिति चौमूं और गोविंदगढ़ में भाजपा प्रत्याशियों की जीत की सुनामी आएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सर्वसम्मति से टिकटों का वितरण किया है, जिससे संगठन में पूरी तरह एकजुटता और उत्साह का माहौल है। कार्यकर्ता पूरी मेहनत और समर्पण के साथ पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों को भारी बहुमत से विजयी बनाने में जुटे हैं। कांग्रेस पर साधा निशाना: "कांग्रेस के पास प्रत्याशी तक नहीं" कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए रामलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस अपनी नाकामी छुपाने के लिए केवल "वोट चोरी" का झूठा आलाप गा रही है।

> ■ 'निकाय चुनावों की तरह पंचायत समिति व जिला परिषद में भी भाजपा की जीत की सुनामी आएगी'

कार्यक्रम के दौरान चुनाव प्रभारी महेन्द्र यादव ने भी कार्यकर्ताओं और आमजन को संबोधित करते हुए भाजपा के सभी प्रत्याशियों को रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाने की अपील की। इस अवसर पर कालाडेरा मण्डल अध्यक्ष लालचंद यादव, गोविन्दगढ मण्डल अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह, बांसा मण्डल अध्यक्ष शंकर लाल गागोरिया, प्रधान रामस्वरूप यादव, उप प्रधान कमला चौधरी, उप सभापति बाबूलाल सैनी, कालाडेरा चेयरमैन उर्मिला कुमावत, दिनेश गोरा, श्रीराम शर्मा, रामगोपाल मीणा, अर्चना कुमावत, गौरीशंकर नेतड, अर्जुन लाल यादव, अ्नाथूराम जाट, अशोक शर्मा, जितेन्द्र बुनकर, भगवान कुमावत, जगदीश यादव, रमेश कुमावत, महेश शेरावत, अशोक गोरा, गजेन्द्र यादव, आलोक जांगिड़, बाबूलाल यादव, मातादीन अग्रवाल, अमित सैनी, नरोत्तम शर्मा, जमन सैनी, घासीराम सैनी, कन्हैया लाल मीणा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के ग्रामीण एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निवाई में पंचायतराज के चुनाव को लेकर कांग्रेस के वार्ड पर्यवेक्षक नियुक्त

निवाई। पंचायत राज के चुनाव को लेकर पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा निर्देशानुसार शहर अध्यक्ष सतीश कुमार शर्मा ने पंचायत समिति सदस्य चुनाव 2026 पर्यवेक्षक नियुक्त किए है। उन्होंने बताया कि वार्ड नम्बर 1 में दुर्गालाल सैनी, रामअवतार मीणा व इरसाद, 2 में बनवारीलाल गंगवाल, गुलाब मीणा व पांचूराम बैरवा, 3 में सुमेरसिंह, सीताराम कटारा व शैतान मीणा, 4 में सतीशकुमार शर्मा, अजय मधुकर व रामू गुर्जर, 5 में तनीषा सैनी, राजेशदास स्वामी व भंवरलाल शर्मा, 6 में पप्पूलाल मीणा, छीतरमल गंगवाल व रमेशचन्द शर्मा जयसिंहपुरा, 7 में राजेश पारीक, रामभजन गुर्जर व सीताराम नारेडा, 8 में विजय शर्मा, रामअवतार सैनी व गंगाधर मीणा, 9 में प्रदीप पारीक, आरिफ कुरेशी व बद्री फागणा, 10 में महेन्द्र मेठवानी, गौरव अग्रवाल व बनवारी दहलोद, 11 में महावीरप्रसाद पराणा, राजूलाल माली व किशन मीणा, 12 में कन्हैयालाल संगत, चन्द्रपाल मीणा व प्रभु चौधरी, 13 में अजहर कुरेशी, रमेश जांगिड़ व अनिल टेलर, 14 में दयाराम चौधरी, रामअवतार व गंगाधर गुर्जर, 15 में हंसराज मीणा, अंकित पारीक व बसराम गुर्जर, 16 में नसीर अहमद, 21 में पवन सांवलिया, शाहरूख खान व केदार धाबाई, 22 में सीताराम मीणा, कमल जैन व श्रीराम मीणा बरथल, 23 में रामप्रसाद परिडवाल, विनोद वर्मा व रामेश्वर गुर्जर, 24 में बाबूलाल माछलपुरिया, विकास बोकण व बाबूलाल मीणा, 25 में विक्रम गुर्जर, कैलाश मीणा व कजोड़ गुर्जर हरभांवता, 26 में देवालाल गुर्जर झिलाय, महेश नकवाल व राधेश्याम जाट बहड़, 27 में निर्भयराम मीणा, मुबारक मणिहार व आशीष मीणा, 28 में रघुनन्दन बैरवा, कमलेश सैनी व हनुमान चौधरी दहलोद व वार्ड नम्बर 29 में हरपाल कसाणा, प्रहलाद सैनी व केसरलाल जाबडोलिया को नियुक्त किया है।

पावटा में पार्षद कांसोटिया ने पट्टे जारी करने सहित कई मांगें उठाईं

पावटा। पावटा प्रागपुरा नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा की साधारण सभा की बैठक में वार्ड संख्या 22 के पार्षद रिंकू कांसोटिया ने वार्ड की वर्षों पुरानी समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए पालिका अध्यक्ष मीना सैनी को मांग पत्र सौंपा।

उन्होंने श्याम कॉलोनी और भरतदास कॉलोनी के निवासियों को पट्टे जारी करने सहित सड़क निर्माण, सफाई व्यवस्था, कचरा संग्रहण वाहनों की संख्या बढ़ाने और रोड लाइटों को सुचारू करने की मांग रखी। पार्षद रिंकू कांसोटिया ने बताया कि श्याम कॉलोनी और भरतदास कॉलोनी पिछले 50-55 वर्षों से आबाद हैं, लेकिन यहां के निवासियों को आज तक पट्टों का लाभ नहीं मिल पाया है।

श्याम कॉलोनी और भरतदास कॉलोनी के निवासियों को पट्टों जारी करने का मांग पत्र पालिका अध्यक्ष को सौंपा ।

इस समस्या को लेकर कई बार उपखंड अधिकारी (एसडीएम) और नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) को अवगत करवाया जा चुका है, इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने पालिका अध्यक्ष से मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने और पात्र परिवारों को पट्टे दिलाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की मांग की। इसके साथ ही पार्षद ने नवोदय कट से नगरपालिका तक सड़क निर्माण की आवश्यकता उठाई। उन्होंने पूरे वार्ड में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने, वार्ड का क्षेत्रफल अधिक होने के कारण कचरा संग्रहण वाहनों की संख्या बढ़ाने तथा बंद पड़ी रोड लाइटों को दुरुस्त करवाकर नियमित रूप से चालू रखने की मांग की।

पार्षद ने कहा कि वार्डवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना प्राथमिकता होनी चाहिए। वर्षों से लंबित पट्टों की समस्या का समाधान करने के साथ सड़क, सफाई और प्रकाश व्यवस्था में सुधार किया जाना आवश्यक है, ताकि आमजन को राहत मिल सके। उन्होंने पालिका प्रशासन से सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करवाने की मांग की।

सार-समाचार

निवाई में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए बाल मेला आयोजित

निवाई । पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शहर के बाल वाटिका एवं आंगनवाड़ी के पूर्व प्राथमिक शिक्षा के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं प्रोत्साहन हेतु बाल मेला का आयोजन किया गया। मेले की शुरुआत में नन्हे-मुन्ने बच्चों के उत्साह व कलरव से पूरा विद्यालय प्रांगण गुंजायमान हो उठा। मेले का शुभारंभ प्रधानाचार्य राजेश गुर्जर, देवेंद्रपाल सिंह, सुरेश गुर्जर, हजारीलाल बैरवा व प्रधानाचार्य गिरिराज प्रसाद गुर्जर ने फीता काटकर किया। मेला प्रभारी सुमन विजयवर्गीय ने बताया कि मेले में नन्हे विद्यार्थियों के लिए विविध प्रकार के आयोजन किए गए। जिसमें बच्चों द्वारा सजाई गई मनोरंजक खेलकूद एवं स्वादिष्ट व्यंजनों की स्टॉल्स आकर्षण का मुख्य केंद्र रहीं। मेले में बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों ने अपनी तोतली बोली व आत्मविश्वास के साथ कविता पाठ किया। मेले के समापन सत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही बच्चों की शिक्षा व विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने वाले अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार ने इस सफल आयोजन के लिए सभी शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। बाल मेले में शहर के सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व विभिन्न विद्यालयों के मेंटर टीचर मौजूद थे।

सांभर में नवरात्र पर कार्यक्रम आयोजित

सांभरझील। यहां प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की तरफ से नौ देवियों की जीवंत झांकियों का नवरात्रि के अवसर पर विशेष आयोजन रखा गया। संस्था की बहनों द्वारा धारण किये गए नौ देवियों के चैतन्य स्वरूप को देखने के लिए काफी तादाद में श्रद्धालु देर तक जुटे रहे। इस दौरान वातावरण भक्तिमय हो उठा, एक ही ध्यानस्थ मुद्रा में स्थिर बैठी बहनों की एकाग्रता में मां के विभिन्न स्वरूपों को देख लोग भाव विभोर हो गए। ध्यान और योग के महत्व को जीवंत झांकियां के माध्यम से लोगों ने समझा। इस अवसर पर आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। प्रदर्शनी के माध्यम से संस्था के वरिष्ठ वक्ताओं व विशेषज्ञों ने आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनावमुक्त रहने, पारिवारिक जीवन में सौहार्द बनाए रखने और आंतरिक शांति प्राप्त करने के व्यावहारिक गुर बताए। प्रदर्शनी में दर्शाए गए राजयोग और नैतिक मूल्यों के सिद्धांतों ने युवाओं और बुजुर्गों दोनों को गहराई से प्रभावित किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी आगंतुकों को महाप्रसाद एवं सकारात्मक जीवनशैली पर आधारित ज्ञान साहित्य भेंट किया गया।

कर्मचारी सुंक्त महासंघ ने कर्मचारियों के बकाया भुगतानों को लेकर ज्ञापन दिया

टोंक। राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने राज्य कर्मचारियों के समर्पित उपार्जित अवकाश के बकाया भुगतान तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के समस्त वैधानिक लाभों के त्वरित निस्तारण की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस संबंध में महासंघ के जिलाध्यक्ष जसवंत सिंह नरूका एवं जिला मंत्री चौथमल चन्देल के नेतृत्व में जिला कलेक्टर टोंक के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया है कि कर्मचारियों को प्रतिवर्ष नियमानुसार समर्पित उपार्जित, अवकाश का नगदीकरण अप्रैल माह के वेतन के साथ देय होता है, लेकिन वित्तीय वर्ष के 6 माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी इसका भुगतान नहीं किया गया है। इसके अलावा, सेवानिवृत्त कार्मिकों को जीपीएफ, राज्य बीमा, पेंशन कम्यूटेशन, पीएल नगदीकरण और ग्रेच्युटी के भुगतान में 8 से 10 माह की देरी हो रही है, जिससे बुजुर्ग कार्मिकों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। महासंघ ने आगामी दीपावली पर्व को देखते हुए सरकार से तीन दिन के भीतर सभी बकाया भुगतानों का निस्तारण करने का अनुरोध किया है। समाधान न होने की स्थिति में संगठन ने चरणबद्ध आन्दोलन की चेतावनी दी

शातिर मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार, चोरी की चार बाइक बरामद

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशन में टोंक शहर में आये दिन हो रही मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं पर कार्यवाही करते हुए थानाधिकारी भंवरलाल वैष्णव के नेतृत्व में गठित टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस की जानकारी के अनुसार मामला गत 7 अक्टूम्बर को परिवादी शब्बीर पुत्र सलाउद्दीन की मोटरसाईकिल जो जनाना अस्पताल टोंक की पार्किंग में खड़ी कर अस्पताल में चला गया और करीब एक घंटे बाद लौटने पर मोटरसाइकिल उसके गायब मिली। जिसके बाद उसने अज्ञात चोर के खिलाफ कोतवाली थाने में प्रकरण दर्ज कराया। घटना को गमभीरता से लेते हुए कोतवाली थानाधिकारी ने टीम गठित कर कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए टीम ने अस्पताल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज और अन्य संसाधनो से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी जसवंत पुत्र भंवरलाल कोली उम्र 32 साल निवासी कोली मोहल्ला देवगांव थाना केकड़ी जिला अजमेर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की चार मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी भीड़भाड़ वाली जगहों पर पहले रेकी कर जैसे ही कोई व्यक्ति अपनी बाइक खड़ी कर अंदर जाता या कुछ दूर चला जाता, आरोपी उस पर नजर रखता था। इसके बाद मास्टर चाबी से लॉक खोलकर या तोड़कर मोटरसाइकिल चोरी कर ले जाता था।

मनोहरपुर में पुलिस का पैदल मार्च

मनोहरपुर । आगामी त्योहारों के मद्देनजर कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के उद्देश्य से मनोहरपुर में पुलिस की ओर से पैदल मार्च निकाला गया। मार्च के दौरान पुलिसकर्मियों ने प्रमुख मार्गों एवं बाजार क्षेत्रों में पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।मुख्य बस स्टैंड से लेकर प्रमुख मार्ग सेय्यद बाबा मार्किट, गाँधी चौक बाजार बंगाली मोहल्ला कुमावत मोहल्ला पैदल मार्ग निकाला गया। पुलिस की इस पहल का उद्देश्य अपराधियों में कानून का भय बनाए रखना, असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखना तथा आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। पैदल मार्च के जरिए पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया कि क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। त्योहारों के दौरान बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर भीड़भाड़ को देखते हुए पुलिस की सक्रियता महत्वपूर्ण है। पैदल मार्च के माध्यम से पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई। साथ ही आमजन से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सकारात्मक संदेश गया।

सैन मंदिर विकास समिति के चुनाव संपन्न

कोटपूतली। क्षेत्र में समाज हित और धार्मिक कार्यों को गति देने के उद्देश्य से श्री सैन मंदिर विकास प्रबंधक एवं समाज उत्थान रजि. समिति के चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुये। बैठक में समाज के प्रबुद्धजनों ने एकजुटता का परिचय देते हुए भामाशाह उदमीराम सैन को सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुना। परगना प्रधान रामकिशन सैन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। श्री नारायणी सेना के प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश सैन ने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व समिति का कार्यकाल पूर्ण होने पर नई टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसमें अध्यक्ष उदमीराम सैन, सचिव राकेश खड़ब, कोषाध्यक्ष हवलदार बनवारी लाल सैन को चुना गया हैं। समाज के वरिष्ठ नागरिकों व युवाओं ने नवनियुक्त अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई और उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। नवनियुक्त अध्यक्ष उदमीराम सैन ने कहा कि समाज ने जिस अटूट विष्वास के साथ मुझे यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है, मैं उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करूँगा।

फुलेरा में पंचायत चुनावों को लेकर भाजपा की संगठनात्मक बैठक

फुलेरा। पूर्व विधायक आवास, फैक्ट्री एरिया फुलेरा में बुधवार को आगामी जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनावों के संदर्भ में भाजपा कार्यकर्ताओं की संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक पूर्व विधायक निर्मल कुमावत के सानिध्य एवं जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर की अध्यक्षता में हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर एवं पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों में आपसी मतभेद भुलाकर एकजुटता के साथ पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में कार्य करने का आव्हान किया। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाने का संकल्प लेने की अपील की।

> ■ विधायक निर्मल कुमावत ने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों में आपसी मतभेद भुलाकर एकजुटता के साथ पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में कार्य करने का आव्हान किया।

फुलेरा में पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

इस अवसर पर चुनाव प्रभारी वर्धमान काला, जिला परिषद सदस्य राजेश गुर्जर, राजेंद्र बड़ीवाल, पिंटू कंवर एवं शिवप्रसाद यादव सहित पंचायत समिति सदस्य प्रधान गुर्जर, हीरा देवी, कन्नू देवी, मंदराज गुर्जर, दशरथ सिंह, लालचंद वर्मा, अमरचंद कुमावत, रेखा देवी, मनोज यादव, जुगल किशोर कुमावत, कुंदन मल मीणा, राहुल कुमार, बलराम चूला, सुनीता कुमावत, मंजू देवी, पूजा कंवर एवं उषा देवी मौजूद रहे। बैठक में मंडल अध्यक्ष श्रीराम गुर्जर सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किशनगढ़बास में दिपावली पर सफाई व रोशनी से पहले अवैध कब्जे हटेंगे

किशनगढ़बास। दीपावली से पहले हर कोई अपने घर, दुकान और ऑफिस को चमकाने में लगा है। कहीं रंग-रोगन चल रहा है तो कहीं साफ-सफाई का दौर चल रहा है। उधर स्वास्थ्य और खाद्य विभाग मिठाई से लेकर होटल-रेस्टोरेंट तक की जांच में जुटा है, ताकि त्योहार पर मिलावट का अंधेरा न छा सके। ऐसे में शहर की सड़कें और बाजार अगर अतिक्रमण से बदरंग दिखें यह भी लाजमी नहीं। इसी को लेकर नगर पालिका ने भी दीपावली से पहले शहर को सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए दो मोर्चों पर काम शुरू कर दिया है।

नगर पालिका ने अवैध कब्जे और अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान का बिगुल फूंक दिया है। बुधवार को शहर में मुनादी वाला रिक्शा घुमा दिया गया है और लाउडस्पीकर से आम सूचना देते हुए सख्त चेतावनी दी गई। अपना अवैध निर्माण, थड़ी-ठेला, सामान और अतिक्रमण खुद हटा लें, नहीं तो नगर पालिका हटाएगी और हटाने का खर्च भी अतिक्रमणकर्ता से ही वसूलेगी।

वैसे इससे ठीक दो दिन पहले ही नगर पालिका में दीपावली की तैयारियों को लेकर बड़ी कवायद हो चुकी है। अध्यक्ष विश्वास यादव और अधिशासी अधिकारी पूजा शर्मा की अध्यक्षता में प्रथम बोर्ड बैठक आयोजित कर पार्षदों से सीधा संवाद किया गया। बैठक में तय किया गया कि दीपावली पर शहर की सफाई व्यवस्था और रोशनी व्यवस्था को लेकर कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

> ■ पालिका का शहर में घूमा रिक्शा, चेतावनी के बाद शहर में कार्रवाई को लेकर अटकलों का दौर शुरू

बैठक में पूरे शहर को वार्ड-वार बांटकर सफाई का खाका तैयार किया गया है। नालियों की सफाई, कचरा निस्तारण, मुख्य बाजारों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाने के साथ ही शहर को रोशनी से जगमग करने के लिए खराब स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त करने और नए पॉइंट्स पर लाइट लगाने का निर्णय लिया गया है। बैठक में पार्षदों ने भी अपने-अपने वार्डों की समस्याएं सामने रखीं। अब रिक्शे की मुनादी और बोर्ड बैठक के बाद शहर में चर्चा का बाजार गर्म है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या यह सिर्फ दीपावली से पहले की औपचारिकता है या वाकई कुछ बदलेगा।

खण्डार के चार पेट्रोल पम्पों का औचक निरीक्षण

सवाई माधोपुर । जिले में पेट्रोल पम्पों पर ईंधन की सही मात्रा में आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा निर्धारित नियमों की पालना की जांच के लिए संयुक्त जांच दल ने खण्डार क्षेत्र के चार पेट्रोल पम्पों का आकस्मिक निरीक्षण किया। यह कार्रवाई बाट एवं माप प्रवर्तन अधिनियम के प्रावधानों के तहत जिले के विधिक माप विज्ञान अधिकारी, जिला रसद अधिकारी एवं प्रवर्तन निरीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से की गई।

निरीक्षण के दौरान खण्डार स्थित पदमा देवी किसान सेवा केन्द्र एवं मैसर्स गुरुकृपा सर्विस सेन्टर तथा बालेर क्षेत्र स्थित त्रिवेणी फिलिंग स्टेशन एवं मैसर्स मातेश्वरी किसान सेवा केन्द्र की जांच की गई। जांच दल ने सभी पेट्रोल पम्पों पर मुद्रांकित पांच लीटर के मापयंत्र की सहायता से पेट्रोल एवं डीजल की डिलीवरी की जांच की, ताकि उपभोक्ताओं को निर्धारित मात्रा में ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इसके साथ ही पेट्रोल पम्पों के दैनिक बिक्री रजिस्टर, विधिक माप विज्ञान विभाग से प्रमाणित कैलिब्रेशन एवं सत्यापन रिपोर्ट, हाइड्रोमीटर व थर्मामीटर की सत्यापन रिपोर्ट तथा अन्य आवश्यक अभिलेखों की जांच की गई।

> ■ पेट्रोल पम्पों के दैनिक बिक्री रजिस्टर, कैलिब्रेशन एवं सत्यापन रिपोर्ट, हाइड्रोमीटर व थर्मामीटर की सत्यापन रिपोर्ट की जांच

टीम ने टैंक की डिप रीडिंग के माध्यम से ईंधन के स्टॉक का भौतिक सत्यापन भी किया। इसके अतिरिक्त पेट्रोल पम्पों के विस्फोटक लाइसेंस सहित आवश्यक अनुमतियों एवं संबंधित दस्तावेजों की भी जांच की गई।

जिला रसद अधिकारी रामभजन मीना ने बताया कि जिले में पेट्रोल पम्पों के निरीक्षण की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि ईंधन की निर्धारित मात्रा में आपूर्ति, माप उपकरणों की वैधता तथा संबंधित नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए विभागीय स्तर पर नियमित निगरानी की जा रही है।

तिजारा में 18 किलो दूषित रसगुल्ले, एक्सपायरी कोल्डड्रिंक की बोतलें नष्ट कराईं

किशनगढ़ बास। खैरथल में कार्रवाई के बाद बुधवार को तिजारा में मिलावटखोरों के खिलाफ न्यायपालिका के नेतृत्व में बड़ा अभियान चलाया गया। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के दिशा-निर्देश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल के अध्यक्ष तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेन्द्र व्यास के आदेशानुसार एवं सचिव अजीत कुड़ी के मार्गदर्शन में मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने तथा स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त निरीक्षण कर कार्रवाई की गई।

अजीत कुड़ी के नेतृत्व में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने विभिन्न मिठाई की दुकानों का औचक निरीक्षण किया, जिससे दुकानदारों में हड़कम्प मच गया।

टीम ने अलवर रोड स्थित अंगना राम बबली सैनी की मिठाई की दुकान से रसगुल्ला, कलाकंद, गुलाब जामुन, लड्डू, मलाई चाप एवं कलर के नमूने लिए गए। 18 किलोग्राम दूषित रसगुल्लों को नष्ट कराया। इसके बाद विकास पथ स्थित सैनी स्वीट्स कॉर्नर का निरीक्षण किया गया। यहां 12 लीटर एक्सपायरी डेट का ड्यू माउंटेन पेय पदार्थ नष्ट कराया गया। साथ ही बर्फ, बूंदी एवं लड्डू के नमूने लिए गए। पीयूष मिष्ठान भंडार पर भी एक्सपायरी डेट के 32 बोतल पेय पदार्थ मौके पर ही नष्ट करवाए गए।

तिजारा में मिठाई की दुकान पर जांच करते डीएलएसए सचिव अजीत कुड़ी एवं टीम अधिकारी।

इसी क्रम में घीसाराम बलबीर मिठाई की दुकान से रसगुल्ले का नमूना लिया गया। वहीं मुख्य बाजार स्थित दीप चिराग स्वीट्स भंडार से नारियल बर्फ़ी एवं मिशुर पाक के नमूने लिए गए। निरीक्षण के दौरान दुकान पर सुरक्षित पैकिंग में रखे मिठाई के पैकेटों पर मैन्युफैक्चरिंग डेट एवं एक्सपायरी डेट अंकित नहीं पाई गई, जिस पर संचालक को सख्त हिदायत दी गई।

> ■ मिठाईयों के सैंपल लिए, घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग पर भी सख्त हिदायत

इस निरीक्षण की कार्रवाई में घरेलू गैस सिलेंडरों के उपयोग पर भी कार्रवाईकी गई।निरीक्षण के दौरान कुछ दुकानों पर घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग किए जाने की जानकारी सामने आई। इस पर रसद विभाग की ओर से संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। सचिव अजीत कुड़ी ने साफ कहा है अभियान का उद्देश्य खाद्य पदार्थों में मिलावट पर रोक लगाना, उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना तथा खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी नियमों की पालना सुनिश्चित करना है। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार, पैरालीगल वालंटियर्स एवं पुलिस जाप्ता मौजूद रहा।

अभिषेक शर्मा में वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल जैसी क्षमता है और टी20 क्रिकेट में उनके प्रदर्शन को लंबे समय तक याद रखा जाएगा।
– चेतेश्वर पुजारा

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, अभिषेक शर्मा की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी शिखर धवन

पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने वर्ल्ड टी20 कॉन्टिनेंट कप में अपनी भागीदारी को लेकर सामने आई खबरों पर सफाई देते हुए कहा कि आयोजकों ने उनकी जानकारी और अनुमति के बिना उनके नाम का इस्तेमाल किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले में उनकी टीम उचित कानूनी कदम उठाएगी। धवन ने मीडिया और प्रशंसकों से अनधिकृत घोषणाओं पर भरोसा नहीं करने की अपील भी की। मैंने वर्ल्ड टी20 कॉन्टिनेंट कप में प्रतिभागी के रूप में अपना नाम देखा है। आयोजकों ने मेरी जानकारी या अनुमति के बिना मेरे नाम का इस्तेमाल किया है।

क्या आप जानते हैं ?... हॉकी का गोल्डन डबल : पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमों ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा।

विंडीज ने चौथा मैच जीतकर सीरीज की बराबर, भारत नहीं बना पाया 248 रन

हैदराबाद, 14 अक्टूबर। वेस्टइंडीज ने भारत को चौथे टी20 मैच में 24 रन से हराया। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 247 रन बनाए। कप्तान शे होप ने शतक लगाया। इसके जवाब में भारतीय टीम 19.4 ओवर में सभी विकेट खोकर 223 रन ही बना सका। भारत के लिए संजू सैमसन ने सर्वाधिक 56 रन बनाए। वेस्टइँडीज की ओर से कीमो पॉल ने 5 विकेट चटकाए।

वेस्टइंडीज ने चौथे टी20 मैच में शे होप के शतक की बदौलत पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 247 रन बनाए। टीम के लिए शे होप ने सर्वाधिक रन (102) बनाए। भारत के लिए अक्षर पटेल, अर्शदीप और प्रिंस यादव को सफलता मिली। इसके जवाब में भारत ने 5वें ओवर में संजू सैमसन का विकेट गंवाया। संजू ने 23 गेंद में 56 रन बनाए। ईशान किशन 6 रन ही बना सके। कीमो पॉल ने पारी के 5वें ओवर में दोनों बल्लेबाजों को आउट किया। अभिषेक शर्मा 24 गेंद में 29 रन बनाकर आउट हुए। नमन धीर बिना खाता खोले आउट हुए। तिलक वर्मा ने 25 गेंद में 43 रन बनाए, उन्होंने नीतीश कुमार रेड्डी के साथ 32 गेंद में 70 रन की साझेदारी की। नीतीश कुमार रेड्डी ने 20 गेंद में 41 रन बनाए। प्रिंस खाता नहीं खोल सके और अक्षर पटेल ने तीन रन बनाए।

हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज को 5वें ओवर में झटका लगा। सलामी बल्लेबाज एंड्रयू ने 16 गेंद में 21 रन बनाए। अक्षर पटेल ने उन्हें आउट किया। प्रिंस यादव ने 9वें ओवर में शिमरन हेटमायर को पवेलियन भेजा। होप और हेटमायर के बीच दूसरे विकेट के लिए 24 गेंद में 58 रन की साझेदारी हुई। प्रिंस यादव को सफलता मिली। रोवमैन पावेल ने 17 गेंद में 24 रन बनाए। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने चौथे मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। वेस्टइंडीज ने दो बदलाव किए हैं, जबकि भारत पिछली टीम के साथ उतरा है। वेस्टइंडीज की टीम में कामिल पूरन की जगह ज्वेल ऐंड्रयू की वापसी हुई है, जबकि सैंपसन की जगह रोमारियो शेफर्ड को मौका मिला है। भारतीय टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में एक बार फिर सीरीज कब्जा करने के काफी करीब है।

नटराजन की एसआरएच में वापसी, डीसी ने अंसारी के बदले किया आईपीएल ट्रेड

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ एक प्लेयर ट्रेड में तेज़ गेंदबाज़ टी. नटराजन को वापस अपनी टीम में शामिल किया है, जबकि लेग-स्पिनर ज़ीशान अंसारी दिल्ली कैपिटल्स की टीम में चले गए हैं। चेन्नई के इस तेज़ गेंदबाज़ ने 2020 से 2024 तक एसआरएच के लिए खेला और 2024 में 19 विकेट लिए, जो उस सीज़न में किसी भी एसआरएच गेंदबाज़ द्वारा लिए गए सबसे ज़्यादा विकेट थे। इस बीच, नटराजन को 2025 की नीलामी में डीसी ने 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। अब वह 5 करोड़ रुपये की बदली हुई फीस पर एसआरएच में शामिल हो रहे हैं। अंसारी ने 10 मैचों में छह विकेट लिए और वह अपनी मौजूदा 40 लाख की फीस पर डीसी में शामिल हो रहे हैं।

वित्तीय अनियमितताओं का आरोप, बीएफआई के महासचिव प्रमोद निलंबित

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने महासचिव प्रमोद कुमार को कथित तौर पर अधिकारों के दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताओं और जांच प्रक्रिया में सहयोग नहीं करने के आरोपों में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। महासंघ ने स्पष्ट किया है कि यह अंतरिम निलंबन है और इसे आरोपों पर अंतिम फैसला नहीं माना जाएगा। बीएफआई की ओर से जारी बयान के अनुसार महासंघ के संविधान की धारा 24 के उपखंड 16 और धारा 24 के उपखंड 36 के तहत यह कार्रवाई की गई है। प्रमोद कुमार पर अधिकारों के खुले दुरुपयोग, जांच प्रक्रिया में सहयोग नहीं करने, जांच में सक्रिय रूप से बाधा डालने और वित्तीय अनियमितताओं तथा अनुचित आचरण के अस्पष्ट मामलों के आरोप लगाए गए हैं।

चैंपियनशिप रद्द होने की जांच में सहयोग नहीं करने का आरोप - मंगलवार को जारी पत्र में प्रमोद कुमार पर हिमाचल प्रदेश के नाहन में 16 से 23 अगस्त तक प्रस्तावित बीएफआई एलीट पुरुष एवं महिला ओपन मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 को रद्द किए जाने के मामले की जांच में सहयोग नहीं करने का आरोप भी लगाया गया है। पत्र में कहा गया है कि वह महासंघ की ओर से आयोजित प्रतियोगिताओं और उसकी प्रतिष्ठा पर असर डालने वाले गंभीर मामले की जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। उन पर स्वतंत्र जांच को डराने और बाधित करने के उद्देश्य से कथित तौर पर अवैध और दुर्भावनापूर्ण नोटिस जारी करने का आरोप भी लगाया गया है।

पार्थिव पटेल ने मिस की बीसीसीआई की डेडलाइन

क्या मुख्य चयनकर्ता पद की दौड़ से हुए बाहर ?

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। भारत के पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल, जिन्हें बीसीसीआई के पुरुषों की टीम के मुख्य चयनकर्ता के तौर पर अजीत अगरकर की जगह लेने का सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा था, उन्होंने अभी तक इस पद के लिए आवेदन नहीं किया है। बीसीसीआई ने इस खाली पद के लिए 6 अक्टूबर को आवेदन प्रक्रिया शुरू की थी और आवेदन करने की आखिरी तारीख 14 अक्टूबर को शाम 5 बजे तय की गई थी। पटेल ने तब तक इसके लिए आवेदन नहीं किया था और अब वे ऐसा तब तक नहीं कर पाएंगे जब तक बोर्ड आवेदन की समय-सीमा को आगे नहीं बढ़ाता। फिलहाल, साउथ ज़ोन के सेलेक्टर प्रज्ञान ओझा अंतरिम चीफ सेलेक्टर के तौर पर काम कर रहे हैं, क्योंकि उन्होंने कमेटी में सबसे ज़्यादा टेस्ट मैच खेले हैं। अभी के हिसाब से, पार्थिव के सीनियर सिलेक्शन पैनल में शामिल होने के बजाय गुजरात टाइटंस के कोचिंग सेटअप और अपने ब्रॉडकास्टिंग के काम में बने रहने की संभावना है, जबकि ओझा के चीफ सेलेक्टर के तौर पर अपना बाकी कार्यकाल पूरा करने की उम्मीद है।

बीसीसीआई ने 6 अक्टूबर को जारी अपने बयान में कहा था कि नया सेलेक्टर टेस्ट, वनडे और टी20 के लिए भारतीय टीमों को चुनने, उभरते हुए टैलेंट की पहचान करने और बेंच स्ट्रेंथ मज़बूत करने के लिए ज़िम्मेदार होगा। इस भूमिका में घरेलू और इंटरनेशनल क्रिकेट में खिलाड़ियों की खोज करना, टीम मीटिंग में शामिल होना, मैचों के लिए यात्रा करना और बीसीसीआई की एपेक्स काउंसिल को हर तिमाही परफॉर्मेंस का मूल्यांकन करने वाली रिपोर्ट सौंपना भी शामिल होगा।

योग्यता के नियमों के अनुसार, आवेदकों ने कम से कम सात टेस्ट मैच, 30 फर्स्ट-क्लास मैच, या 10 वनडे और 20 फर्स्ट-क्लास मैच खेले होने चाहिए। साथ ही, उम्मीदवारों को कम से कम पांच साल पहले क्रिकेट से रिटायर हो जाना चाहिए था। माना जा रहा है कि नया सदस्य वेस्ट ज़ोन से होगा, जहाँ से अगरकर आते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई के रहने वाले भारत की महिला टीम के पूर्व कोच रमेश पोवार, जिनके जूनियर पुरुष चयन समिति की कमान संभालने की उम्मीद थी, अब वेस्ट ज़ोन से सीनियर चयनकर्ता के पद के लिए दावेदार हो सकते हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में रेनशॉ और हेजलवुड को फायदा, टी-20 में श्रेयस चौथे स्थान पर

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू रेनशॉ और जोश हेजलवुड को आईसीसी की ताजा पुरुष टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग में फायदा हुआ है। भारत के श्रेयस अय्यर ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में करियर का सर्वश्रेष्ठ चौथा स्थान हासिल कर लिया है।

आईसीसी के अनुसार डरबन टेस्ट की पहली पारी में 190 रन बनाने वाले रेनशॉ ने दूसरी पारी में भी 82 रन की अहम पारी खेली। उनके इस प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया को मैच में मजबूत स्थिति हासिल करने में मदद मिली। रेनशॉ टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 100 से बाहर रहने के बाद संयुक्त रूप से 49वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन चार स्थान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम ने भी चार स्थान की छलांग लगाई और संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर पहुंच गए।

हेजलवुड गेंदबाजी रैंकिंग में सातवें स्थान पर

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने डरबन टेस्ट के अंतिम दिन 49 रन देकर छह विकेट लिए थे। इस प्रदर्शन के बाद वह टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया तीन साल से अधिक समय बाद अपना पहला टेस्ट खेलने के बाद गेंदबाजी रैंकिंग में लौट आए हैं। वह 34वें स्थान पर हैं। भारत के रवींद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि साइमन हार्मर ने पांच स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 23वां स्थान हासिल किया है।

रणजी ट्रॉफी : पहली पारी में असफल रहने के बाद करुण नायर ने लगाया नाबाद शतक

विजयवाड़ा, 14 अक्टूबर। कर्नाटक के अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर ने आंध्र के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले में पहली पारी की नाकामी से उबरते हुए शानदार शतक जड़ा। बुधवार को पहली पारी में केवल आठ रन बनाने वाले 34 वर्षीय नायर ने दूसरी पारी में दमदार बल्लेबाजी करते हुए रणजी ट्रॉफी में अपना 20वां शतक पूरा किया।

नायर ने अपनी लय हासिल करते हुए बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज सौरभ और ललित मोहन के खिलाफ शानदार छक्के लगाए। उन्होंने गेंद को सीधे सीमा रेखा के पार पहुंचाकर अपने आक्रामक अंदाज की झलक दिखाई। पहली पारी में कम स्कोर के बाद उनका यह शतक उनकी बल्लेबाजी क्षमता का प्रभावशाली उदाहरण रहा।

स्पीकर देवनानी ने रॉयल राजस्थान स्टेट कराटे चैम्पियनशिप के प्रमाण पत्रों का अवलोकन किया

जयपुर, 14 अक्टूबर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से बुधवार को यहां विधानसभा में कराटे के नौ खिलाडियों ने मुलाकात की। ये खिलाडी रॉयल राजस्थान स्टेट कराटे चैंपियनशिप में भाग लेकर लौटे है। देवनानी ने रॉयल राजस्थान स्टेट कराटे चैंपियनशिप में खिलाडियों को मिले प्रमाण पत्रों का अवलोकन किया। देवनानी ने बच्चों को भविष्य में निरन्तर सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। देवनानी ने खिलाडियों से संवाद करते हुए खेलों के प्रति उनकी रुचि और कराटे के अभ्यास के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने खिलाडियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य और संघर्ष करने की क्षमता विकसित होती है। कराटे जैसे आत्मरक्षा के खेल बच्चों को शारीरिक रूप से सक्षम बनाने के साथ ही मानसिक दृढ़ता भी प्रदान करते हैं। देवनानी ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।

गांगुली, रहाणे, लारा और रूट ने प्रिंस विलियम के साथ खेला टेनिस बॉल क्रिकेट

लंदन, 14 अक्टूबर। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और अजिंक्य रहाणे सहित क्रिकेट जगत की कई दिग्गज हस्तियों ने लंदन में ब्रिटेन के प्रिंस विलियम के साथ टेनिस बॉल क्रिकेट का मैत्रीपूर्ण मुकाबला खेला। इस खास आयोजन का उद्देश्य क्रिकेट के प्रति भारत और ब्रिटेन के साझा जुनून का जश्न मनाने के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। यह आयोजन अगले महीने मुंबई में होने वाले अर्थशॉट पुरस्कार समारोह की उलटी गिनती के तहत किया गया। द रॉयल फाउंडेशन की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह मुकाबला बकिंघम पैलेस के बाहर स्थित द मॉल मार्ग पर खेला गया।

जनरल अमर सिंह कानोता कप : रामबाग-चांदना पोलो की एकतरफा जीत

धनखड़ ने दागे 4 गोल, कानोता / मेफेयर को 9.5-3 से हराया

जयपुर, 14 अक्टूबर। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेले गए जनरल अमर सिंह कानोता कप (06 गोल्स) के मुकाबले में टीम रामबाग-चांदना पोलो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कानोता/मेफेयर पोलो को 9.5-3 के बड़े अंतर से शिकस्त दी। विजेता टीम की ओर से डीनो धनखड़ ने सर्वाधिक 4 गोल दागे, जबकि जॉन जोस अल्बर्डी ने 3 और अशोक चांदना ने 2 गोल किए। टीम को शुरुआत में आधे गोल की बढ़त भी मिली थी। आरके सिद्धांत सिंह ने भी टीम का प्रतिनिधित्व किया। कानोता/मेफेयर पोलो की ओर से शमशीर अली, प्रताप सिंह कानोता और अनय शाह ने एक-एक गोल किया। टीम में जयवीरसिंह गोहिल भी शामिल रहे।

रामबाग-चांदना और आरपीसी के बीच पहला सेमीफाइनल आज - टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल गुरुवार को टीम रामबाग-चांदना पोलो और टीम आरपीसी के बीच खेला जाएगा। मुकाबला पीपीसी ग्राउंड नंबर-1 पर शाम 4:30 बजे शुरू होगा।

लोसल में 21 से राज्य सब-जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप, 400 से अधिक खिलाड़ी लेंगे भाग

जयपुर, 14 अक्टूबर। राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में राजस्थान स्टेट सब-जूनियर (अंडर-11 व अंडर-13 बालक-बालिका) बैडमिंटन चैंपियनशिप-2026 का आयोजन 21 से 25 अक्टूबर तक सीकर जिले के लोसल में किया जाएगा। प्रतियोगिता के मुकाबले सीकर रोड स्थित शेखावाटी पब्लिक स्कूल परिसर में खेले जाएंगे, जिसमें प्रदेश के 400 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव के.के. शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के क्वालीफाइंग मुकाबले 20 व 21 अक्टूबर को होंगे, जबकि मुख्य ड्रॉ के मुकाबले 22 अक्टूबर से शुरू होंगे। प्रतियोगिता में अंडर-11 व अंडर-13 आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं के एकल एवं युगल मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के आधार पर आगामी राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए राजस्थान टीम का चयन किया जाएगा। खिलाड़ियों की सुविधा और मुकाबलों का समय पर संचालन सुनिश्चित करने के लिए आयोजन स्थल पर कम से कम चार कोर्ट तैयार किए गए हैं।

आयोजन समिति के अध्यक्ष भंवर लाल रिणवा और आयोजन सचिव सुशील स्वामी के नेतृत्व में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए त्रिलोक शुक्ला को मुख्य निर्णायक तथा विनीत शर्मा को मैच कंट्रोलर नियुक्त किया गया है। लोसल में 21 अक्टूबर से राज्य सब-जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप, 400 से अधिक खिलाड़ी लेंगे भाग

रणंजय सिंह की कप्तानी में जीता रजत पदक

जयपुर, 14 अक्टूबर। राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय सब-जूनियर फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 में तेलगाना के आरोग्य खिलाड़ियों को खिलाने पर ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने किया जुर्माना और राजस्थान का हुआ प्रमोशन। राजस्थान फुटबॉल के इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। लगभग 34 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद राजस्थान की सब-जूनियर फुटबॉल टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया है। वर्ष 1991-92 के बाद मिली इस ऐतिहासिक सफलता के साथ राजस्थान ने राष्ट्रीय सब-जूनियर फुटबॉल प्रतियोगिता के टियर-1 में भी स्थान प्राप्त कर लिया है।

अंडर-23 राष्ट्रीय एथलेटिक्स का कल से आगाज, राजस्थान के 156 एथलीट दिखाएंगे दम

जयपुर, 14 अक्टूबर। गुलाबी नगरी में शुक्रवार से देश के उभरते एथलीटों का जमावड़ा लगेगा। सवाई मानसिंह स्टेडियम में 16 से 18 अक्टूबर तक छठी इंडियन ओपन अंडर-23 राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता आयोजित होगी। इसमें देशभर से एक हजार से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। मेजबान राजस्थान की ओर से 156 सदस्यीय दल मैदान में उतरेगा। कई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर चुके एथलीट भी प्रतियोगिता में अपनी चुनौती पेश करेंगे। राजस्थान एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव देवनारायण गुर्जर ने बताया कि प्रतियोगिता में पुरुष एवं महिला वर्ग की कुल 40 स्पर्धाएं होंगी। तीन दिन में 40 स्वर्ण सहित कुल 120 पदकों के लिए मुकाबले खेले जाएंगे। उत्तर प्रदेश 244 खिलाड़ियों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में भाग लेगा, जबकि राजस्थान 156 सदस्यों के साथ दूसरे स्थान पर रहेगा। हरियाणा के 122 एथलीट भी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। तमिलनाडु, महाराष्ट्र, दिल्ली और मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों की टीमें भी चुनौती पेश करेंगी।

10 हजार मीटर दौड़ से होगी शुरुआत - आयोजन सचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर के अनुसार, प्रतियोगिता के पहले दिन सुबह 6:30 बजे पुरुष एवं महिला वर्ग की 10,000 मीटर दौड़ से मुकाबलों का आगाज होगा।

तारीक क्रिकेट अकादमी ने सात रन से जीता रोमांचक मुकाबला

रोहन बने मैन ऑफ द मैच, गेंदबाजी में झटके 3 विकेट

जयपुर, 14 अक्टूबर। सोनी क्रिकेट स्टेडियम पर खेले जा रहे प्रथम कर्नल बिशन सिंह राठौड़ क्रिकेट टूर्नामेंट में तारीक क्रिकेट अकादमी ने कैंडलविक क्रिकेट अकादमी को रोमांचक मुकाबले में सात रन से हराया। तारीक क्रिकेट अकादमी की जीत में रोहन सिंह ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया। उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए तारीक क्रिकेट अकादमी की टीम 28.3 ओवर में 135 रन पर ऑलआउट हो गई। तवीश शर्मा ने 50 और रोहन सिंह ने 29 रन बनाए। कैंडलविक की ओर से आर्यमन सिंह ने चार और वत्सल शर्मा ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए कैंडलविक क्रिकेट अकादमी की टीम 33.1 ओवर में 128 रन पर सिमट गई। हर्षित कुमावत ने 27 और दक्ष पारीक ने 23 रन बनाए। तारीक क्रिकेट अकादमी की ओर से रोहन सिंह और राशिद ने तीन-तीन, जबकि अयान ने दो विकेट लेकर टीम को जीत दिलाई।

14वां महाराजा सवाई भवानी सिंह मेमोरियल टूर्नामेंट 2 नवम्बर से

आठ खेलों में अंडर-19 बॉयज एवं गर्ल्स वर्ग के खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

जयपुर, 14 अक्टूबर। महाराजा सवाई भवानी सिंह स्कूल, जयपुर की मेजबानी में 14वें महाराजा सवाई भवानी सिंह मेमोरियल टूर्नामेंट का आयोजन 2 से 5 नवंबर 2026 तक किया जाएगा। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के युवा खिलाड़ी अंडर-19 बॉयज एवं गर्ल्स वर्गों में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

टूर्नामेंट में बास्केटबॉल, फुटबॉल, हैंडबॉल, कबड्डी, पिकलबॉल, टेनिस, वॉलीबॉल और शतरंज सहित आठ खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इस आयोजन का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक मंच प्रदान करना और उनमें खेल भावना एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की भावना को प्रोत्साहित करना है।

रणजी में राजस्थान को पहली पारी की बढ़त, मैच ड्रॉ

महिपाल लोमरोर शतक से चूके, अजय सिंह कुकना बने प्लेयर ऑफ द मैच

जयपुर, 14 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में सवाई मानसिंह स्टेडियम पर राजस्थान और तमिलनाडु के बीच खेला गया रणजी ट्रॉफी मुकाबला ड्रॉ समाप्त हुआ। राजस्थान ने पहली पारी में 89 रन की बढ़त के आधार पर महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। शानदार प्रदर्शन के लिए राजस्थान के अजय सिंह कुकना को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि दूसरी पारी में महिपाल लोमरोर 84 रन बनाकर शतक से चूक गए। राजस्थान ने पहली पारी में 363 रन बनाए, जिसके जवाब में तमिलनाडु की टीम 274 रन पर सिमट गई। दूसरी पारी में राजस्थान ने छह विकेट पर 192 रन बनाकर पारी घोषित की। महिपाल लोमरोर ने 84, कार्तिक शर्मा ने 42 और अजय सिंह कुकना ने नाबाद 32 रन बनाए। तमिलनाडु के साई किशोर ने तीन विकेट लिए। जीत के लिए मिले लक्ष्य के जवाब में तमिलनाडु ने दूसरी पारी में बिना विकेट खोए 73 रन बनाए। जगदीशन 42 और साई सुदर्शन 26 रन बनाकर नाबाद रहे।

अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफीः अतुल जायसवाल का शतक, हिमाचल 251/6

हिमाचल प्रदेश के अम्तर में राजस्थान और हिमाचल के बीच खेले जा रहे अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी मुकाबले के तीसरे दिन राजस्थान ने पहली पारी में 488 रन बनाए। जवाब में हिमाचल ने छह विकेट पर 251 रन बना लिए। हिमाचल की ओर से अतुल जायसवाल 107 रन बनाकर नाबाद हैं। राजस्थान के गेंदबाज आयुष अमेरिया ने 60 रन देकर तीन विकेट लिए।

अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफीः रोमांचक मुकाबले में हैदराबाद जीता

अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान को हैदराबाद के खिलाफ एक विकेट से हार का सामना करना पड़ा। राजस्थान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 191 रन पर आउट हो गई। आराध्य अग्रवाल ने नाबाद 53, रजत बघेल ने 44, अभय शर्मा ने 37 और कुशाग्र ओझा ने 26 रन बनाए। हैदराबाद के वेद रेड्डी ने तीन और यशवीर गौड़ ने दो विकेट लिए। जवाब में हैदराबाद ने नौ विकेट पर 194 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। यशवीर गौड़ ने नाबाद 94 और आदित्य जव्वाजी ने 51 रन की अहम पारियां खेलीं। राजस्थान की ओर से सौभाग्य सिंह भाटी ने पांच विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया, जबकि सुमीत सैनी ने तीन विकेट झटके।

अंडर-19 महिला टी-20 ट्रॉफीः राजस्थान की शानदार जीत, धृति माथुर चमकीं

अंडर-19 महिला टी-20 ट्रॉफी में राजस्थान ने केरल को नौ विकेट से हराया। केरल की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 85 रन पर आउट हो गई। राजस्थान की ओर से निष्ठा सोती ने 19 रन देकर चार विकेट झटके, जबकि प्रीत कपूर ने दो विकेट लिए। वंशिका और पलक को एक-एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान ने एक विकेट के नुकसान पर 135 रन बनाकर शानदार जीत दर्ज की। धृति माथुर ने 66 गेंदों पर 13 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 85 रन बनाए। प्रियांशी चौधरी ने 31 और अंशिका ने नाबाद 12 रन का योगदान दिया। धृति की शानदार बल्लेबाजी और निष्ठा की घातक गेंदबाजी राजस्थान की जीत की प्रमुख वजह रहीं।

लक्षित की घातक गेंदबाजी, द राजस्थान क्रिकेट अकादमी जीती

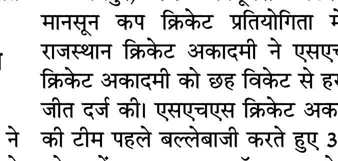

जयपुर, 14 अक्टूबर। अंडर-14 मानसून कप क्रिकेट प्रतियोगिता में द राजस्थान क्रिकेट अकादमी ने एसएचएस क्रिकेट अकादमी को छह विकेट से हराकर जीत दर्ज की। एसएचएस क्रिकेट अकादमी की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 37.4 ओवर में 150 रन पर ऑलआउट हो गई। नीरव सैनी ने 28, अंश चतुर्वेदी ने 25 और योगित यादव ने 23 रन बनाए। द राजस्थान क्रिकेट अकादमी की ओर से लक्षित ने चार और देव शर्मा ने तीन विकेट झटके। जवाब में द राजस्थान क्रिकेट अकादमी ने ध्रुव सिंह के 53 और कार्तिक के 32 रनों की बदौलत 32.4 ओवर में चार विकेट पर 151 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। शानदार गेंदबाजी करने वाले लक्षित कोमैन ऑफ द मैचचुना गया।

प्रधानमंत्री की 25 वर्ष की जन सेवा पर राजस्थान मंत्रिमंडल ने अभिनंदन किया

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने रिफॉर्म, परफॉर्म व ट्रांसफॉर्म की नई संस्कृति स्थापित की है

जयपुर, 14 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में मंत्रिमंडल एवं मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की अनवरत जनसेवा के लिए अभिनंदन प्रस्ताव पारित किया गया।

प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 7 अक्टूबर को सरकार के मुखिया के रूप में राष्ट्रसेवा का ऐतिहासिक पड़ाव पूरा किया है। इस उपलक्ष्य में राजस्थान मंत्रिमंडल ने प्रस्ताव पारित कर प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वयं को प्रधानसेवक मानकर देश में "रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म" की नई संस्कृति स्थापित की है। अनुच्छेद 370 की समाप्ति और आतंकवाद के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक एवं ऑपरेशन सिंदूर जैसे साहसिक निर्णयों से देश एक मजबूत राष्ट्र के रूप में उभरा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुभव और विज़न का लाभ राजस्थान की डबल इंजन सरकार को भी मिल रहा है। प्रदेश में 2 हजार 750 किलोमीटर से अधिक लंबाई के 9 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे विकसित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश 39.36 गीगावाट स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता के साथ अग्रणी प्रदेश बन चुका है। इस तरह राजस्थान देश में सौर ऊर्जा में प्रथम एवं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में मंत्रिमंडल एवं मंत्रिपरिषद की बैठक ली।

अक्षय ऊर्जा स्थापना में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा और गौरवपूर्ण उपस्थिति में दिसंबर 2024 में "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट" हुआ। इसमें 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए, जिनमें से 9 लाख करोड़ रुपये से

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुभव व विज़न का लाभ राजस्थान को मिल रहा है। प्रदेश में 2750 किलोमीटर लंबे 9 ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे तथा जयपुर रिंग रोड का निर्माण केन्द्र सरकार के सहयोग से हो रहा है।**

अधिक के प्रोजेक्ट्स धरातल पर उतर चुके हैं। प्रधानमंत्री ने प्रदेश को पचपदरा में देश की पहली एकीकृत ग्रीनफील्ड रिफाइनरी, जयपुर मेट्रो फेज-2 और माही बांसवाड़ा परमाणु विद्युत परियोजना जैसी बड़ी परियोजनाओं की सौगात दी है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विकास में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन, सहयोग और महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा भी उपस्थित थे।

प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए छात्रों के साथ पुलिस ने मारपीट की- राहुल गांधी

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए छात्रों के साथ कथित मारपीट का मुद्दा उठाया है। राहुल ने बुधवार को कुछ

■ **राहुल गांधी ने कुछ भुक्तभोगी आंदोलकारियों को मीडिया के सामने पेश किया।**

प्रदर्शनकारियों को मीडिया के सामने पेश किया, जिन्होंने पुलिस हिरासत में उनके साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किए जाने के आरोप लगाए। राहुल ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को अपने साथ हुई घटनाओं के वीडियो और अन्य साक्ष्य सुरक्षित रखने चाहिए, ताकि मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

केरल की छात्रा अथिरा ने पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि हिरासत के दौरान बस में महिला पुलिसकर्मी की मौजूदगी के बारे में पूछने पर उनके साथ मारपीट की गई। उन्होंने दावा किया कि कनॉट प्लेस थाने के सामने उन्हें पीटा गया, जिससे उनकी आंख और कान में चोट आई। अथिरा के अनुसार, उनके एक कान से सुनाई देना बंद हो गया है। बांसुरी वादक समर ने भी हिरासत में मारपीट का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पांच अक्टूबर और फिर 11 अक्टूबर को उन्हें हिरासत में लिया गया था। समर के मुताबिक, सादे कपड़ों में मौजूद पुलिसकर्मियों ने उनके साथ मारपीट की।

'अमेरिका में रह रही दुष्कर्म पीड़िता को जांच में सहयोग के लिए नोटिस तामील कराएं'

राजस्थान हाईकोर्ट ने केन्द्र सरकार को निर्देश दिए हैं कि वर्ष 2005 में भारत-अमेरिका के बीच लागू पारस्परिक कानूनी सहायता व्यवस्था के तहत नोटिस तामील कराने की प्रक्रिया अपनाई जाए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 14 अक्टूबर। दुष्कर्म प्रकरण में पीड़िता जब जांच में सहयोग के लिए उपलब्ध नहीं हुई और पुलिस को उसके संबंधियों से मालूम चला कि वह अमेरिका चली गई है। ऐसे में पुलिस जांच आगे कैसे बढ़ाई जाए, इस संदर्भ में बुधवार को राजस्थान हाईकोर्ट ने गृह व विदेश मंत्रालय को निर्देश दिए हैं कि अमेरिका में रह रही दुष्कर्म पीड़िता का मौजूदा एड्रेस पता लगाकर उसे नोटिस तामील करवाएं। अदालत ने अनुसंधान अधिकारी को कहा है कि वह 21 दिनों में गृह मंत्रालय को पीड़िता के पासपोर्ट की जानकारी सहित पूरी डिटेल्स, समन की दो कॉपी सहित भेजें। अदालत ने पालना रिपोर्ट पेश करने का निर्देश देते हुए आगामी सुनवाई आठ सप्ताह बाद तय की है। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश मामले में आरोपी बनाए गए चन्द्रभूषण सिंह की ओर से दायर आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

इस मामले में पीड़िता ने वर्ष 2022 में एफआईआर दर्ज करायाी थी, परंतु पुलिस ने जब प्रकरण की जांच शुरू की तो पीड़िता का कोई अता-पता नहीं लगा। जांच की डायरी जब हाईकोर्ट में अनुसंधान अधिकारी ने पेश की तो

■ **हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले में पीड़िता मुख्य गवाह है और उसकी भागीदारी के बिना जांच प्रभावी तरीके से आगे नहीं बढ़ सकती, इसलिए न्यायपूर्ण सुनवाई के लिए पीड़िता को नोटिस या समन की प्रभावी तामील होना जरूरी है।**

उसमें दो तथ्य सामने आये कि, 1 जुलाई 2022 को ही पीड़िता अपने पति के साथ पुलिस स्टेशन आई थी और आवेदन दिया कि मैंने गुस्से में आकर परिवाद किया था, इस प्रकरण में कोई कार्रवाई नहीं की जाए। परंतु जब एक वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी ने पीड़िता से 24 नवंबर 2022 को फोन पर बात की तो पीड़िता ने कहा कि मामले की जांच बंद करने का आवेदन उसने दबाव में दिया था और वह जांच बंद नहीं करना चाहती। परंतु इन विरोधाभासी बयानों के कारण जांच अधिकारी ने मामले में एफ.आर. लगाने की सिफारिश की थी, परंतु वरिष्ठ अधिकारियों की वजह से मामले में एफ.आर नहीं लगी।

अदालत ने 3 सितंबर 2024 को पीड़िता को नोटिस जारी किया था, लेकिन पिछले दो सालों से नोटिस तामील नहीं हुआ। सुनवाई के दौरान अनुसंधान अधिकारी ने बताया कि परिवादिया के परिजनों से उसका अमेरिका में रहने का पता चला है, परंतु पूरा पता व संपर्क नंबर ज्ञात नहीं हैं।

वहीं आरोपी के अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने बताया कि चन्द्रभूषण सिंह के खिलाफ झूठा मामला दर्ज कराया गया है। मामले की सुनवाई के दौरान सामने आया कि, गृह मंत्रालय की गाइडलाइन है कि वर्ष 2005 में लागू समझौते के तहत वह अमेरिका में समन तामील करवा सकते हैं। जिस पर अदालत ने केन्द्र सरकार को भारत-अमेरिका के बीच लागू पारस्परिक कानूनी सहायता व्यवस्था के तहत नोटिस तामील कराने की प्रक्रिया अपनाने और पीडिता का मौजूदा पता लगाने के लिए कहा है। हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले में पीडिता मुख्य गवाह है और उसकी भागीदारी के बिना जांच प्रभावी तरीके से आगे नहीं बढ़ सकती, इसलिए न्यायपूर्ण सुनवाई के लिए पीडिता को नोटिस या समन की प्रभावी तामील होना जरूरी है।

अदालती आदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साल इसी तरह अभ्यर्थियों को पहली काउंसलिंग में शामिल कर कॉलेज का आवंटन किया जाता है। इसी वर्ग में रजिस्ट्रेशन के बाद भी प्रार्थी का नाम 19 सितंबर की सूची में नहीं था। इसे उसने हाईकोर्ट में चुनौती दी। याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने 24 सितंबर को अस्थाई तौर पर याचिकाकर्ता के दस्तावेज सत्यापन कराने व काउंसलिंग में शामिल करने का निर्देश दिया था। याचिकाकर्ता अदालती आदेश की पालना में 26 सितंबर को काउंसलिंग चेयरमैन के समक्ष उपस्थित हुआ, लेकिन फिर भी उसे शामिल नहीं किया, जिसे अवमानना याचिका के जरिए हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। अवमानना याचिका में कहा गया कि अदालती आदेश की अवमानना करने वालों को दंडित किया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

हाइजैक अलर्ट के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यात्रियों को सुरक्षित उतारकर टर्मिनल में बैठाया गया। दिल्ली से राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) की टीम को भी सतर्क रखे जाने की जानकारी सामने आई।

सीआईएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने विमान की जांच की। शुरुआती जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद विमान के रखरखाव से जुड़े इंजीनियरों को भी मौके पर बुलाया गया। शुरुआत में ऐसी जानकारी सामने आई कि पायलट ने गलती से अलर्ट बटन दबा दिया था और कुछ ही सेकंड में संकेत बंद कर दिया गया था। बाद में सूत्रों के हवाले से यह भी कहा गया कि तकनीकी गड़बड़ी के कारण अलर्ट संदेश जनरेट होने की आशंका है। हालांकि, पायलट ने पूछताछ के दौरान गलती से बटन दबाने की बात से इनकार किया। इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अब विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) पूरे मामले की जांच करेगा। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि हाईजैक का संकेत देने वाला 7500 कोड किस वजह से सक्रिय हुआ और इसका संदेश एटीसी तक कैसे पहुंचा। घटना की पुष्टि करते हुए एयर इंडिया ने कुछ घंटे बाद जारी बयान में कहा कि उड़ान को सुरक्षा संबंधी संभावित चिंता के कारण डायवर्ट किया गया था। एयरलाइन के अनुसार, यात्रियों की सुरक्षा जांच की गई और इसके बाद उन्हें दिल्ली के लिए उड़ान जारी रखने हेतु दोबारा विमान में सवार होने की अनुमति दी गई। विमान को दोपहर 2:24 पर नई दिल्ली रवाना कर दिया गया।

शाह ने कांग्रेस पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा, "सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद, जंतर-मंतर को निर्धारित विरोध स्थल सूची से हटाना... पहले वोट की चोरी और फिर "विरोध करने के अधिकार की चोरी"-यह भाजपा की तानाशाही का सबूत है।" उन्होंने आगे कहा, "ज्ञानेश कुमार को बचाना बंद करो!"

खड़गे ने कहा कि सरकार पर सवाल उठाने वालों को जेल में डाला जा रहा है, युवा प्रदर्शनकारियों को पीटा जा रहा है और हिरासत में लिया जा रहा है। महिलाओं को पुलिस की बर्बरता का सामना करना पड़ रहा है, जबकि "आरएसएस के गुंडों" को बिना किसी कार्रवाई के छूट मिली हुई है।

राजनीतिक मामलों के अनुभवी पर्यवेक्षकों का कहना है कि शाह इस समय बेहद मुश्किल स्थिति में हैं। उनके अनुसार, वे चुनाव आयोग का बचाव कर रहे हैं, जबकि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार मैदान छोड़कर पीछे हटते दिखाई दे रहे हैं। इससे सत्ताधारी दल के लिए उन्हें बचाने का रास्ता खुला हुआ है। पर्यवेक्षकों ने कहा कि इससे जनता के बीच बहुत गलत संदेश जा रहा है।

एयर फ्रांस ने इज़रायल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं। पाकिस्तान सहित, 31 देशों के एयरलाइन क्रू पर एयर फ्रांस के प्रतिबंध के बाद, शिकागो स्थित यूनाइटेड एयरलाइंस ने भी अपने पायलटों और केबिन क्रू को इज़रायल आने-जाने वाली उड़ानों के लिए राष्ट्रीयता आधारित नियमों के बारे में जानकारी दी है। इन प्रतिबंधों ने अंतरराष्ट्रीय विमानन पर पड़ने वाले असर और, क्या अन्य एयरलाइन्स भी इज़रायल के नियमों का पालन करने के लिए ऐसा ही करेंगी, इस पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

फ्रांस की खोजी समाचार वेबसाइट मीडियापार्ट और विमानन खुफिया कंपनी सीएच-एविएशन की 13 अक्टूबर की रिपोर्टों के अनुसार, दोनों विमानन कंपनियों ने अपने पायलटों और केबिन क्रू को इज़रायल द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की जानकारी दी है। एयर फ्रांस ने पुष्टि की है कि वह इन नियमों का पालन कर रही है, जबकि खबरों के अनुसार, यूनाइटेड एयरलाइंस ने भी इन प्रतिबंधों को अपने चालक दल की ड्यूटी तय करने की प्रक्रिया में शामिल कर लिया है।

चैक गणराज्य की सबसे बड़ी विमानन कंपनी स्मार्टविंग्स ने भी पुष्टि की है कि वह इज़रायल के प्रतिबंधों का पालन करेगी। हालांकि, कंपनी ने कहा कि अब तक उसके चालक दल की ड्यूटी तय करने और उड़ानों के संचालन पर इन प्रतिबंधों का कोई असर नहीं पड़ा है।

वाहनों पर काली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिका के तौर पर सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जा सके। अदालत ने कहा कि यह मामला व्यापक जनहित से जुड़ा हुआ है। अदालत ने डेथ रेफरेंस से जुडे मामले के तथ्यों का हवाला देते हुए कहा कि अपीलार्थियों की ओर से काले रंग की कार में पीड़िता का शव ले जाया गया। जिससे राहगीरों के लिए अंदर देखना असंभव हो गया और आरोपियों को शव को अपराध स्थल से दूर स्थान पर ठिकाने लगाने में सुविधा हुई। अदालत के समक्ष बार एसोसिएशन के सदस्यों ने वाहनों पर काली फिल्म लगाने पर चिंता जताते हुए कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में चार पहिया वाहन काले शीशों अथवा रंगीन शीशों के साथ चलाए जा रहे हैं, जबकि ऐसा करना सुप्रीम कोर्ट के जारी निर्देशों और केंद्रीय मोटर वाहन नियमावली, 1989 के प्रावधानों के खिलाफ है। वकीलों ने विशेष तौर पर निजी एम्बुलेंसों की ओर अदालत का ध्यान आकर्षित करते हुए बताया कि उनमें से अधिकांश में काले रंग के शीशे लगे हुए हैं। इस बारे में पूर्व में प्रकाशित खबरों का भी हवाला दिया, जिसमें कहा था कि काले रंग के शीशों वाली निजी एम्बुलेंसों का उपयोग अवैध गतिविधियों के लिए किया जा रहा है।

सीजेपी के सौरव दास व आशुतोष रांका न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के मामले में काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दो नेताओं को पांच दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। स्पेशल एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने सौरव दास और आशुतोष रांका को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

दरअसल, दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास, आशुतोष रांका और अजिंक्य शिंदे सहित 14 सदस्यों के खिलाफ कनॉट प्लेस और पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में अलग-अलग दो एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस के

■ **पुलिस ने उन्हें 13 अक्टूबर को प्रतिबंधित जंतर मंतर पर पहुँचने व पुलिस के काम में बाधा डालने पर गिरफ्तार किया।**

मुताबिक, 13 अक्टूबर को सीजेपी के ये सदस्य प्रतिबंधित जंतर-मंतर पर निजी परिसर के रास्ते पहुंचे और पुलिसकर्मियों के काम में बाधा डाली। इसके बाद पुलिस ने तीनों नेताओं को हिरासत में लिया था। तीनों को आज सुबह स्पेशल एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जिसके बाद सौरव दास और आशुतोष रांका को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जबकि अजिंक्य शिंदे को छह महीने तक शांति बनाए रखने के लिए 5,000 रुपये के मुचलके पर पाबंद किया गया। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर को आधिकारिक विरोध प्रदर्शन स्थल की सूची से हटा दिया है। इसका मतलब है कि जंतर-मंतर पर कोई प्रदर्शन नहीं हो सकता।

राहुल गांधी धरने पर बैठे अंकिता भंडारी के परिवार से मिले

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बुधवार रात इंडिया गेट पहुंचे और वहां धरने पर बैठे अंकिता भंडारी के परिवार से मुलाकात की। अंकिता के परिवार ने दुष्यंत गौतम को राज्यपाल बनाए जाने के भाजपा के फैसले का विरोध किया है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भाजपा पर इस फैसले को लेकर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा कब तक बलात्कारियों के साथ खड़ी रहेगी?

युवा कांग्रेस ने पटेल चौक मेट्रो स्टेशन से जंतर-मंतर मार्च निकाला

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। भारतीय युवा कांग्रेस ने बुधवार को जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का अधिकार बहाल करने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मार्च निकाला। वहीं, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने अपनी महिला कार्यकर्ताओं के साथ कथित मारपीट के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने बताया कि दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 24 घंटे के भीतर प्राथमिकी दर्ज करने का मौखिक आश्वासन दिया है।

■ **एनएसयूआई ने अपनी महिला कार्यकर्त्ताओं के साथ कथित मारपीट पर एफआईआर की मांग की।**

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में 'जंतर-मंतर वापस लाओ' अभियान के तहत मार्च पटेल चौक मेट्रो स्टेशन से जंतर-मंतर की ओर निकाला गया। संगठन ने आरोप लगाया कि हालिया विरोध प्रदर्शनों के दौरान, दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और अन्य नागरिकों के खिलाफ बल प्रयोग किया। उसने इन घटनाओं की निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी जांच कराने तथा जिम्मेदार पाए जाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उदय भानु चिब ने कहा कि जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक है और इसे जनता से दूर नहीं किया जाना चाहिए।

वहीं, एनएसयूआई के अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने महिला कार्यकर्ताओं के साथ दिल्ली पुलिस की कथित मारपीट के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग को लेकर संसद मार्ग पुलिस स्टेशन का दौरा किया। इस दौरान पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ने 24 घंटे के भीतर प्राथमिकी दर्ज करने का मौखिक आश्वासन दिया।

जाखड़ ने कहा कि महिला कार्यकर्ताओं के साथ कथित मारपीट गंभीर मामला है और इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि यदि तय समय में प्राथमिकी दर्ज नहीं होती है, तो वे प्रतिनिधिमंडल के साथ दोबारा थाने पहुंचेंगे। एनएसयूआई ने मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

'ब्रिक्स समिट से दूर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाथ से निकल गया। हसीना ने तर्क दिया कि एक जिम्मेदार सरकार को "देश के लिए दरवाजे खोलने चाहिए, बंद नहीं करने चाहिए।" उन्होंने चेतावनी दी कि व्यक्तिगत प्रतिक्रियाओं या अल्पकालिक राजनीतिक गणनाओं से प्रेरित विदेश नीति का परिणाम स्वाभाविक रूप से नुकसानदेह होता है।

निर्वासन में भारत में रह रहीं हसीना ने संकेत दिया कि भारत में उनकी मौजूदगी ने शायद रहमान के फैसले को प्रभावित किया हो। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा है, तो यह "बेहद दुर्भाग्यपूर्ण" है। उन्होंने इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी और तारिक रहमान के पिता, पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान, 1979 में नई दिल्ली आए थे। उस समय हसीना 1975 में अपने पिता शेख मुजीबुर रहमान और परिवार के अन्य सदस्यों की हत्या के बाद भारत में रह रही थीं। जियाउर रहमान 1980 में लंदन भी गए थे, जब हसीना वहां थीं। हसीना ने कहा, "किसी भी शहर में मेरी मौजूदगी ने उन्हें वहां आने से नहीं रोका था। तो फिर आज दिल्ली में मेरी मौजूदगी जियाउर रहमान के बेटे तारिक रहमान को भारत आने से क्यों रोके?" विश्लेषकों का कहना है कि सम्मेलन से दूर रहकर रहमान ने तनावपूर्ण संबंधों के बीच एक संभावित असहज बहुपक्षीय स्थिति से बचने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं से सीधे बातचीत करने और भारत के प्रति खुलेपन का संकेत देने का अवसर गंवा दिया। नवंबर में संभावित द्विपक्षीय यात्रा को लेकर चर्चा जारी है, हालांकि ढाका का कहना है कि यात्रा का समय "अनुकूल" होना चाहिए।

इस बीच, बांग्लादेश हसीना के प्रत्यर्पण की मांग पर जोर दे रहा है। वर्ष 2024 में हुई कार्रवाई से जुड़े आरोपों में नवंबर 2025 में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने उनकी अनुपस्थिति में उन्हें मृत्युदंड सुनाया था। भारत ने कहा है कि किसी भी प्रत्यर्पण के लिए एक सुव्यवस्थित कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। अभी तक कोई निश्चित समयसीमा तय नहीं की गई है और अनुरोध की जांच जारी है। हसीना ने इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया है और दिसंबर तक लौटने का संकल्प जताया है।

'तिरंगे के साथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गिरफ्तार किया गया है। हम सबको तिरंगा लेकर वहां पहुंचना चाहिए और सरकार को यह दिखाना चाहिए की तिरंगा लहराना कोई जुर्म नहीं है। साथ ही उन्होंने आशंका जताई है कि उन्हें भी गिरफ्तार किया जा सकता है।

तारानगर में सरपंच बनने की सनक में इकलौते बेटे और बहू की हत्या

विवाद व समझाइश के बाद घर जा रहे पुत्र-पुत्रवधु को रामचन्द्र ने बोलेरो गाड़ी से कुचल कर मार दिया

तारानगर, 14 अक्टूबर। तहसील क्षेत्र में पहली बार ग्राम पंचायत बने चंगोई गांव में एक खौफनाक घटना सामने आई हैं। यहां गत रात्रि को सरपंच बनने की सनक में एक पिता ने विवाद के बाद अपने इकलौते बेटे व बहू को गाड़ी से कुचलकर मार डाला। गांव में हुए इस दोहरे हत्याकांड की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया ।

हत्याकांड के आरोपी पिता को गांव से हिरासत में लेकर घटना में प्रयुक्त बोलेरो गाड़ी को जब्त कर लिया गया। वारदात की सूचना पर राजगढ़ एएसपी रिछपाल चारण, डीएसपी रोहित सांखला, एसएचओ पुष्पेन्द्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का मुआयना किया। साथ ही चूरू से एफएसएल टीम भी पहुंची।

■ **प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामचन्द्र सरपंच का चुनाव लड़ना चाहता था। उसका पुत्र उन्हें मना कर रहा था। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने लड़ाई-झगड़ा शुरु किया। समझा बुझाकर पुत्र व पुत्रवधु देर रात घर पैदल वापस जा रहे थे, जब आरोपी ने पीछे से गाड़ी से उन्हें कुचल दिया।**

डीएसपी रोहित सांखला ने बताया कि रात को गांव में किसी वाहन की टक्कर से दो जनों की मौत की सूचना मिली। वे मय जाब्ते के घटना स्थल पर पहुंचे, तो दो जनों के शव पड़े थे। गहनता से जांच करने व सीसीटीवी देखने पर पता चला कि घटना को अंजाम देने वाला मृतक युवक रवीन्द्र का पिता रामचन्द्र था। घटना से थोड़ी देर पहले गांव में स्थित खुद के धर्मकांटे पर पिता-पुत्र में चुनाव लड़ने को लेकर विवाद हुआ, जिसमें आरोपी सरपंच का चुनाव लड़ना चाहता था और पुत्र उसे मना कर रहा था। विवाद बढ़ने पर मृतक रवीन्द्र की पत्नी महेन्द्रा भी मौके पर पहुंची और आरोपी को समझा बुझाकर बेटे-बहू वापिस घर जा रहे थे। उसी दौरान रात्रि 12:45 बजे आरोपी रामचंद्र पीछे से बोलेरो गाड़ी लेकर आया और दोनों को कुचल दिया, जिससे बेटे व बहू की मौके पर ही मृत्यु हो गई। पुलिस ने घटना को लेकर मामला दर्ज कर आगे की करवाई शुरू कर दी है। मृतक रवीन्द्र के ससुर ने मामला दर्ज कराया है। एसएचओ पुष्पेन्द्र सिंह ने बताया कि शिशराम पुत्र दुलाराम जाट निवासी मैलूसर पीएस भालेरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी पुत्री महन्द्रा का विवाह करीब 15 वर्ष पूर्व रवाद्र पुत्र रामचन्द्र जाट निवासी चंगोई के साथ हुआ था, जिनके एक पुत्री मितारिका (11) है। मृतक रवीन्द्र के ससुर ने बताया कि 13 व14 अक्टूबर की रात्रि एक बजे के लगभग दोनों बाप-बेटे अपने धर्मकांटे पर बैठे थे और चुनाव लड़ने की बात को लेकर आपस में विवाद हो गया। उनकी बेटी महेन्द्रा अपने पति रवीन्द्र को समझा बुझाकर घर ला रही थी, उसी दौरान आरोपी पीछे से गाड़ी लेकर आए और दोनों को गाड़ी से कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। इस दौरान मृतक दंपति की 11 वर्षीय बेटी मितारिका भी मौके पर मौजूद थी। मीतारिका अपनी माँ के पीछे-पीछे जा रही थी, जब वह यादव धर्मकांटे के पास पहुंची तो उसने उक्त सारी घटना अपनी आँखो से देखी।

'अमेरिका में मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि एक अमेरिकी सार्वजनिक हस्ती का भारत के विरोध प्रदर्शन से जुड़े आंदोलन पर टिप्पणी करना राजनीतिक रूप से क्या मायने रखता है। हालांकि, इससे फंडिंग को लेकर उठे सवाल का अपने आप समाधान नहीं हुआ।

अब यह विवाद एक-दूसरे के खिलाफ राजनीतिक दावों के बजाय, सबूतों पर टिका है। दानदाताओं की पहचान, बैंक रिकॉर्ड, दान की रसीदें, ऑडिट किए गए खाते या भरोसेमंद जांच के नतीजे यह पता लगाने में मदद कर सकते हैं कि पैसा विदेश से आया था या नहीं और क्या वह संगठन तक पहुंचा था। नियमों का उल्लंघन हुआ है या नहीं, इसका फैसला दान की प्रकृति, संगठन के कानूनी स्टेटस और उस पर लागू होने वाले नियमों पर निर्भर करेगा।

सीजेपी से आगे भी इस मुद्दे के व्यापक मायने हैं। विदेशी फंडिंग के आरोप राजनीतिक विरोध के बारे में लोगों की सोच को प्रभावित कर सकते हैं। जबकि, बिना पुष्टि किए गए आरोप घरेलू विरोध को बाहरी दखलंदाजी से जोड़कर उनकी निष्पक्ष जांच को कमजोर कर सकते हैं। दूसरी ओर, बिना बताई गई फंडिंग के पक्के सबूत मिलने पर पारदर्शी जांच होनी चाहिए, चाहे इसमें शामिल लोगों की राजनीतिक संबद्धता कुछ भी हो।

फिलहाल, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सबूतों की समीक्षा के आधार पर यह दावा साबित नहीं हुआ है कि अमेरिकी दानदाता दीपके की सीजेपी को पैसा दे रहे हैं। इस आरोप ने राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है, लेकिन इसकी विश्वसनीयता आखिरकार इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या पैसों के लेन-देन से जुड़े ठोस और जांचे जा सकने वाले सबूत सामने आते हैं।

नीला ड्रम हत्याकांड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले उनकी दिनचर्या और अपने पक्ष में कुछ कहने की इजाजत दी, लेकिन दोनों ने कहा कि वे कुछ भी नहीं बोलना चाहते हैं।

हालांकि मुस्कान ने अपनी बेटी से मिलने की गुजारिश न्यायालय से की। बचाव पक्ष की अधिवक्ता रेखा जैन ने बच्चियों के भविष्य और पालन-पोषण का हवाला देते हुए अदालत से कम सजा देने की अपील की। लंच के बाद कोर्ट ने सभी साक्ष्यों और दलीलों और बयान के आधार पर दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालोर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908